अनुक्रम

संस्कृतम - 6 01-22
संस्कृतम - 7 23-50
संस्कृतम - 8 51-80

संस्कृतम्–6

वन्दनम्

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(Answer of the following questions)

(क) दुग्धसिन्धुम् सरस्वती माता दासीकृतम्।

(ख) मन्दः स्मितः सरस्वत्याः अस्ति।

(ग) अरविन्दासने सरस्वती माता तिष्ठति।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(Fill in the blanks)

(क) आशासु **(ख)** दुग्धसिन्धुम् **(ग)** शारदेन्दुं **(घ)** अरविन्दासनसुन्दरी

3. संस्कृत में अनुवाद कीजिए–

(Translate into Sanskrit)

(क) भवतः देहस्य कांतिः समस्त दिक्षु विस्तृतः अस्ति।

(ख) भवत्याः स्मितः इन्दुं निस्तेजं अकरोत्।

(ग) भवती कमलासने विराजमानः।

(घ) अहम् भवत्याः वन्दनम् करोमि।

(ङ) सरस्वती माता मम् कल्याणं करोतु।

प्रथमः पाठः भक्तः ध्रुवः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(Answer of the following questions)

(क) नृपस्य नाम उत्तानपादः आसीत्। सन्तत्यै सः चिन्तातुरः अभवत्।

(ख) नृपस्य कुटिलहृदया पत्न्या नाम सुरुचिः आसीत्।

(ग) ध्रुवस्य मातुः नाम सुनीतिः आसीत्।

(घ) नारदस्य उपदेशेन ध्रुवः स्वलक्ष्यप्राप्तौ सफलः अभवत्।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(Fill in the blanks)

(क) सुनीतिः **(ख)** सुनीतिः **(ग)** कुटिलहृदया **(घ)** नारदः

3. **निम्नलिखित अनुच्छेद का हिन्दी अनुवाद लिखिए—**

(Translate into Hindi of the following passage)

प्राचीने काले .... ध्रुवः आसीत्।

प्राचीनकाल में उत्तानपाद नाम के एक राजा थे। उनकी धर्मपत्नी सुनीति बहुत रूपवती, गुणवती और पतिव्रता थी। राजा सभी सुखों से सम्पन्न थे फिर भी वह संतानहीन थे। इस कारण वह चिन्तामग्न रहते थे। सुनीति ने उन्हें दूसरा विवाह करने के लिए कहा। उसके विशेष आग्रह से राजा ने दूसरा विवाह कर लिया। उसकी दूसरी पत्नी सुरुचि भी रूपवती थी परन्तु कटिल हृदय वाली थी। विवाह के बाद उसको एक पुत्र हुआ। राजा ने उसका नाम उत्तम रखा। आगे चलकर सुनीति ने भी एक पुत्र को जन्म दिया। उसका नाम ध्रुव था।

4. **निम्नलिखित पदों में विभक्ति व वचन बताइए—**

(Write the case and number of the following)

पद	**विभक्ति**	**वचन**	**पद**	**विभक्ति**	**वचन**
प्राचीनकाले	सप्तमी	एकवचन	**तस्मै**	चतुर्थी	एकवचन
कुटिलहृदया	प्रथमा	एकवचन	**पुत्रम्**	द्वितीया	एकवचन
अङ्के	सप्तमी	एकवचन	**कुक्षौ**	सप्तमी	एकवचन
स्वमातरं	द्वितीया	एकवचन	**आकाशे**	सप्तमी	एकवचन

5. **निम्नलिखित क्रियाओं की धातु, लकार, पुरुष व वचन लिखिए—**

(Write Dhatoo, Lakar, person and number of the following verbs)

क्रिया	**धातु**	**लकार**	**पुरुष**	**वचन**
अभवत्	भू	लङ्लकार	प्रथम	एकवचन
आसीत्	अस्	लङ्लकार	प्रथम	एकवचन
अकथयत्	कथ्	लङ्लकार	प्रथम	एकवचन
नोपावेशयत्	उपविश्	लङ्लकार	प्रथम	एकवचन
अगच्छत्	गम्	लङ्लकार	प्रथम	एकवचन
भज	सेव् (भज)	लोट् लकार	मध्यम	एकवचन

6. **संस्कृत में अनुवाद कीजिए—**

(Translate into Sanskrit)

(क) नृपः सर्वसुखसम्पन्नः आसीत् परन्तु तदर्थं चिन्तातुरः आसीत्।

(ख) रानी द्वितीयं विवाहं कर्तुं आग्रहं अकरोत्।

(ग) अहमपि भवतः अङ्के उपवेशनाय इच्छामि।

(घ) सुरुचि ध्रुवं अपमानितं अकरोत्।

(ङ) नारदः ध्रुवाय एकं मन्त्रं अददात्।

द्वितीयः पाठः सुभाषितानि

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–**

   (Answer of the following questions)

   (क) यत् परवशं तत् दुःखं यत् आत्मवशं तत् सुखम् च।

   (ख) दिवसेनैव् तस्मात् कुर्यात् येन् रात्रौ सुखं वसेत्।

   (ग) धनस्य त्रीणि गतिनि सन्ति– दानं, भोगं नाशश्च।

   (घ) वसन्तस्य गुणं पिकः जानाति वायसः च न जानाति।

   (ङ) या प्रियं ब्रूयते, सा सुभार्या भवति।

2. **रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–**

   (Fill in the blanks)

   (क) कलहान्तानि **हर्म्याणि कुवाक्यानां च** सौहृदम् ।
   कुराजान्तानि राष्ट्राणि **कुकर्मान्तम् यशो** नृणाम् ।।

   (ख) **दुर्लभं** त्रयमेवैतत् **देवानुग्रहहेतुकम्।**
   मनुष्यत्वं मुमुक्षुत्वं **महापुरुष संश्रयः।।**

3. **दूसरे, चौथे, छठे व सातवें श्लोक का हिन्दी अनुवाद लिखिए–**

   (Translate into Hindi of the second, fourth, sixth and seventh shloka)

   (2) झगड़ों से परिवार टूट जाते हैं। गलत शब्द प्रयोग करने से दोस्त टूटते हैं। बुरे शासकों के कारण राष्ट्र का नाश होता है। बुरे काम करने से यश दूर भागता है।

   (4) दिनभर ऐसा काम करो, जिससे रात में चैन की नींद आ सके। वैसे ही जीवनभर ऐसा काम करो, जिससे मृत्यु पश्चात् सुख मिले।

   (6) गुणी पुरुष ही दूसरे (गुणी) के गुण पहचानता है, गुणहीन नहीं। बलवान पुरुष ही दूसरे (बलवान) के गुण पहचानता है। निर्बल नही। वसन्त ऋतु के गुण कोयल ही पहचान पाती है, कौआ नहीं। (उसी तरह) शेर के बल को हाथी पहचान पाता है, चूहा नहीं।

   (7) जो मीठी वाणी बोले, वही अच्छी पत्नी है। जिससे सुख प्राप्त होता है, वही अच्छा पुत्र है। जिस पर हम विश्वास कर सकें, वही मित्र है। जहाँ हम जीवन-यापन कर सकें, वहीं अपना देश है।

4. **निम्नलिखित पदों में विभक्ति व वचन बताइए–**

   (Write the case and numbers of the following words)

पद	**विभक्ति**	**वचन**	**पद**	**विभक्ति**	**वचन**
परवशं	द्वितीया	एकवचन	**समासेन**	तृतीया	एकवचन
दुःखयो	षष्ठी	द्विवचन	**कलहान्तनि**	प्रथमा	बहुवचन
प्रेत्य	प्रथमा	एकवचन			

5. संस्कृत में अनुवाद कीजिए–

(Translate into Sanskrit)

(क) परवशं दुःखं आत्मवशं सुखम् च।

(ख) कलहान्तनि कुटुम्बं हम्र्याणि।

(ग) दिवसेनैव तत् कुर्यात् येन रात्रो सुखं वसेत्।

(घ) धनस्य त्रीणि गतिनि सन्ति– दानं, भोगं नाशश्च।

(ङ) भार्यां प्रियं हि ब्रूयात्।

तृतीयः पाठः हिमालयः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(Answer of the following questions)

(क) नगाधिराजः हिमालयः भारतस्य उत्तरे भागे अस्ति।

(ख) संसारस्य सर्वोच्च शिखरम् एवरेस्ट अस्ति।

(ग) हिमालये पर्वते विविधानां ओषधीनां धातूनां रत्नानां च महान् भण्डारः विद्यते।

(घ) भारतीयशेरपातेनजिङ्गः एकः पर्वतारोहकः आसीत्।

(ङ) कुमारसम्भवनामक प्रसिद्धस्य ग्रन्थस्य रचयिता कालिदासः।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(Fill in the blanks)

(क) उत्तरे **(ख)** हिमालयस्य **(ग)** काननानि **(घ)** हिमण्डितानि

3. दूसरे अनुच्छेद का हिन्दी अनुवाद कीजिए–

(Translate into Hindi of second Paragraph)

इसकी ऊँची चोटियाँ आसमान को छूती हैं। उनमें एवरेस्ट संसार की सर्वोच्च चोटी है। हमारी देश की प्रसिद्ध नदियाँ गंगा, यमुना, सिन्धु और ब्रह्मपुत्र पर्वत से ही निकलती हैं। इस पर्वत पर बहुत से पशु और मनोहर पक्षी निवास करते हैं। यहाँ अनेक घने वन हैं।

4. निम्नलिखित पदों की विभक्ति लिखिए–

(Write the case of the following words)

भारतः	प्रथमा	**उत्तरे**	सप्तमी	**शिखराणि**	प्रथमा
संसारस्य	षष्ठी	**पर्वतात्**	पंचमी	**वनानि**	प्रथमा
भारतीयानाम्	षष्ठी	**असंख्यकाः**	प्रथमा	**पक्षिणः**	प्रथमा

5. निम्नलिखित क्रियाओं की धातु, लकार, पुरुष व वचन लिखिए–

(Write Dhatoo, Lakar, person and number of the following verbs)

क्रिया	**धातु**	**लकार**	**पुरुष**	**वचन**
सन्ति	अस्	प्रथम	लट्	बहुवचन
निवसन्ति	नि + वस्	प्रथम	लट्	बहुवचन
स्पृशन्ति	स्पृश्	प्रथम	लट्	बहुवचन

गच्छन्ति	गम्	प्रथम	लट्	बहुवचन
कुर्वन्ति	कृ	प्रथम	लट्	बहुवचन
अकरोत्	कृ	प्रथम	लङ्	एकवचन

चतुर्थः पाठः कारागार एव मम गृहम्

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–**

   (Answer of the following questions)

   (क) चन्द्रशेखरं आरक्षकाः वाराणसी न्यायालये न्यायाधीशस्य सम्मुखं आनयन्ति।

   (ख) चन्द्रशेखरः न्यायाधीशं स्वनाम आजादः अकथयत्।

   (ग) न्यायाधीशः चन्द्रशेखरं पञ्चदशकशाघातान् अदण्डयत्।

   (घ) ताड़ितः चन्द्रशेखरः पुनः पुनः 'भारतं जयतु' अवदत्।

2. **रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–**

   (Fill in the blanks)

   (क) पारसीकः **(ख)** षोडशवर्षीयः **(ग)** पञ्चदश **(घ)** बालकाः

3. **निम्नलिखित अनुच्छेद का हिन्दी अनुवाद लिखिए–**

   (Translate into Hindi of the following passage)

   ताडितः चन्द्रशेखरः .... अभिनन्दयन्ति।

   दंडित चन्द्रशेखर बार-बार 'भारत माता की जय' बोलता है। इस तरह उसे पंद्रह कोड़ों का दण्ड मिलता है। जब वह कारागार से मुक्त होकर बाहर आता है, तभी सभी लोग उसे चारों ओर से घेर लेते हैं। बहुत से बालक उसके पैरों पर पड़ते हैं और उसका मालाओं से अभिनन्दन करते हैं।

4. **निम्नलिखित पदों की विभक्ति व वचन बताइए–**

   (Write the case and numbers of the following words)

पद	विभक्ति	वचन	पद	विभक्ति	वचन
न्यायाधीशस्य	षष्ठी	एकवचन	**चन्द्रशेखरं**	द्वितीया	एकवचन
सभायाम्	सप्तमी	एकवचन	**विस्मयेन**	तृतीया	एकवचन
मालाभिः	तृतीया	बहुवचन			

5. **संस्कृत में अनुवाद कीजिए–**

   (Translate into Sanskrit)

   (क) बालके चन्द्रशेखरोपरि अभियोगं प्रारभताम्।

   (ख) तव पितुः नाम् किम्?

   (ग) अयम् नवयुवकः बहुः उददण्डः अस्ति।

   (घ) अहम् इमं पञ्चदश कशाघातान् दण्डयामि।

   (ङ) बालकाः चन्द्रशेखरं मालाभिः अभिनन्दयन्ति।

पंचमः पाठः सर्वदा सत्यम् वद

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–**

   (Answer of the following questions)

   (क) धेनोः एकः वत्सः आसीत्।

   (ख) मार्गे धेनुं व्याघः अमिलत्।

   (ग) व्याघ्रः धेनोः मांसं खादितुं इच्छति स्म।

   (घ) धेनुः व्याघ्रं वचनम् अददात्। यत् सा स्ववत्सं दुग्धं पायित्वा तत् सा पुनः अत्र आगमिष्यति।

   (ङ) अन्ते धेनुः व्याघ्रस्य समीपे आगच्छत्। तदनन्तरं व्याघ्रः धेनोः सत्यवचनात् ताम् अत्यजत् धेनुः सानन्दं गृहम् आगच्छत्।

2. **रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–**

   (Fill in the blanks)

   (क) धेनुः **(ख)** दुग्धं **(ग)** स्वसत्यं, वनस्थलम् **(घ)** सानन्दं **(ङ)** सत्यम्

3. **दिए गए अनुच्छेद का हिन्दी अनुवाद लिखिए–**

   (Translate into Hindi of the given paragraph)

   एकदा सायं .... ताम् अत्यजयत्।

   एक बार शाम को वह गाय घर आ रही थी। अचानक रास्ते में एक बाघ आ गया और बोला– ''मैं भूखा हूँ, तुम्हारा मांस खाऊँगा।'' गाय निडर थी। वह बोली– ''देखो! घर में मेरा एक बछड़ा है। शाम को जब वह मेरा दूध पी लेगा तो उसके बाद मैं फिर यहाँ आ जाऊँगी। इस समय आप मुझे छोड़ दें।'' बाघ बोला– ''तुम्हारी बात पर क्या विश्वास?'' गाय बोली– ''सच बोल रही हूँ। मैं अवश्य ही आऊँगी।'' तब बाघ ने उसे छोड़ दिया।

4. **निम्नलिखित शब्दों से वाक्य बनाइए–**

   (Frame the sentences of the following words)

   (क) **ग्रामात्** – सः ग्रामात् अगच्छत्।

   (ख) **सायं** – धेनुः सायं गृहं प्रति आगच्छत्।

   (ग) **पास्यति** – वत्सः धेनोः दुग्धं पास्यति।

   (घ) **त्यजतु** – इदानीं मां त्यजतु भवान्।

   (ङ) **मां** – इदानी मां व्यज।

5. **निम्नलिखित पदों की विभक्ति व वचन बताइए–**

   (Write the case and numbers of the following words)

पद	विभक्ति	वचन	पद	विभक्ति	वचन
ग्रामे	सप्तमी	एकवचन	**दूरं**	द्वितीया	एकवचन
मार्गे	सप्तमी	एकवचन	**ताम्**	द्वितीया	एकवचन
सत्यबलेन	तृतीया	एकवचन	**त्वं**	प्रथमा	एकवचन

6. **संस्कृत में अनुवाद कीजिए–**
(Translate into Sanskrit)
(क) धेन्वाः एकः वत्सः आसीत्।
(ख) मार्गे एकः व्याघ्रः आगच्छत्।
(ग) अहम् तव वचने किमर्थम् विश्वासः कुर्याम्?
(घ) धेनुः निर्भीका आसीत्।
(ङ) सर्वदा सत्यम् वद्।

षष्ठः पाठः मुनिः मूषकः च

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–**
(Answer of the following questions)
(क) वने एकः मुनिः निवसति स्म।
(ख) भयभीतः एकः मूषकः आसीत्।
(ग) मूषकः विडालात भीतः मुनेः क्रोडे प्राविशत्।
(घ) मुनिः मूषकं तस्य भयस्य कारणं विडालमकरोत्। तत् कुक्कुरः तथा तदनन्तरं शार्दूलं कृतवान्।
(ङ) अन्ते मुनिः मूषकं शार्दूलः पुनः मूषकरूपेण परिवर्तितः।
(च) शार्दूलः मुनिं खादितुम् उद्यतः। मुनिः क्रोधितं भूत्वा 'पुनर्मूषको भव' इति शापं दत्तवान्।

2. **रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–**
(Fill in the blanks)
(क) भीतः मूषकः **(ख)** बिडालः **(ग)** कुक्करं **(घ)** शार्दूलं **(ङ)** पुनर्मूषको भव

3. **दिए गए अनुच्छेदों का हिन्दी अनुवाद लिखिए–**
(Translate into Hindi of the given paragraph)
(क) एक वन में एक मुनि रहते थे। वे वन में अपना आश्रम बनाकर तपस्या करते थे। एक बार उनके आश्रम के पास एक डरा हुआ चूहा आया। मुनि ने चूहे को अभयदान देकर उसका पालन किया।
(ख) एक बार कुत्ते ने एक शेर देखा। उसे देखकर वह भागकर मुनि के समीप आया। मुनि ने पूछा कि क्या हुआ? कुत्ते के भय का कारण जानकर उन्होंने उसे शेर बना दिया। इस तरह मुनि के आशीर्वाद से वह शेर हो गया। परन्तु मुनि उसे चूहे की तरह ही देखते थे।
(ग) यह सुनकर शेर दुखी हुआ। उसने सोचा कि जब तक मुनि जीवित है, तब तक सभी लोग मेरे विषय में ऐसे ही बोलेंगे। मुनि के कारण लोग मेरे वास्तविक रूप को याद करते हैं। यदि मैं मुनि को खाता हूँ, तो कोई भी मेरे वास्तविक रूप को नहीं जानेगा।'' यह सोचकर वह मुनि को खाने के लिए उद्यत हुआ। मुनि ने क्रोधित होकर 'पुनः चूहे हो जाओ' ऐसा शाप दे दिया। परिणामस्वरूप शेर पुनः चूहे में बदल गया।

4. **निम्नलिखित पदों की विभक्ति व वचन बताइए–**
(Write the case and numbers of the following words)

पद	विभक्ति	वचन	पद	विभक्ति	वचन
वने	सप्तमी	एकवचन	**आश्रमस्य**	षष्ठी	एकवचन
मूषकं	द्वितीया	एकवचन	**मुनेः**	षष्ठी	एकवचन
क्रोडे	सप्तमी	एकवचन	**निर्भयेन**	तृतीया	एकवचन

भयस्य	षष्ठी	एकवचन	**कारणात्**	पंचमी	एकवचन
मूषक रूपेण	तृतीया	एकवचन			

5. **दिए गए शब्दों में कौन-सा प्रत्यय प्रयोग हुआ है?**
   (Which Prefix is used in the given words)

निर्माय	ल्यप् प्रत्यय	**खादितुम्**	तुमन् प्रत्यय	**विज्ञाय**	ल्यप् प्रत्यय
दृष्ट्वा	क्त्वा प्रत्यय	**धावित्वा**	क्त्वा प्रत्यय	**ज्ञात्वा**	क्त्वा प्रत्यय
विचिन्त्य	ल्यप् प्रत्यय	**भूत्वा**	क्त्वा प्रत्यय		

6. **निम्नलिखित क्रिया पदों में कौन-सी धातु, लकार, पुरुष व वचन लिखिए**
   (Write Dhatoo, Lakar, person and number of the following verbs)

क्रिया	**धातु**	**लकार**	**पुरुष**	**वचन**
करोति स्म	कृ	लट् लकार	प्रथम	एकवचन
आगच्छत्	आगच्छ्	लङ् लकार	प्रथम	एकवचन
अधावत्	धाव्	लङ् लकार	प्रथम	एकवचन
प्रविशत्	प्रविश्	लङ् लकार	प्रथम	एकवचन
भ्रमति	भ्रम्	लट् लकार	प्रथम	एकवचन
पश्यति	पश्य्	लट् लकार	प्रथम	एकवचन

7. **संस्कृत में अनुवाद कीजिए–**
   (Translate into Sanskrit)
   (क) वने मुनिः आश्रमं निर्माय निवसति स्म।
   (ख) मुनिः स्वतपोबलेन मूषकं शार्दूलं कृतवान्।
   (ग) कुक्करः शार्दूलं दृष्ट्वा अबिभेत्।
   (घ) शार्दूलः मुनिं मारयितुं ऐच्छत्।
   (ङ) मुनिः क्रुद्धं भूत्वा शार्दूलं पुनः मूषकरूपेण परिवर्तिता।

सप्तमः पाठः लोभी नृपः

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–**
   (Answer of the following questions)
   (क) राज्ञः नाम सूरजभानः अस्ति।
   (ख) एकदा दैवदुर्विपाकात् राज्ञः अनेके अश्वाः भृशं दग्धाः।
   (ग) वानरयूथपतिः अचिन्तयत्– कथमेनं राजानं दण्डयामि, येन इदम् अकार्यं कृतम्।
   (घ) सरोवरे एकः राक्षसः अनिवसत्।
   (ङ) वृक्षम् आरुह्य वानरः राजानाम् अकथयत् – भो दुष्ट नृपः। धिक् त्वां लोभाभिभूतात्मानम्। पूर्वं त्वं अश्वलोभात् पालितवानराणां वधं कारितवान्। अधुना लोभवशीभूतः स्वजनानां मृत्योः कारणम् अपि अभूः।

2. **रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–**

(Fill in the blanks)

(क) भवन परिसरे **(ख)** अश्वोपचाराय **(ग)** रत्नमालाम् **(घ)** नृपः

3. **संस्कृत में अनुवाद कीजिए–**

(Translate into Sanskrit)

(क) नृपस्य समीपे अनेकाः अश्वाः वानराः च आसन्।

(ख) राजा वैद्यवचनानुसारं अश्वोपचारं कृतवान्।

(ग) सरोवरे राक्षसः निवसति स्म।

(घ) वानरः सरोवरस्य विचित्रता अजानयत्।

(ङ) राजा लोभेन स्व स्वजनानां च मृत्योः कारणम् अभूः।

अष्टमः पाठः नीतिवचनानि

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–**

(Answer of the following questions)

(क) यशरूपेण दुग्धेन् मलिनं शुद्धा बुद्धिः प्रमार्ष्टि।

(ख) संकटे जनाः देवान् नमस्यन्ति।

(ग) दूरस्थाः पर्वताः रम्यन्ते।

(घ) सत्यं, धर्मः, ज्ञानं, दया, शान्तिः क्षमा च इमे सर्वे मम बन्धवाः सन्ति।

(ङ) सिंही निर्भयं भूत्वा स्वपिति।

2. **रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–**

(Fill in the blanks)

(क) संस्कार **(ख)** दानम् **(ग)** मुखमण्डने **(घ)** दशभिः, गर्दभी

3. **निम्नलिखित शब्दों से वाक्य बनाइए–**

(Frame the sentences of the following words)

(क) **आर्ता** – आर्ता देवान् नमस्यन्ति।

(ख) **दूरतः** – पर्वताः दूरतः एव रम्यन्ते।

(ग) **भ्राता** – रघुः मम भ्राता अस्ति।

(घ) **सिंही** – सिंही निर्भयं भूत्वा स्वपिति।

(ङ) **वहति** – गर्दभः भारं वहति।

4. **दूसरे, चौथे व छठे श्लोक का हिन्दी अनुवाद कीजिए–**

(Translate into Hindi of the second, fourth and sixth shlokas)

(2) संकट में लोग देव (ईश्वर) की प्रार्थना करते हैं, रोगी व्यक्ति तप करता है। निर्धन को धन देने की इच्छा होती है। वृद्धा स्त्री पतिव्रता होने की चेष्टा करती है।

(4) सत्य मेरी माता, ज्ञान मेरे पिता, धर्म मेरा भाई, दया मेरा मित्र, शान्ति मेरी पत्नी, क्षमा मेरा पुत्र है। ये सब छः मेरा परिवार है।

(6) शेरनी को यदि एक ही पुत्र है, तो भी वह निर्भय होकर सोती है। परन्तु गधी को दस पुत्र होते हुए भी स्वयं भार ढोना पड़ता है।

5. संस्कृत में अनुवाद कीजिए–

(Translate into Sanskrit)

(क) शुद्धा बुद्धिः कामधेनु इव भवति।

(ख) वृद्धा स्त्री पतिव्रता भवितुम् इच्छति।

(ग) महात्मा पुरुषाः तत् वदन्ति, यत् मनसि भवति।

(घ) दुरात्माः पुरुषाः अन्यत् वदन्ति अन्यत् कुर्वन्ति च।

(ङ) एकेन अपि सुपुत्रेण सिंही निर्भयम् स्वपिति।

नवमः पाठः सिद्धिमन्त्रः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(Answer of the following questions)

(क) रामधनः नित्यः ब्राह्ममुहुर्ते उत्थाय नित्यकर्माणि अकरोत्।

(ख) पैतृकधनेन धनवान् धर्मराजः।

(ग) धर्मराजस्य दरिद्रयस्य कारणम् अकर्मण्यता आसीत्।

(घ) सिद्धिमन्त्रः कर्म एव भवति।

(ङ) उत्साहसम्पन्नं, कियाविधिज्ञम् , व्यसनेष्वसक्तम्, शूरं, दृढसौहृदम् लक्ष्मीः निवासहेतो स्वयं याति।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(Fill in the blanks)

(क) क्षेत्राणि **(ख)** चिराद् **(ग)** दयालुना महात्मना, सम्पत्तिकारकः सिद्धिमन्त्रः
(घ) धर्मराजः, अनुष्ठान्

3. दिए गए अनुच्छेदों का हिन्दी अनुवाद लिखिए–

(Translate into Hindi of the given paragraph)

(क) अत्रैव ग्रामे .... जातम्।

इसी गाँव में पूर्वजों के धन से धनवान धर्मराज रहता था। उसका सारा कार्य उसके नौकर करते थे। नौकरों की उपेक्षा से उसके पशु दुर्बल थे और खेतों में कम अनाज पैदा होता था। उसका पैतृक धन समाप्त हो गया। उसका जीवन अभावग्रस्त हो गया था।

(ख) उत्साहसम्पन्नमदीर्घसूत्रम् .... निवासहेतो।

उत्साह से युक्त, शीघ्र कार्य करने वाले, काम करने की विधि को जानने वाले, बुरे कर्मों में न लगे हुए, शूरवीर, किए हुए उपकार को मानने वाले, पक्की मित्रता रखने वाले, पुरुष के पास धन-सम्पत्ति (लक्ष्मी) स्वयं ही निवास के लिए जाती है।

4. संस्कृत में अनुवाद कीजिए–

(Translate into Sanskrit)

(क) रामधनः ब्राहमुहुर्ते उतिष्ठत्।

(ख) धर्मराजस्य समीपे पैतृकधनं आसीत्।

(ग) मित्र, सम्पन्नः भवितुं कोऽपि मन्त्रः वद।

(घ) सम्यक् कर्म एव सिद्धिमन्त्रः अस्ति।

(ङ) वयं प्रमाद् न कुर्याम।

दशमः पाठः राजा शिवि

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–**

(Answer of the following questions)

(क) धार्मिकः करुणापरः शिविः।

(ख) इन्द्रः श्येनस्य रूपं अग्निं कपोतस्य रूपं च धारयति स्म।

(ग) धर्मसंकटे निमग्नः शिविः श्येनम् अब्रवीत् – "भो अतिथिराज! कपोतोऽयं मम शरणागतः अतः अहम् एनं त्यक्तुं न शक्नोमि।"

(घ) स्व शरणागतः कपोतस्य रक्षार्थं शिवि श्येनं अकथयत्– "अहम् एतत्समं तुभ्यं मांसं ददामि।"

(ङ) श्येनस्य क्षुधानिवारणार्थं शिविः स्वयं तुलायाम् उपविष्टः तदा दिवलोकात् पुष्पवृष्टिः जाता।

2. **रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–**

(Fill in the blanks)

(क) इन्द्रः (ख) तवाङ्के (ग) कपोतः (घ) श्येनस्य, शिविः

3. **निम्नलिखित क्रियापदों की धातु, लकार, पुरुष व वचन बताइए–**

(Write Dhatoo, Lakar, person and numbers of the following verbs)

क्रिया	**धातु**	**लकार**	**पुरुष**	**वचन**
ऐच्छत्	इष्	लङ् लकार	प्रथम	एकवचन
प्राविशत्	प्रविश्	लङ् लकार	प्रथम	एकवचन
भविष्यामि	भू	लृट् लकार	उत्तम	एकवचन
अब्रवीत्	ब्रू	लङ् लकार	प्रथम	एकवचन
ददामि	दा	लट् लकार	उत्तम	एकवचन
जाता	जा	लुट् लकार	प्रथम	एकवचन

4. **निम्नलिखित शब्दों की विभक्ति व वचन बताइए–**

(Write the case and numbers of the following words)

शब्द	**विभक्ति**	**वचन**	**शब्द**	**विभक्ति**	**वचन**
धर्मस्य	षष्ठी	एकवचन	**राजानं**	द्वितीया	एकवचन
क्षुधया	तृतीया	एकवचन	**धर्मसंकटे**	सप्तमी	एकवचन
प्रसन्नतया	तृतीया	एकवचन	**तुलायाम्**	सप्तमी	एकवचन
दिवलोकात्	पंचमी	एकवचन	**पुष्पवृष्टिः**	प्रथमा	एकवचन

5. **दूसरे अनुच्छेद का हिन्दी अनुवाद कीजिए–**

(Translate into Hindi of the second paragraph)

तब धर्म–संकट में डूबे शिवि ने बाज से कहा– ''हे अतिथि राज! यह कबूतर मेरी शरण में आया है। इसलिए मैं इसे नहीं छोड़ सकता हूँ।'' बाज बोला– ''किंतु महाराज! यह कबूतर तो मेरा भोजन है और फिर मैं भी तुम्हारी शरण में हूँ। मेरे प्रति तुम्हारा शरणार्थी के जैसा व्यवहार .....।'' राजा बोले– ''क्षमा कीजिए अतिथि महोदय, क्षमा कीजिए। मैं इसके बराबर तुम्हें मांस देता हूँ।'' यह कहकर उन राजा ने प्रसन्नतापूर्वक तलवार लेकर स्वयं ही अपना मांस काटकर तराजू में रखा किंतु कबूतर का भार अधिक था। राजा शिवि, बाज की भूख शांत करने के लिए स्वयं तराजू में बैठ गया। तब स्वर्ग से पुष्पवर्षा हुई।

6. **संस्कृत में अनुवाद कीजिए–**

(Translate into Sanskrit)

(क) राजा शिवेः प्रसिद्धिः सर्वत्र आसीत्।

(ख) मुञ्च कपोतोऽयम्, नोचेदहं क्षुधया मृतो भविष्यामि।

(ग) कपोताः मम शरणागतः।

(घ) अहम् त्वाम् कपोतसमं मांसं ददामि।

(ङ) स्वर्गात् पुष्पवृष्टिः जाता।

एकादशः पाठः बाल-श्रमिकः

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–**

(Answer of the following questions)

(क) ''वयं यथेच्छं खादामः पठामः क्रीडामः च'' इति रीना अवदत्।

(ख) सर्वा बालिकाः मिलित्वा ''बाल-श्रमिकाः'' विषये वार्तालापं कुर्वन्ति।

(ग) दशवर्षीया बालिका निधेः प्रतिवोशिकः-गृहे पात्रमार्जनं करोति।

(घ) बालिकाः सङ्कल्पम् अकुर्वन् यत् बालः श्रमिकानाम् उद्धाराय प्रयासं करिष्यामः।''

2. **रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–**

(Fill in the blanks)

(क) दुःखं **(ख)** बाल-श्रमिकान् **(ग)** दिल्लीनगरम् **(घ)** उद्धाराय

3. **निम्नलिखित शब्दों में कौन-सा प्रत्यय है?**

(Which suffix in the following words)

शब्द	**प्रत्यय**	**शब्द**	**प्रत्यय**
मिलित्वा	क्त्वा	**उद्धाराय**	ल्यप्

4. **संस्कृत में अनुवाद कीजिए–**

(Translate into Sanskrit)

(क) वयं मिलित्वा वार्तांकुर्वन्ति। **(ख)** अस्मासु ईश्वरस्य कृपा अस्ति।

(ग) मम प्रतिवोशिक-गृहे अपि एका दशवर्षीया बालिका पात्रमार्जनं करोति।

(घ) रात्रौ वयं विश्रामं कुर्वन्ति। **(ङ)** वयं उत्तमे विद्यालये पठामः।

द्वादशः पाठः गीतामृतम्

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए—**

(Answer of the following questions)

(क) समत्वं योग उच्यते।

(ख) अशांतं मनुष्यं सुखम् न अमिलत्।

(ग) युद्धे हतो स्वर्गम् प्राप्यति।

(घ) कामात् क्रोधः अभिजायते।

2. **रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—**

(Fill in the blanks)

(क) **योगस्थ कुरू** कर्माणि **संग त्यक्त्वा** धनंजय।
सिद्धय सिद्धयो **समो भूत्वा समत्वं** योग **उच्यते**।।

(ख) **विहाय कामान् य** कर्वान्पुमांश्चरति **निस्पृह।**
निर्ममो निरहंकार **स** शांतिमधिगच्छति ।।

3. **निम्नलिखित शब्दों की विभक्ति व वचन बताइए—**

(Write the case and numbers of the following words)

शब्द	**विभक्ति**	**वचन**	**शब्द**	**विभक्ति**	**वचन**
कर्माणि	प्रथमा	बहुवचन	**सिद्धयो**	षष्ठी	द्विवचन
बुद्धिरयुक्तस्य	षष्ठी	एकवचन	**कामान्**	द्वितीया	बहुवचन
तस्मात्	पंचमी	एकवचन			

4. **पहले, तीसरे व पाँचवे श्लोक की हिन्दी अनुवाद कीजिए—**

(Translate into Hindi first, third, fifth shlokas)

(1) हे धनंजय (अर्जुन)! कर्म न करने का आग्रह त्यागकर, यश-अपयश के विषय में समबुद्धि होकर, योग युक्त होकर कर्म कर, क्योंकि समत्व को ही योग कहते हैं।

(3) जो मनुष्य सभी इच्छाओं व कामनाओं को त्यागकर ममता रहित और अहंकार रहित होकर अपने कर्तव्यों का पालन करता है, उसे ही शांति प्राप्त होती है।

(5) यदि तुम युद्ध में वीरगति को प्राप्त होते हो, तो तुम्हें स्वर्ग मिलेगा और यदि विजयी होते हो तो, धरती का सुख भोगोगे। अतः उठो कौन्तेय (अर्जुन) और निश्चय करके युद्ध करो।

5. **संस्कृत में अनुवाद कीजिए—**

(Translate into Sanskrit)

(क) योगयुक्तं भूत्वा कर्मं कुरु।

(ख) निर्ममो निरंहकार भूत्वा कर्त्तव्यपालनं कुरु।

(ग) शास्त्रानुसार कर्मं कुरु।

(घ) यदि विजयी अभवत् तर्हि भोक्ष्यसे महीम्।

(ङ) ध्यायतो विषयाः न तेषु सङ्गोपजायते।

त्रयोदशः पाठः स्वामी विवेकानन्दः

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–**

   (Answer of the following questions)

   (क) स्वामी विवेकानन्दस्य जन्म 1863 तमे वर्षे अभवत्।

   (ख) विवेकानन्दस्य पितुः नाम विश्वनाथदत्तः मातुश्च नाम भुवनेश्वरी देवी आसीत्।

   (ग) स्वामी विवेकानन्दस्य बाल्यकालस्य नाम नरेन्द्रनाथः आसीत्।

   (घ) स्वामी विवेकानन्दस्य गुरुः नाम श्री रामकृष्णः परमहंसः आसीत्।

   (ङ) विश्वधर्मसम्मेलने विवेकानन्दः भारतस्य प्रतिनिधित्वम् अकरोत्।

   (च) स्वामी विवेकानन्दः लोकसेवायाः उद्देश्य रामकृष्ण-मिशन संस्थापयत्।

2. **रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–**

   (Fill in the blanks)

   (क) विवेकानन्दस्य **(ख)** मेधावी **(ग)** परमात्मनः श्री रामकृष्ण परमहंसस्य

   (घ) विवेकानन्दस्य **(ङ)** रामकृष्ण मिशन

3. **दिए गए अनुच्छेदों का हिन्दी अनुवाद लिखिए–**

   (Translate into Hindi of the given paragraph)

   (क) नरेन्द्रः यदा .... पंचतत्वं गतः।

   नरेन्द्र जब स्नातक में थे तभी उनके पिता परलोक चले गए। परमात्मा के साक्षात्कार की उत्कट जिज्ञासा नरेन्द्र को श्रीरामकृष्ण परमहंस के पास ले गई। उन्होंने उन्हें अपना गुरु मान लिया। 1893 में अमेरिका देश में शिकागो नगर में विश्वधर्म सम्मेलन हुआ। उस सम्मेलन में उन्होंने भारत का प्रतिनिधित्व किया। उसी समय से ही उनकी कीर्ति सब जगह फैल गई। अनेक लोग उनके भक्त हो गए। स्वामी विवेकानन्द ने लोक सेवा के उद्देश्य से रामकृष्ण मिशन की स्थापना की। 4 जुलाई, 1902 ई0 में यह दिव्यपुरुष विवेकानन्द पंचतत्व में विलीन हो गए।

4. **निम्नलिखित क्रियापदों की धातु, लकार, पुरुष व वचन लिखिए–**

   (Write Dhatoo, Lakar, person and numbers of the following verbs)

क्रिया	**धातु**	**लकार**	**पुरुष**	**वचन**
अस्ति	अस्	लट् लकार	प्रथम पुरुष	एकवचन
अभवत्	भू	लङ् लकार	प्रथम पुरुष	एकवचन
स्वीकृतवान्	स्वीकृत्	लङ् लकार	विभक्ति	एकवचन
संस्थापयत्	तिष्ठ् /स्था	लङ् लकार	प्रथम पुरुष	एकवचन
गतः	गम्	लङ् लकार	प्रथम पुरुष	एकवचन

5. **निम्नलिखित शब्दों की विभक्ति व वचन लिखिए–**

   (Write the case and numbers of the following words)

शब्द	**विभक्ति**	**वचन**	**शब्द**	**विभक्ति**	**वचन**
निर्माणकर्तृषु	सप्तमी	बहुवचन	**विश्वे**	सप्तमी	एकवचन
पितुः	षष्ठी	एकवचन	**रुचिः**	प्रथमा	एकवचन
साक्षात्कारे	सप्तमी	एकवचन	**तस्माद्**	पंचमी	एकवचन
लोकसेवायाः	षष्ठी	एकवचन			

6. **संस्कृत में अनुवाद कीजिए—**

(Translate into Sanskrit)

(क) आधुनिकस्य भारतस्य निर्माणकर्तृषु स्वामी विवेकानन्दस्य नाम सर्वोपरिः अस्ति।

(ख) तस्य मातुः नाम भुवनेश्वरी देवी आसीत्।

(ग) बाल्याकालादेव बालकः नरेन्द्रः मेधावी आसीत्।

(घ) सः धर्म सम्मेलने सम्भागं हेतोः अमेरिका अगच्छत्।

(ङ) स्वामी विवेकानन्दः रामकृष्ण मिशनं संस्थापयत्।

चतुर्दशः पाठः महाराणा प्रतापः

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए—**

(Answer of the following questions)

(क) महाराणा प्रतापः राजस्थाने मेवाड़ नगरस्य राजा आसीत्।

(ख) महाराणा प्रतापस्य पितुः नाम महाराजः उदयसिंहः आसीत्।

(ग) प्रतापः बाल्याकालादेव निर्भीकः साहसी च आसीत्।

(घ) महाराणा प्रतापस्य पिता उदयसिंहः स्वभावेन भीरुः आसीत्।

(ङ) महाराणा प्रतापः मुगलशासक अकबरस्य दासताम् कदापि न अमन्यत्।

2. **रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—**

(Fill in the blanks)

(क) परतन्त्रतापाशात्, प्राणपणेन **(ख)** अकबरः, अधिग्रहणाय **(ग)** उदयसिंहस्य

(घ) महाराणा प्रतापः

3. **निम्नलिखित अनुच्छेद का हिन्दी अनुवाद लिखिए—**

(Translate into Hindi of the following passage)

महाराणाप्रतापः .... अभवत्।

महाराणा प्रताप परमवीर राणा सांगा के पौत्र तथा महाराज उदयसिंह के पुत्र थे। प्रताप बचपन से ही निर्भीक व साहसी थे। उनके पिता उदयसिंह स्वभाव से डरपोक थे। अतः जब मुगलशासक अकबर ने चित्तौडराज्य पर अधिकार करने के लिए आक्रमण किया तो उदयसिंह पुत्ता-जयमल को चित्तौड़ राज्य की रक्षा के लिए नियुक्त करके स्वयं भाग गए। युद्ध में अकबर विजयी हुआ और चित्तौड़ राज्य पर उसका अधिकार हो गया।

4. **संस्कृत में अनुवाद कीजिए—**

(Translate into Sanskrit)

(क) सः एकः परमप्रतापी राजा आसीत्।

(ख) प्रतापः बाल्यकालादेवः निर्भीकः साहसी च आसीत्।

(ग) तस्य पिता उदयसिंहः स्वभावेन भीरुः आसीत्।

(घ) सः स्वपरिवारेण सह वने घासस्य रोटिकाम् अखादत्।

(ङ) राणाप्रतापः अस्माकं देशस्य गौरवं आसीत्।

पञ्चदशः पाठः नद्यः

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–**

(Answer of the following questions)

(क) पृथिव्यां नदी एकं रत्नमिव अस्ति।

(ख) जलस्य विना जीवनं असम्भवम्।

(ग) संस्कृते जलस्य अनेकानि नामानि सन्ति-वारि, उदकम्, अम्बुः, पानीयम्, पयस्, सलिलम्, तोयम्, नीरम्, आपः जीवनं च।

(घ) नदी पर्वतात् निस्सरति।

(ङ) भारतस्य उत्तरभागस्य प्रमुखानाम् नदीनाम् नाम सन्ति– शतुद्रुः, विपाशा, चन्द्रभागा, इरावती, गङ्गा, यमुना, ब्रह्मपुत्र इति।

2. **रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–**

(Fill in the blanks)

(क) जलं (ख) मेघाः (ग) उच्चं (घ) स्नानादिकं (ङ) माता

3. **निम्नलिखित अनुच्छेद का हिन्दी अनुवाद लिखिए–**

(Translate into Hindi of the following passage)

(क) **पृथिव्यां .... नद्यां वसन्ति।**

पृथ्वी पर नदी एक रत्न के समान है। यह सभी जीवों को जल देकर जीवन प्रदान करती है। जल के बिना जीवन असंभव है। संस्कृत में जल के अनेक नाम हैं– वारि, उदक, अम्बु, पानीय, पयस, सलिल, तोय, आप और जीवन। जल कुओं, तालाबों और नदियों में होता है। बादल भी जल बरसाते हैं। किन्तु नदी का जल बहुत आवश्यक है। नदी का जल खेतों को सींचता है। पृथ्वी को उर्वरा (उपजाऊ) करता है। नदी शहर के लोगों को जल बाँटती है। मछली, कछुआ, मगरमच्छ आदि जलचर नदी में रहते हैं।

(ख) **भारतस्य उत्तरभागे .... शस्य श्यामलाः कुर्वन्ति।**

भारत के उत्तर भाग में सतलुज, व्यास, चिनाब, रावी, गंगा, यमुना, ब्रह्मपुत्र, नाम की प्रमुख नदियाँ भू–भागों को अपने जल से उपजाऊ करती हैं। इनके जल से ही विविध अन्न उत्पन्न होते हैं। भारत के मध्य भाग में नर्मदा, गोदावरी और दक्षिण भाग में कृष्णा, कावेरी ये विशिष्ट नदियाँ विविध प्रदेशों की हरियाली से पूर्ण करती हैं।

(ग) **एतासां नदीनां .... नदीं नमामः।**

इन नदियों के तटों पर तीर्थस्थल और मंदिर हैं। भारतीय लोग नदी को पूजते हैं, वहाँ स्नान करते हैं और पुण्य प्राप्त करते हैं। भारतभूमि के तटीय प्रदेशों में जल-भंडारों व सागरों का वास है। किंतु सागरों का जल पीने योग्य नहीं है, क्योंकि वह खारा होता है। प्रायः सभी नदियाँ अंत में सागरों में ही आकर गिरती हैं। नदी हमारी माता के समान है। हम नदी को नमन करते हैं।

4. **निम्नलिखित क्रिया पदों की धातु, लकार, पुरुष व वचन लिखिए–**

(Write Dhatoo, Lakar, person and number of the following verbs)

क्रियापद	धातु	लकार	पुरुष	वचन
प्रददाति	प्र + दा	लट् लकार	प्रथम	एकवचन

वर्षन्ति	वृष्	लट् लकार	प्रथम	बहुवचन
वितरति	वितृ	लट् लकार	प्रथम	एकवचन
निस्सरति	निस्	लट् लकार	प्रथम	एकवचन
आपतन्ति	आ+पत्	लट् लकार	प्रथम	एकवचन
नमामः	नम्	लट् लकार	उत्तम	बहुवचन

5. **निम्नलिखित श्ब्दों की विभक्ति व वचन लिखिए–**
(Write the case and numbers of the following words)

शब्द	**विभक्ति**	**वचन**	**शब्द**	**विभक्ति**	**वचन**
पृथिव्यां	सप्तमी	एकवचन	**जीवेभ्यः**	चतुर्थी	बहुवचन
जीवनम्	द्वितीया	एकवचन	**जलस्य**	षष्ठी	एकवचन
क्षेत्राणि	प्रथमा	बहुवचन	**पर्वतात्**	पंचमी	एकवचन
उर्वरा	प्रथमा	एकवचन	**भारत भूमेः**	षष्ठी	एकवचन
तट प्रदेशेषु	सप्तमी	बहुवचन	**त्रयाणां**	षष्ठी	बहुवचन

6. **संस्कृत में अनुवाद कीजिए–**
(Translate into Sanskrit)
(क) पृथिव्यां नदी रत्नमिव अस्ति। **(ख)** नद्याः उदगमः स्थानम् उच्चं भवति।
(ग) अत्र बहवः नद्यः वहन्ति। **(घ)** भारतीयाः नदीः पूजयन्ति।
(ङ) नदी अस्माकं माता इव अस्ति।

षोडशः पाठः आर्यभट्टः

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–**
(Answer of the following questions)
(क) आर्यभट्टः एकः महान् गणितज्ञः ज्योतिर्विदः च आसीत्।
(ख) आर्यभट्टस्य जन्म 476 तमे वर्षे अश्मकदेशे अभवत्।
(ग) आर्यभट्टस्य पुस्ताकानाम् नाम सन्ति– आर्यभटीयम्, आर्यभटीयसिद्धान्तम् च।
(घ) यदा पृथिव्याः छाया पातेन चन्द्रस्य प्रकाशः अवरुध्यते तदा चन्द्रग्रहणं भवति।
(ङ) पृथ्वी सूर्ययोः मध्ये समागतस्य चन्द्रस्य छायापातेन सूर्यग्रहणं भवति।
(च) ज्योतिषशास्त्रस्य त्रीणि विधानि सन्ति– सिद्धान्तः, फलितः गणितश्च।

2. **रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–**
(Fill in the blanks)
(क) त्रयोविंशतिवर्षीयः **(ख)** कुसुमपुर्याम् **(ग)** 'आर्यभटीयम्', पाटलिपुत्र
(घ) संख्यायाः **(ङ)** राहूकेतु

3. **निम्नलिखित अनुच्छेद का हिन्दी अनुवाद लिखिए–**
(Translate into Hindi of the following passage)
(क) **आर्यभट्टः .... निवसति स्म।**
आर्यभट्ट एक महान् गणितज्ञ व ज्योतिषी थे। उनका जन्म 476 वर्ष में अश्मक देश में हुआ था। जब वह 23 वर्ष के थे तब उन्होंने 'आर्यभटीयम्' लिखी। संभवतः वह

गुप्तकाल के थे। वह कुसुमपुर में पढ़ते थे तथा वहीं रहते थे। कुछ वर्षों बाद उन्होंने 'आर्यभटीय सिद्धान्त' पुस्तक की रचना की। आर्यभट्ट ने जब 'आर्यभटीयम्' लिखी तब वे पाटलीपुत्र नगर में रहते थे।

(ख) **संख्यायाः .... दिवंगतः गतः।**

संख्या के माध्यम से जहाँ कालगणना हो, वहीं गणित ज्योतिष होता है। ज्योतिष शास्त्र की तीन विधाएँ हैं– सिद्धान्त, फलित तथा गणित। इनमें से गणित सर्वाधिक प्रमुख है। ऐसा आर्यभट्ट का मत था। आर्यभट्ट ने फलित ज्योतिषशास्त्र का विरोध किया। उन्होंने कहा कि ग्रहण में राहू-केतु नामक दानव कारण नहीं होते। वहाँ सूर्य, चन्द्रमा और पृथ्वी ही कारण होते हैं। सूर्य के चारों ओर घूमने वाले पृथ्वी और चन्द्रमा के परिक्रमा पथ के संयोग से ग्रहण होते हैं। जब पृथ्वी की छाया पड़ने से चन्द्रमा पर प्रकाश अवरुद्ध होता है, तब चन्द्र ग्रहण होता है। इसी तरह पृथ्वी पर, सूर्य के मध्य आने से चन्द्रमा की छाया पड़ती है, तो सूर्य ग्रहण होता है। महान् गणितज्ञ और ज्योतिषी आर्यभट्ट 550 ई0 में दिवंगत हो गए।

4. निम्नलिखित श्ब्दों की विभक्ति व वचन लिखिए–

(Write the case and numbers of the following words)

शब्द	**विभक्ति**	**वचन**	**शब्द**	**विभक्ति**	**वचन**
गणितज्ञः	प्रथमा	एकवचन	**देशे**	सप्तमी	एकवचन
वर्षाणाम्	षष्ठी	बहुवचन	**नगरे**	सप्तमी	एकवचन
संख्यायाः	षष्ठी	एकवचन	**माध्यमेन**	तृतीया	एकवचन

5. संस्कृत में अनुवाद कीजिए–

(Translate into Sanskrit)

(क) आर्यभट्टः महान् गणितज्ञः ज्योतिर्विदः च आसीत्।

(ख) आर्यभट्टः 'आर्यभटीयम्' पुस्तकं अलिखत्।

(ग) सः पाटलीपुत्र नगरे अनिवसत्।

(घ) ग्रहणं सूर्य, चन्द्रः पृथ्वी च कारणानि सन्ति।

(ङ) आर्यभटेन फलित ज्योतिष शास्त्रस्य विरोधः कृतः।

सप्तदशः पाठः वेदमन्त्रः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(Answer of the following questions)

(क) प्रवासेषु मित्रं विद्या।

(ख) यथा द्यौ पृथिवी च न बिभीतो न रिष्यतः तथा मम प्राण विभेः।

(ग) उद्यमी कदापि नावसीदति।

(घ) गुणानामन्तरं अज्ञो जानाति।

(ङ) ये जनाः न विद्या, न तपो न दानं कुर्वन्ति तथा नैव तेषु ज्ञानं, शीलं, गुणो, धर्मश्च भवन्ति, तादृशाः जनाः मृत्युलोके भारं भवन्ति।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(Fill in the blanks)

(क) **विद्या** मित्र **प्रवासेषु** भार्या **मित्रं गृहेषु च।**

रुग्णस्य **चौषधं मित्रं** धर्मो **मित्र मृतस्य च॥**

(ख) आलस्य **हि मनुष्याणां** शरीरस्थो **महान् रिपुः।**
नास्त्युद्यमसमो **बन्धुः कृत्वा यं नावसीदति॥**

(ग) **उतिष्ठत जाग्रत प्राप्य** वसन्निबोधत।
क्षुरस्य **धारा निशिता दुरत्याया दुर्गः** पथस्तत्कवयो **वदन्ति।**

3. निम्नलिखित शब्दों से वाक्य बनाइए—

(Frame the sentences of the following words)

प्रवासेषु — प्रवासेषु मित्रं विद्या भवति।

रिपुः — आलस्यं मनुषयस्य महान् रिपुः भवति।

वेत्ति — गुणानामन्तरं प्रायस्तज्ञो वेत्ति न चापरम्।

मृगाः — दुर्जनाः मनुष्यरुपेण मृगाः चरन्ति।

4. संस्कृत में अनुवाद कीजिए—

(Translate into Sanskrit)

(क) ग्रहे मनुष्यस्य मित्र भार्या अस्ति।

(ख) मे प्राण मा विभेः।

(ग) उद्यमसमो कोऽपि मित्रः न भवति।

(घ) श्रेष्ठं पुरुषं प्राप्तं कृत्वा ज्ञानं लभस्व।

(ङ) विना विद्यायाः ज्ञानस्य, दानस्य, शीलस्य मनुष्यः मृगाः इव चरन्ति।

अष्टादशः पाठः एकलव्यः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

(Answer of the following questions)

(क) एकलव्यस्य पितुः नामः निषादराजः हिरण्यधनुः आसीत्।

(ख) तस्मिन् काले धनुर्वेदस्य महान् कुशलः शिक्षकः आचार्यः द्रोणः आसीत्।

(ग) कौरव पाण्डवेन सह एकः कुककुरः आसीत्।

(घ) कुक्कुरः मलिनवसनं एकलव्यं दृष्ट्वा भषितुं आरभत् तदा एकलव्यः कुक्कुरस्य मुखे सप्तशरान् युगपत् मुमोच। एतत् दृष्ट्वा राजकुमाराः परमचकिताः अभवन्।

(ङ) एकलव्यः गुरुदक्षिणा स्वकीय दक्षिणकरांगुष्ठं छित्वा द्रोणाय अददात्।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

(Fill in the blanks)

(क) एकलव्य **(ख)** खिन्नः, एकलव्यः **(ग)** कुक्कुरस्य, शरान् **(घ)** अर्जुनं, एकलव्यं

3. निम्नलिखित अनुच्छेदों का हिन्दी अनुवाद लिखिए—

(Translate into Hindi of the following passages)

(क) **प्राचीनकाले .... स्वीकरोति स्म।**

प्राचीन काल में एकलव्य नामक एक बालक था। उसके पिता का नाम निषादराज हिरण्यधनु था। उस समय द्रोण नामक आचार्य धनुष विद्या के महान् कुशल शिक्षक थे।

उनकी धनुर्विद्या की निपुणता सुनकर बहुत से राजकुमार धनुर्विद्या ग्रहण करने उनके पास जाते थे। उनके कौशल को सुनकर एकलव्य भी उनके पास आया और निवेदन किया– ''गुरुदेव! मैं भी आपसे धनुर्विद्या सीखना चाहता हूँ।'' किंतु द्रोण ने एकलव्य को अपना शिष्य नहीं माना।

(ख) **विस्मितः द्रोणाचार्यः .... द्रोणम् समर्पयत्।**

विस्मित द्रोणाचार्य ने थोड़ा विचार किया और अर्जुन को लेकर एकलव्य के पास गए। एकलव्य को देखकर द्रोणाचार्य बोले– ''एकलव्य! यदि तुम मेरे शिष्य हो, तो मुझे दाहिने हाथ का अँगूठा दो। यही मेरी गुरुदक्षिणा होगी।''द्रोण के वचन सुनकर प्रसन्न मुख एकलव्य ने कहा– ''कुछ भी मेरे गुरु के लिए न देने योग्य नहीं है।'' ऐसा कहकर उसने अपने दाहिने हाथ के अँगूठे को काटकर द्रोण को समर्पित कर दिया।

4. संस्कृत में अनुवाद कीजिए–

(Translate into Sanskrit)

(क) एकलव्यः निषादराजस्य पुत्रः आसीत्।

(ख) तत्पश्चात् खिन्नः एकलव्यः स्वगृहं आगच्छत्।

(ग) कौरवाः पाण्डवाः वने मृगयार्थं अगच्छन्।

(घ) इदं श्रुत्वा सर्वे आश्चर्यचकिताः अभवन्।

(ङ) देहि ये स्वदक्षिणकराङ्गुष्ठम्।

एकोनविंशतिः पाठः जलमेव जीवनम्

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(Answer of the following questions)

(क) एकः नृपः आखेटाय सेवकैः सह वनमगच्छत्।

(ख) ग्रामीणः वारि समीपे एव लता-कुञ्जे एकस्मात् कूपात् आनयति स्म।

(ग) यदा ग्रामीणाय नृपः सुवर्णमुद्रां यच्छति, तदा सः कथयति- ''महोदय! कस्येदं मूल्यम्?''

(घ) ''पूर्ण राज्येनापि वारिण मूल्यदाने कोऽपि समर्थः न'' इति वाक्यं ग्रामीणः अवदत्।

(ङ) अमूल्यस्य वारिणः मूल्यदाने कोऽपि समर्थः नास्ति।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(Fill in the blanks)

(क) मध्याह्नकाले **(ख)** ग्रामीणः घटेन **(ग)** लता-कुञ्जे **(घ)** वारिणि

3. निम्नलिखित शब्दों की विभक्ति व वचन लिखिए–

(Write the case and numbers of the following words)

शब्द	विभक्ति	वचन	शब्द	विभक्ति	वचन
आखेटाय	चतुर्थी	एकवचन	**देशेन**	तृतीया	एकवचन
जलपूर्णेन	तृतीया	एकवचन	**लता–कुञ्जे**	सप्तमी	एकवचन
वारिणः	षष्ठी	एकवचन	**ग्रामीणस्य**	प्रथमा	बहुवचन
वारिणि	प्रथमा	बहुवचन			

4. संस्कृत में अनुवाद कीजिए—

(Translate into Sanskrit)

(क) वारिणः कोऽपि मूल्यः न भवति। **(ख)** वारिणः मूल्यदाने कोऽपि समर्थः नास्ति।

(ग) वयं सर्वे पिपासाकुलाः स्मः। **(घ)** स्वपरिश्रमस्य पारितोषिकं तु अधिगच्छ।

(ङ) त्वं परोपकारं कुरु।

विंशतिः पाठः महाराजः रघुः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

(Answer of the following questions)

(क) महाराजस्य रघोः राजधानी साकेतनगरी आसीत्।

(ख) चतुर्दशकोटिस्वर्ण मुद्राः याचितुं महर्षेः वरतन्तोः शिष्यः कौत्सः आगच्छति स्म।

(ग) मृत्तिकापात्राणि दृष्ट्वा कौत्सः स्वगतं सङ्कुचति।

(घ) रघुः मन्त्रिणं धनाधीशस्य कुबेरस्योपरि अभियानाय आदिशति।

(ङ) मन्त्री यावत् सेनायाः प्रस्थानं आदिशति तावत् कोशः परिपूर्णः जातः। इदं दृष्ट्वा मन्त्री आश्चर्यचकितः भवति।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

(Fill in the blanks)

(क) साकेतनगरी **(ख)** सकुशलाः **(ग)** दानं, अकिञ्चनः **(घ)** कौत्सः

3. निम्नलिखित अनुच्छेद का हिन्दी अनुवाद लिखिए—

(Translate into Hindi of the following passage)

(क) **द्वारपाल-महाराज! .... तवगामनेन?**

द्वारपार— महाराज! द्वार पर एक ब्राह्मण बटुक बैठे हैं। वह आपको देखना चाहते हैं। क्या आज्ञा है?

रघु — ब्राह्मण बटुक को बुला ओ। (कौत्स प्रवेश करते हैं और सभी उठ जाते हैं।)

कौत्स— महाराज आपको प्रणाम है।

रघु — धन्यवाद ऋषिकुमार! कुशल तो है। आश्रमवासी और गुरुवर सकुशल हैं? तपस्वी लोगों को कोई कष्ट तो नहीं है?

कौत्स— (प्रसन्न मुद्रा में) हाँ महाराज, सब कुशल है। आपके राज्य में प्रजा को कष्ट कहाँ?

रघु — ऋषिकुमार! तो कहिए, आपके आगमन ने मुझे कैसे अनुगृहीत किया है?

4. संस्कृत में अनुवाद कीजिए—

(Translate into Sanskrit)

(क) महाराज! द्वारे एकः ब्राहमणवटुः आगच्छत।

(ख) तवागमनेन कथं अनुगृहीतोऽस्मि?

(ग) अयं तु स्वयमेव अकिञ्चनः सञ्जातः।

(घ) कोशः तु धनेन परिपूर्ण अस्ति।

(ङ) अहं तु केवलं चतुर्दशकोटिः स्वर्णमुद्राः इच्छामि।

एकाविंशतिः पाठः अस्माकं विद्यालयः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(Answer of the following questions)

(क) विद्यालयस्य शाब्दिकं अर्थ भवति-विद्यायाः आलयः।

(ख) विद्यालये एकं रमणीयम् उद्यानम् अस्ति।

(ग) विद्यालये विंशति अध्यापकाः सन्ति।

(घ) अस्माकम् विद्यालये एकम् क्रीडाक्षेत्रम् अस्ति।

(ङ) विद्यालये वयम् स्नेहेन परस्परं व्यवहारं कुर्मः।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(Fill in the blanks)

(क) शिक्षा **(ख)** विद्यालयः, उन्नतिशीलः **(ग)** प्रधानाचार्यः **(घ)** शिक्षायाः

3. निम्नलिखित शब्दों की विभक्ति व वचन लिखिए–

(Write the case and numbers of the following words)

शब्द	**विभक्ति**	**वचन**	**शब्द**	**विभक्ति**	**वचन**
अस्माकं	षष्ठी	बहुवचन	**मनोहराणि**	प्रथमा	बहुवचन
भवने	सप्तमी	एकवचन	**अध्यापकाः**	प्रथमा	बहुवचन
शिक्षायाः	षष्ठी	एकवचन	**विद्यालयस्य**	षष्ठी	एकवचन

4. संस्कृत में अनुवाद कीजिए–

(Translate into Sanskrit)

(क) विद्यालयस्य भवनानि मनोहराणि सन्ति।

(ख) अस्मिन् भवने एकः पुस्तकालयः अस्ति।

(ग) अत्र सहस्राः छात्रा पठन्ति।

(घ) क्रीडया स्वास्थ्यं वर्धते।

(ङ) विद्यालये वयम् स्नेहेन परस्परं व्यवहारं कुर्मः।

संस्कृतम्–7

वन्दनम्

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–**

   (Answer of the following questions)

   (क) कमल-हस्त सरस्वती अस्ति।

   (ख) माता सरस्वत्याः जन्म गौरी देहेन अभवत्।

   (ग) त्रिनयनामाधारभूतां सरस्वती।

   (घ) शुम्भादिदैत्यानाम् वध सरस्वत्या कृतम्।

2. **रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–**

   (Fill in the blanks)

   (क) शंखमुसले **(ख)** त्रिनयनामाधारभूतां **(ग)** शुम्भादिदैत्यार्दिनीम्

3. **निम्नलिखित शब्दों से वाक्य बनाइए–**

   (Frame the sentences by the following words)

   शूल – माता गौरी शूलं घण्टां च धारयति।

   धनुः – श्रीरामं धनुः प्रियमस्ति।

   सायकं – सरस्वती माता बाणं न धारयति।

   घन – आकाशे घनः अस्ति।

   देह – तव देहं अति सुन्दरम् अस्ति।

   समुद्भव – सरस्वती माता गौरी देहेन समुद्भवति।

4. **निम्नलिखित शब्दों की विभक्ति व वचन लिखिए–**

   (Write the case and numbers of the following words)

शब्द	**विभक्ति**	**वचन**	**शब्द**	**विभक्ति**	**वचन**
हलानि	प्रथमा	बहुवचन	**शंखमूसले**	सप्तमी	एकवचन
चक्रं	द्वितीया	एकवचन	**मनुभजे**	सप्तमी	एकवचन

5. **सन्धि–विच्छेद कीजिए–**

   (Disjoin the sandhi)

घनान्त	=	घन	+	अन्त
हस्ताब्ज	=	हस्त	+	अब्ज
त्रिनयनामाधारभूतां	=	त्रिनयनम्	+	आधारभूता
महापूर्वामत्र	=	महापूर्वाम्	+	अत्र
शुम्भादि	=	शुम्भ	+	आदि

6. **संस्कृत में अनुवाद कीजिए–**

   (Translate into Sanskrit)

   (क) माता सरस्वत्याः जन्म माता गौरीदेहेन अभवत्।

(ख) माता गौरीहस्ते घंटां, शूलं हलानि इत्यादयः सन्ति।

(ग) माता सरस्वत्याः प्रभा घने स्थिता इन्दुः तुल्यः अस्ति।

(घ) माता सरस्वती संसारस्य आधारभूता त्रिनयना च अस्ति।

(ङ) माता सरस्वती भवतः कल्याणं कुर्वन्तु।

प्रथमः पाठः समयस्य सदुपयोगः

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–**

(Answer of the following questions)

(क) अस्मिन् संसारे मानवजीवनं दुर्लभम् अस्ति।

(ख) समयः विनष्टः केनापि उपायेन पुनः लब्धुं न शक्यते।

(ग) लोके बहवो जनाः वृथैव इतस्ततः भ्रमणं कृत्वा समयं यापयन्ति।

(घ) समयस्य सदुपयोगः जीवने सफलतायाः प्रथमं सोपानम् अस्ति।

(ङ) ये छात्राः समयस्य सदुपयोगं कृत्वा अध्ययनं कुर्वन्ति ते स्व जीवने सफलाः भवन्ति।

2. **रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–**

(Fill in the blanks)

(क) मानवजीवने (ख) आयुषः, गतः (ग) आलस्येन (घ) कर्मवीरा

3. **निम्नलिखित क्रियापदों की धातु, लकार, पुरुष तथा वचन लिखिए–**

(Write Dhatoo, Lakar, persons and numbers of the following verbs)

क्रिया	धातु	लकार	पुरुष	वचन
जानाति	ज्ञा	लट् लकार	प्रथम	एकवचन
शक्यते	शक्	लट् लकार	प्रथम	एकवचन
तिष्ठन्ति	स्था/तिष्ठ	लट् लकार	प्रथम	बहुवचन
यापयन्ति	याप्	लट् लकार	प्रथम	बहुवचन
लभन्ते	लभ्	लट् लकार	प्रथम	बहुवचन

4. **सन्धि–विच्छेद कीजिए–**

(Disjoin the sandhi)

समयस्य	=	समय	+	अस्य
केनापि	=	केन्	+	अपि
एकस्यापि	=	एकस्य	+	अपि
इतस्ततः	=	इतः	+	ततः
साधनमस्ति	=	साधनम्	+	अस्ति

5. **संस्कृत में अनुवाद कीजिए–**

(Translate into Sanskrit)

(क) मानवजीवने समयस्य अति महत्वं अस्ति।

(ख) कदापि समयस्य दुरुपयोग न कुर्यात्।

(ग) संसारे बहवाः जनाः आलस्येन निवसन्ति।

(घ) समयस्य सदुपयोग उन्नतेः मूलमन्त्रः अस्ति।

(ङ) समयस्य सदुपयोगेन मानवस्य कल्याणं भवति।

द्वितीयः पाठः अकबरः बीरबलश्च

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(Answer of the following questions)

(क) अकबरः स्वमुख्यामात्येन बीरबलेन सह विहारार्थ राजोद्यानम् अगच्छत्।

(ख) सरोवरस्य निकटे अकबरः अनेकान् काकान् अपश्यत्।

(ग) सम्राटः बीरबलम् अपृच्छत् – "बीरबलः! बोधय मम राज्ये कति काकाः सन्ति?

(घ) बीरबलः प्रत्युत्तरे अवदत् – भवतां राज्ये 592663 काकाः सन्ति।

(ङ) यदा अकबरः बीरबलम् अप्रच्छत् "उष्ट्रस्य ग्रीवाकिमर्थं वक्रा?" इति तदा बीरबलः उत्तरं अददात् – इति वचनं दत्त्वा अपि एषः विस्मरति अतः अस्य ग्रीवा वक्रा।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(Fill in the blanks)

(क) स्वमुख्यामात्येन, विहारर्थं **(ख)** बीरबलस्य **(ग)** बीरबलः **(घ)** स्ववचनम्

3. किसने किससे कहा?

(Who speaks to whom)

	कः	**कम् प्रति**
(क)	अकबरः	बीरबलं
(ख)	बीरबलः	अकबरं
(ग)	अकबरः	बीरबलं
(घ)	बीरबलः	अकबरं

4. संस्कृत में अनुवाद कीजिए–

(Translate into Sanskrit)

(क) अस्माकं राज्ये कति काकाः सन्ति?

(ख) केचित् काकाः राज्यान्तरं भ्रमितुं गताः।

(ग) अहम् तुभ्यम् उपहारान् दास्यामि।

(घ) उष्ट्रस्य ग्रीवा किमर्थं वक्रा?

(ङ) समये गते अकबरः स्ववचनं न अस्मरत्।

तृतीयः पाठः चतुरः श्रृगालः

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–**

(Answer of the following questions)

(क) वने एकः बलवान सिंहः अनिवसत्।

(ख) सिंहात् भीताः पशवः गुहासु वसन्ति स्म।

(ग) श्रृगालः गुहां प्रति आगच्छत् तदा मार्गे सः सिंहस्य पदचिह्नम् अपश्यत्। अतएव श्रृगालः एवं अजानयत् यत् गुहायाः अभ्यन्तरं सिंहः अस्ति।

(घ) श्रृगालः गुहायाः समीपं गत्वा उच्चैः अवदत् – अयि गुहे! अहम् आगच्छं प्रतिदिनम् इव कथय- सर्वत्र कुशलम् अस्ति न वा। सिंहः प्रत्युत्तर अवदत् – आगच्छ, अत्र सर्वं कुशलम् अस्ति। श्रृगालः एतत् उपायं अचिन्तयत्।

(ङ) श्रृगालः सत्यं ज्ञात्वा तत्क्षणम् अधावत्।

2. **रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–**

(Fill in the blanks)

(क) बहून पशून् **(ख)** बुभुक्षया **(ग)** बुद्धिमान् , चतुरश्च **(घ)** अवश्यमेव

3. **सन्धि–विच्छेद कीजिए–**

(Disjoin the sandhi)

अवश्यमेव	=	अवश्यम्	+	एव
अभ्यन्तरं	=	अभि	+	अनन्तरं
सर्वत्र	=	सर्व	+	अत्र
तत्क्षणम्	=	तत्	+	क्षणम्

4. **निम्नलिखित शब्दों की विभक्ति व वचन लिखिए–**

(Write the case and numbers of the following words)

शब्द	**विभक्ति**	**वचन**	**शब्द**	**विभक्ति**	**वचन**
पशून्	द्वितीया	बहुवचन	**पशूनां**	षष्ठी	बहुवचन
गुहासु	सप्तमी	बहुवचन	**बुभुक्षया**	तृतीया	एकवचन
गुहायाः	षष्ठी	एकवचन	**उच्चैः**	तृतीया	बहुवचन

5. **किसने कहा?**

(Who speaks)

(क) सिंहः **(ख)** श्रृगालः **(ग)** श्रृगालः **(घ)** सिंहः **(ङ)** श्रृगालः

6. **निम्नलिखित क्रियापदों की धातु, लकार, पुरुष तथा वचन लिखिए–**

(Write Dhatoo, Lakar, persons and numbers of the following verbs)

क्रिया	**धातु**	**लकार**	**पुरुष**	**वचन**
अनिवसत्	निवस्	लङ्	प्रथम	एकवचन
अभवत्	भू	लङ्	प्रथम	एकवचन

अपश्यत्	पश्य्	लङ्	प्रथम	एकवचन
अचिन्तयत्	चिन्त्	लङ्	प्रथम	एकवचन
अधावत्	धाव्	लङ्	प्रथम	एकवचन
वदति	वद्	लट्	प्रथम	एकवचन

7. **निम्नलिखित अनुच्छेदों की हिन्दी अनुवाद लिखिए–**

(Translate into Hindi of the given paragraph)

(क) एकदा एके वने ....भविष्यति।

एक बार एक वन में बलवान शेर रहता था। वह प्रतिदिन पशुओं को मारता था। इसलिए पशुओं की संख्या कम हो गई। शेर से डरे हुए पशु गुफाओं में रहते थे। भूख से इधर-उधर घूमते हुए शेर ने एक गुफा देखी। उसने सोचा– यहाँ अवश्य ही पशु होंगे। मैं उन्हें खाकर संतुष्ट होऊँगा। उनके साथ यह गुफा भी मेरी हो जाएगी।

(ख) परं .... अचिन्तयत्।

परन्तु उस गुफा का स्वामी एक गीदड़ था। वह बहुत बुद्धिमान और चालाक था। शाम के समय जब वह गुफा की ओर लौटा, तब रास्ते में उसे शेर के पैरों के निशान देखे। गीदड़ ने सोचा– शेर अवश्य ही गुफा के अन्दर होगा। तब क्या करना चाहिए? यह सोचकर उसने एक उपाय सोचा।

(ग) गुहायाः .... असि।

गुफा के पास जाकर वह गीदड़ जोर से बोला– अरि गुफा! मैं आ गया हूँ, प्रतिदिन की तरह कह– कुशल है या नहीं। शेर ने सोचा– यदि मैं उत्तर नहीं दूँगा तो गीदड़ चला जाएगा। अतः वह बोला– आओ, यहाँ सब कुशल है। गीदड़ सत्य को जानकर उसी क्षण भागा और बोला– क्या गुफा भी बोलती है? तुम अवश्य ही शेर हो।

8. **संस्कृत में अनुवाद कीजिए–**

(Translate into Sanskrit)

(क) सः बलवान् सिंहः नित्यं पशून् मारयति स्म।

(ख) बुभुक्षया सिंहः इतस्ततः भ्रमति स्म।

(ग) अत्र अवश्यमेव कश्चित् पशुः भविष्यति।

(घ) शृगालः एकः उपायम् अचिन्तयत्।

(ङ) सिंह अचिन्तयत् इदम् गुहाः अवश्यं वदिष्यति।

चतुर्थः पाठः नीतिश्लोकाः

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–**

(Answer of the following questions)

(क) साधुः कदापि सम्माने न हर्षति नापमाने च कुप्यति तथा क्रुद्धः न परुषं ब्रूयात्।

(ख) शरदि मेघाः केवलं गर्जन्ति वर्षन्ति न।

(ग) समदृष्टेस्तदा पुंसः सर्वाः सुखमया दिशः।

(घ) विपदि धैर्य, अभ्युदयेक्षमा सदसि वाक्पटुता युधि विक्रमः, यशसि अभिरुचिः व्यसनं श्रुतौ इति महात्मनाम् प्रकृतिसिद्धमिदं भवति।

(ङ) यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते तत्र देवताः रमन्ते।

2. **रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—**

(Fill in the blanks)

(क) **यदा न कुरुते भाव सर्व** भूतेष्वमंगलम्।
समदृष्टेस्तदा **पुंसः सर्वाः सुखमया दिशः॥**

(ख) **आस्ते भग आसीन** स्योर्ध्वस्तिष्ठति **तिष्ठतः।**
शेते निपद्यमानस्य **चरति चरतो** भग्श्चरैवेति **॥**

(ग) **चन्दनं** शीतलं लोके**, चन्दनादपि चन्द्रमाः।**
चन्द्रचन्दनयोर्मध्ये **शीतला साधु संगतिः॥**

3. **दूसरे, चौथे, छठे व सातवें श्लोक का हिन्दी अनुवाद कीजिए—**

(Translate into Hindi of the second, fourth, sixth and seventh shloka)

(2) शरद ॠतु में बादल केवल गरजते हैं, बरसते नहीं। वर्षा ॠतु में बरसते हैं, गरजते नहीं। नीच मनुष्य केवल बोलता है, कुछ करता नहीं परन्तु सज्जन करता है, बोलता नहीं।

(4) विपत्ति में धैर्य, अभ्युदय (उन्नति) में क्षमा, सदन (सभा) में वाक्पटुता, युद्ध के समय वीरता, यश में अभिरुचि और ज्ञान का व्यसन ये सब चीजें महापुरुषों में प्राकृतिक रूप से होती हैं।

(6) जहाँ नारी का सम्मान होता है, वहाँ देवता निवास करते हैं। जहाँ नारियों का सम्मान नहीं होता, वहाँ कोई भी कार्य सफल नहीं होता।

(7) संसार में चन्दन सबसे ज्यादा शीतल है, लेकिन चन्द्रमा चन्दन से भी शीतल है। अच्छे मित्रों और सत्संग का साथ चन्दन और चन्द्रमा से भी अधिक शीतलता देने वाला होता है।

4. **निम्नलिखित शब्दों की विभक्ति व वचन लिखिए—**

(Write the case and numbers of the following words)

शब्द	**विभक्ति**	**वचन**	**शब्द**	**विभक्ति**	**वचन**
सम्माने	सप्तमी	एकवचन	**परुषं**	द्वितीया	एकवचन
वर्षासु	सप्तमी	बहुवचन	**सुजनः**	प्रथमा	एकवचन
पुंसः	प्रथमा	एकवचन	**सर्वाः**	प्रथमा	बहुवचन
अभ्युदये	सप्तमी	एकवचन	**मानस्य**	षष्ठी	एकवचन

5. **सन्धि—विच्छेद कीजिए—**

(Disjoin the sandhi)

साधूक्तम्	=	साधु	+	उक्तम्
करोत्येव	=	करोति	+	एव
भूतेष्वमंगलम्	=	भूतेषु	+	अमंगलम्

धैर्यमभ्युदये	=	धैर्यम्	+	अभ्युदये
स्योर्ध्व	=	स्य	+	उर्ध्व
भगश्चरैवेति	=	भगः	+	चरैवेति
नार्यस्तु	=	नार्यः	+	तु
चन्दनादपि	=	चन्दनात्	+	अपि
चन्दनयोर्मध्ये	=	चन्दनयोः	+	मध्ये

6. **संस्कृत में अनुवाद कीजिए–**

(Translate into Sanskrit)

(क) संतः मान-अपमाने समो भवति।

(ख) वर्षासु मेघाः अल्प गर्जति अधिकं वर्षति च।

(ग) यः जनः अमंगलस्य भावं न कुरूते, सः सर्वदा प्रसन्नं भवति।

(घ) यत्र नारी पूज्यते, तत्र देवता रमन्ते।

(ङ) चन्द्रः चन्दनश्च शीतलम् ददाति।

पंचमः पाठः पार्वत्याः तपः

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–**

(Answer of the following questions)

(क) पार्वत्याः पितुः नाम हिमालयः आसीत्।

(ख) पार्वती शिवं पतिरूपेण प्राप्तुं तपस्या कर्तुं इच्छति स्म।

(ग) एकदा कश्चिद् वटुः तपोवनं प्राविशत्।

(घ) वटुः पार्वती अकथयत् – तपस्विनि! किमर्थं कठिनं तपः समाचरसि।

(ङ) वटो रूपे शिवः आसीत्।

2. **रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–**

(Fill in the blanks)

(क) अति प्राचीनकालस्य **(ख)** पितृगृहं **(ग)** सखी, तपसः **(घ)** शिवनिन्दां

3. **निम्नलिखित अनुच्छेद का हिन्दी अनुवाद लिखिए–**

(Translate into Hindi of the given paragraph)

वटुः ....इच्छसि?

ब्राह्मण कुमार ने कुशलता पूछकर जिज्ञाशावश पूछा– हे तपस्विनी। किसलिए कठिन तप करती हो? क्या अपने शरीर को दुर्बल करोगी? तब पार्वती की सखी उसकी तपस्या का कारण ब्रह्मचारी को बताती है। यह सब सुनकर ब्रहमचारी ने पूछा– हे पार्वती! क्या यह सत्य है कि तुम शिव को चाहती हो? परन्तु शिव तो श्मशान में रहते हैं, उनकी तीन आँखें हैं, उनका वस्त्र बाघ की खाल है, उनके शरीर की सौंदर्य सामग्री चिता की राख है और उनके परिजन भूतादि हैं? क्या तुम अब भी शिव को पति बनाने की इच्छा रखती हो?

4. **सन्धि–विच्छेद कीजिए–**

(Disjoin the sandhi)

व्रतादि	=	व्रत	+	आदि
एवमुक्तवा	=	एवम्	+	उक्तवा
तमुपगम्य	=	तम्	+	उपगम्य
शिवमिच्छसि	=	शिवम्	+	इच्छसि
स्वरूपमेव	=	स्वरूपं	+	एव
प्रीतोऽस्मि	=	प्रीत	+	अस्मि

5. **संस्कृत में अनुवाद कीजिए–**

(Translate into Sanskrit)

(क) पार्वती शिवं प्राप्तुं तपं कर्तुं इच्छति स्म।

(ख) माता अकथयत् – वत्सा! सुखेन स्वगृहे एव वस।

(ग) वटुः पार्वत्याः सम्मुखं शिवनिन्दां अकरोत्।

(घ) शिवनिन्दां श्रुत्वा पार्वती क्रुद्धाः जाताः।

(ङ) सः वटो रूपे शिवः आसीत्।

षष्ठः पाठः होलिकोत्सवः

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–**

(Answer of the following questions)

(क) होलिकोत्सवः फाल्गुनमासस्य पूर्णिमायां तिथौ सम्पद्यते।

(ख) प्रहलादः हिरण्यकश्यपस्य पुत्रः आसीत्।

(ग) हिरण्यकश्यपः निजं ईश्वरः उद्घोषितम् अकरोत्।

(घ) होलिका प्रहलादं अङ्के निधाय अग्नौ उपाविशत्।

(ङ) द्वितीये दिने सर्वे जनाः महता आमोदेन प्रमोदेन च होलिकोत्सवं सम्पादयन्ति।

2. **रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–**

(Fill in the blanks)

(क) होलिकोत्सवः **(ख)** हिरयकश्यपः, प्रहलादः **(ग)** भारते **(घ)** जनाः, उच्चनीचभेदं

3. **निम्नलिखित अनुच्छेदों की हिन्दी अनुवाद लिखिए–**

(Translate into Hindi of the given paragraph)

(क) **अस्माकं ....कुर्वन्ति।**

हमारे भारतवर्ष में विभिन्न उत्सव प्रचलित हैं। उन सभी उत्सवों में होली का उत्सव प्रमुख है। यह उत्सव फाल्गुन मास की पूर्णिमा तिथि को मनाया जाता है। इस उत्सव में सभी लोग परस्पर मिलकर घास व लकड़ियाँ इकट्ठी करके रात्रि में होली का दहन करते हैं।

(ख) **एवं श्रूयते .... प्रथा प्रचलिता।**

ऐसा सुना जाता है कि प्राचीन समय में हिरण्यकश्यप का पुत्र प्रहलाद विष्णुभक्त था।

हिरयण्कश्यप ने स्वयं को ईश्वर घोषित कर रखा था। उसने बहुत प्रयत्न किए परन्तु प्रहलाद नहीं माना। एक बार हिरण्यकश्यप ने अपनी बहन होलिका से कहा कि तुम प्रहलाद को लेकर आग में बैठ जाओ। होलिका उसे गोद में लेकर आग में बैठ गई। परन्तु विष्णु के प्रसाद से प्रहलाद सुरक्षित बैठा रहा और होलिका भस्म हो गई। इसलिए भारत में होलिका दहन की प्रथा प्रचलित हो गई।

4. **सन्धि—विच्छेद कीजिए—**

(Disjoin the sandhi)

विविधोत्सवाः	**=**	विविधा	+	उत्सवाः
होलिकोत्सवः	**=**	होलिका	+	उत्सवः
सहर्षोल्लासेन	**=**	सहर्ष	+	उल्लासेन

5. **निम्नलिखित शब्दों की विभक्ति व वचन लिखिए—**

(Write the case and numbers of the following words)

शब्द	**विभक्ति**	**वचन**	**शब्द**	**विभक्ति**	**वचन**
भारतवर्षे	सप्तमी	एकवचन	**पूर्णिमायां**	सप्तमी	एकवचन
तृणानि	प्रथमा	बहुवचन	**अग्नौ**	सप्तमी	एकवचन
प्रसादात्	पंचमी	एकवचन	**आमोदेन**	तृतीया	एकवचन
वस्त्राणि	प्रथमा	बहुवचन	**व्यञ्जनानि**	प्रथमा	बहुवचन

6. **निम्नलिखित शब्दों से वाक्य बनाइए—**

(Frame the sentences of the following words)

विविधोत्सवाः	**—**	भारतवर्षे विविधोत्सवाः प्रचलिताः सन्ति।
जनाः	**—**	होलिकोत्सवे सर्वे जनाः परस्परं स्नेहेन मिलन्ति।
नीत्वा	**—**	होलिका प्रह्लादं नीत्वा अग्नौ उपाविशत्।
भारते	**—**	भारते होलिकादहनस्य प्रथा प्रचलिता।
नवीनानि	**—**	अस्मिन् दिवसे जनाः नवीनानि वस्त्राणि धारयन्ति।
भुञ्जन्ते	**—**	सर्वे स्वादूनि भोजनानि भुञ्जन्ते।

7. **संस्कृत में अनुवाद कीजिए—**

(Translate into Sanskrit)

(क) होली फाल्गुनः मास्य पूर्णिमायां तिथौ सम्पद्यते।

(ख) हिरण्यकश्यपस्य भगिन्याः नाम होलिका आसीत्।

(ग) होलिका प्रहलादं अङ्के उपाविश्य अग्नौ प्राविशत्।

(घ) होली दिवसे सर्वे जनाः मिष्टान्नानि भुञ्जन्ते भोजयन्ति च।

(ङ) होलीदिवसे सर्वे जनाः रङ्गक्रीडां कुर्वन्ति।

सप्तमः पाठः कश्मीर प्रान्तम् (वार्त्तालापं)

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–**

   (Answer of the following questions)

   (क) मनुः परिवारेण सह कश्मीरप्रान्तं गच्छति स्म। अतएव मनुः विद्यालये न आगच्छत्।

   (ख) मनुः कश्मीर प्रान्ते गच्छति।

   (ग) कश्मीरस्य प्रान्तस्य कश्चिद् पञ्च स्थानानाम् सन्ति–पहलगामः, गुलमर्गः, सोनमर्गः, अच्छावलः, श्रीनगरः।

   (घ) श्रीनगरस्य प्रसिद्धं झीलं डलझीलं अस्ति।

   (ङ) कश्मीरजनाः 'कहवा इति पेय' शीत निवारणाय पिबन्ति।

2. **रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–**

   (Fill in the blanks)

   (क) विद्यालयं **(ख)** परिवारेण **(ग)** भ्रमणाय **(घ)** डलझीले

3. **निम्नलिखित अनुच्छेद का हिन्दी अनुवाद कीजिए–**

   (Translate into Hindi of the given paragraph)

   राघवः– मित्र! .... स्थास्यति।

   राघव – मित्र! आज तुम विद्यालय नहीं आये। तुम कहाँ हो?

   मनु – कल मैं परिवार के साथ कश्मीर प्रदेश जाऊँगा। अतः मैं आज विद्यालय नहीं आया।

   राघव – तुम सब वहाँ क्यों जाओगे?

   मनु – हम सब वहाँ घूमने के लिए जाएँगे।

   राघव – कश्मीर प्रदेश में तुम सब क्या-क्या देखोगे?

   मनु – हम सब कश्मीर प्रदेश में अनेक स्थान देखेंगे जैसे– पहलगाम, गुलमर्ग, सोनमर्ग, अच्छावल, श्रीनगर आदि।

   राघव – श्रीनगर की एक प्रसिद्ध झील कौन-सी है?

   मनु – श्रीनगर की प्रसिद्ध झील डल झील है। मेरा परिवार वहाँ जाकर डल झील में नौका में बैठेगा।

4. **निम्नलिखित शब्दों की विभक्ति व वचन लिखिए–**

   (Write the case and numbers of the following words)

शब्द	विभक्ति	वचन	शब्द	विभक्ति	वचन
विद्यालयं	द्वितीया	एकवचन	**परिवारेण**	तृतीया	एकवचन
प्रान्ते	सप्तमी	एकवचन	**नौकायाम्**	सप्तमी	एकवचन
आकाशात्	पंचमी	एकवचन			

5. **संस्कृत में अनुवाद कीजिए–**

   (Translate into Sanskrit)

   (क) अद्य त्वं विद्यालयं न अगच्छः।

   (ख) वयम् कश्मीरे अनेकानि स्थानानि दृक्ष्यामः।

(ग) कश्मीरस्य वनसम्पदाः सुंदरम् अस्ति।

(घ) डलझीलः श्रीनगरे अस्ति।

(ङ) अहम् अद्य विद्यालये न गमिष्यामि।

अष्टमः पाठः गीतामृतम्

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए—**

   (Answer the following questions)

   (क) यो न हृष्यति न द्वेष्टि न शोचति न काङ्क्षति, सः शुभा-शुभ परित्यागी भवति।

   (ख) श्रेष्ठः पुरुषः यद्यदाचरति, तत् अन्याः पुरुषाः आचारं कुर्वन्ति।

   (ग) यो मूढ़ बुद्धिः जनः सम्पूर्ण इन्द्रियाणि संयम्य आस्ते मनसा स्मरति, स मिथ्याचारः भवति।

   (घ) क्रोधात् संमोहः भवति।

2. **रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—**

   (Fill in the blanks)

   (क) हृष्यति, काङ्क्षति **(ख)** प्रकृतिजैर्गुणैः **(ग)** श्रेष्ठस्तत्तदेवेतरो

   (घ) इन्द्रियार्थान्विमूढात्मा

3. **दूसरे, चौथे व छठे श्लोक का हिन्दी अनुवाद कीजिए—**

   (Translate into Hindi of the second, fourth and sixth shloka)

   (2) निःसन्देह कोई भी मनुष्य किसी भी काल में क्षणमात्र भी बिना कर्म किए नहीं रहता क्योंकि सारा मनुष्य समुदाय प्रकृति- जनित गुणों द्वारा परवश हुआ कर्म करने के लिए बाध्य किया जाता है।

   (4) जो मूढ़ बुद्धि मनुष्य समस्त इन्द्रियों को हठपूर्वक रोककर मन से उन इन्द्रियों के विषयों का चिन्तन करता रहता है, वह मिथ्या अर्थात् गलत आचरण करने वाला अर्थात् झूठा कहा जाता है।

   (6) क्रोध से मोह उत्पन्न होता है और मोह से याद्दाश्त नष्ट हो जाती है। याद्दाश्त नष्ट होने से बुद्धि का नाश होता है। बुद्धि का नाश होने से मनुष्य नष्ट हो जाता है।

4. **सन्धि—विच्छेद कीजिए—**

   (Disjoin the sandhi)

कश्चित्क्षणमपि	=	कश्चित्	+	क्षणमपि
यद्यदाचरति	=	यत्	+	आचरति
यत्प्रमाणं	=	यत्	+	प्रमाणं
लोकस्तदनुवर्तते	=	लोकः	+	तदनुवर्तते
मिथ्याचारः	=	मिथ्या	+	आचारः
क्रोधाद्भवति	=	क्रोधात्	+	भवति
नाशात्प्रणश्यति	=	नाशात्	+	प्रणश्यति

5. **निम्नलिखित शब्दों की विभक्ति व वचन लिखिए—**

(Write the case and numbers of the following words)

शब्द	**विभक्ति**	**वचन**	**शब्द**	**विभक्ति**	**वचन**
मे	चतुर्थी/षष्ठी	एकवचन	**कश्चिद्**	प्रथमा	एकवचन
	–	–	**देवेतरो**	प्रथमा	एकवचन
कर्मेन्द्रियाणि	प्रथमा	बहुवचन	**मर्त्येषु**	सप्तमी	बहुवचन
सर्वपापैः	तृतीया	बहुवचन	**क्रोधात्**	पंचमी	एकवचन
बुद्धिनाशो	प्रथमा	एकवचन	**बुद्धिनाशात्**	पंचमी	एकवचन

6. **संस्कृत में अनुवाद कीजिए—**

(Translate into Sanskrit)

(क) भगवते त्यागीजनाः प्रियं भवन्ति।

(ख) मनुष्यः कर्म कर्तुं परवशः अस्ति।

(ग) श्रेष्ठ जनाः इवाचरणं कुर्यात्।

(घ) इन्द्रियाणि संयम्य उचितं न भवति।

(ङ) क्रोधात् बुद्धिः नश्यति।

नवमः पाठः दीपावली

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए—**

(Answer of the following questions)

(क) उत्सवानाम् द्वे भेदे सन्तिः— राष्ट्रियाः धार्मिकाः च।

(ख) दीपावली उत्सवः कार्तिक मासस्य कृष्णपक्षस्य अमावस्यायाः दिवसे मान्यते।

(ग) अस्मिन् दिने श्रीरामः वनात् अयोध्याम् आगच्छत्। तस्य स्वागते अयोध्यावासिनः हर्षपूर्वकं निजगृहाणि दीपैः अलंकरणैश्च सुशोभितवन्तः। तस्य उत्सवस्य स्मृतौ जनाः अद्यापि एनम् उत्सवं मान्यन्ते।

(घ) अस्मिन् अवसरे जनाः गृहाणि सुधया लिम्पन्ति।

(ङ) वस्तुतः दीपावली उत्सवः सत्यस्य असत्योपरि विजयस्य प्रतीकः अस्ति।

2. **रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—**

(Fill in the blanks)

(क) पर्वणां **(ख)** हिन्दूसम्प्रदायस्य **(ग)** अयोध्यायाः, दशरथः **(घ)** मिष्टान्नं

3. **निम्नलिखित अनुच्छेदों की हिन्दी अनुवाद लिखिए—**

(Translate into Hindi of the given paragraph)

(क) **भारतवर्षः ....मान्यते।**

भारतवर्ष पर्वों का देश है। यहाँ प्रतिवर्ष अनेक उत्सव मनाए जाते हैं। कुछ राष्ट्रीय उत्सव हैं, तो कुछ धार्मिक हैं। इन उत्सवों में दीपावली हिंदू संप्रदाय का प्रमुख उत्सव है। यह उत्सव कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष के अमावस्या के दिन मनाया जाता है।

(ख) **जनाः .... प्रतीकः अस्ति।**

इस अवसर पर लोग घरों को चूने अथवा सफेदी से लीपते हैं अर्थात् घरों की पुताई करते हैं। वे घरों को चित्रों से सजाते हैं। नए कपड़े पहनते हैं और रात में लक्ष्मीपूजन करते हैं। बालक पटाखे जलाते हैं। लोग मिठाइयाँ खाते हैं। वास्तव में दीपावली का उत्सव सत्य की असत्य के ऊपर विजय का प्रतीक है।

4. **सन्धि–विच्छेद कीजिए–**

(Disjoin the sandhi)

एषूत्सवेषु	=	एषु	+	उत्सवेषु
प्रमुखोत्सवः	=	प्रमुख	+	उत्सवः
वनेऽवसत्	=	वने	+	अवसत्
अद्यापि	=	अद्य	+	अपि
असत्यस्योपरि	=	असत्यस्य	+	उपरि

5. **निम्नलिखित क्रियापदों की धातु, लकार, पुरुष तथा वचन लिखिए–**

(Write Dhatoo, Lakar, persons and numbers of the following verbs)

क्रिया	**धातु**	**लकार**	**पुरुष**	**वचन**
मान्यन्ते	मन्	लट् लकार	प्रथम	बहुवचन
सन्ति	अस्	लट् लकार	प्रथम	बहुवचन
अस्ति	अस्	लट् लकार	प्रथम	एकवचन
अपाहरत्	अप + हर्	लङ् लकार	प्रथम	एकवचन
लिम्पन्ति	लिम्प्	लट् लकार	प्रथम	बहुवचन

6. **संस्कृत में अनुवाद कीजिए–**

(Translate into Sanskrit)

(क) भारते बहुनि उत्सवाः मान्यन्ते।

(ख) राजादशरथस्य पुत्रस्य नाम श्रीरामः आसीत्।

(ग) जनाः अस्मिन् दिवसे गृहाणि लिम्पन्ति।

(घ) बालकाः चाकचिक्यानि दहन्ति।

(ङ) सत्यस्य असत्योपरि विजयं अवश्यं भवति।

दशमः पाठः अब्दुल कलामः

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–**

(Answer of the following questions)

(क) अब्दुल कलामः भारतदेशस्य महान वैज्ञानिकः आसीत्।

(ख) अब्दुलकलामस्य जन्म 15 अक्तूबर, 1931 तमे वर्षे अभवत्।

(ग) अब्दुल कलामस्य मातुः नाम आशिअम्मा पितुश्च नाम जैनुलाबुद्दीनः आसीत्।

(घ) अब्दुलकलामस्य त्रयो भ्रातरः आसन्।

(ङ) अब्दुलकलामेन निर्मितानि क्षेपणास्त्राणाम् नाम सन्ति– पृथिवी, त्रिशूलम्, आकाशः, नागः इति।

2. **रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–**

(Fill in the blanks)

(क) आशिअम्मा **(ख)** एकादशः **(ग)** ईश्वरविश्वासस्य **(घ)** 27 जुलाई, 2015

3. **निम्नलिखित अनुच्छेद का हिन्दी अनुवाद लिखिए–**

(Translate into Hindi of the given paragraph)

अब्दुलकलामस्य नेतृत्वेन ....पंचतत्वं गतः।

अब्दुल कलाम के नेतृत्व में निर्मित पृथ्वी, त्रिशूल, आकाश और नाग आदि क्षेपण (फेंके जाने वाले) अस्त्र भारत की सुरक्षा व्यवस्था को दृढ़ करते हैं। सन् 2002, जुलाई के महीने में डॉ0 कलाम 90 प्रतिशत बहुमतों से भारत के राष्ट्रपति बने। वे भारत के 11 वे राष्ट्रपति थे। कलाम में बहुत से गुण थे और लेशमात्र भी दर्गुण नहीं थे। विज्ञान और ईश्वर पर विश्वास का समन्वय उनमें दिखाई देता था। आजीवन ब्रह्मचारी और शाकाहारी कलाम ने राष्ट्र के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। वे हमारे आदर्श महापुरुष हैं। 27 जुलाई, 2015 में यह दिव्यपुरुष पंचतत्व में विलीन हो गया।

4. **सन्धि–विच्छेद कीजिए–**

(Disjoin the sandhi)

एकैव	=	एक	+	एव
प्रगाढ़ानुरागः	=	प्रगाढ़	+	अनुरागः
नागश्चेति	=	नागः	+	चेति
लेशोऽपि	=	लेशः	+	अपि

5. **निम्नलिखित शब्दों की विभक्ति व वचन लिखिए–**

(Write the case and numbers of the following words)

शब्द	**विभक्ति**	**वचन**	**शब्द**	**विभक्ति**	**वचन**
कलामेन	तृतीया	एकवचन	**तस्य**	षष्ठी	एकवचन
भ्रातरः	प्रथमा	बहुवचन	**पठनाय**	चतुर्थी	एकवचन
नेतृत्वेन	तृतीया	एकवचन	**तस्मिन्**	सप्तमी	एकवचन

6. **निम्नलिखित क्रियापदों की धातु, लकार, पुरुष तथा वचन लिखिए–**

(Write Dhatoo, Lakar, persons and numbers of the following verbs)

क्रिया	**धातु**	**लकार**	**पुरुष**	**वचन**
जानाति	ज्ञा	लट् लकार	प्रथम	एकवचन
अभवत्	भू	लङ् लकार	प्रथम	एकवचन
प्रेरयत्	प्रेर	लङ् लकार	प्रथम	एकवचन
दृश्यन्ति	दृश्	लृट् लकार	प्रथम	बहुवचन
समर्पयन्	सम् + अर्प	लङ् लकार	प्रथम	एकवचन

7. **निम्नलिखित शब्दों से वाक्य बनाइए–**

(Frame the sentences by the following words)

तस्य	तस्य मातुः नाम दुलारी अस्ति।
मातुः	श्रीरामस्य मातुः नाम कौशल्या आसीत्।

पठनाय सः पठनाय विद्यालयम् अगच्छत्।

नेतृत्वेन कलामस्य नेतृत्वेन क्षेपणास्त्रानि भारतस्य सुरक्षाव्यवस्थां दृढ़यन्ति।

मासस्य जनवरी मासस्य षड्विंशति दिनाङ्के गणतन्त्रः दिवसः मन्यते।

8. **संस्कृत में अनुवाद कीजिए–**

(Translate into Sanskrit)

(क) अब्दुल कलामः महानः पुरुषः आसीत्।

(ख) सः विवेकवानः उदारश्च आसीत्।

(ग) तस्य विज्ञाने प्रगाढ़ानुरागः आसीत्।

(घ) तस्य माता गृहिणी स्नेहमयी च आसीत्।

(ङ) सः अस्मभ्यं आदर्शः अस्ति।

एकादशः पाठः वेदश्लोकाः

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–**

(Answer of the following questions)

(क) यस्य वाणी रसवती, यस्य क्रिया श्रमवती तथा यस्य लक्ष्मी दानवती, तस्य जीवनं सफलं भवति।

(ख) प्रदोषे दीपकः चन्द्रः अस्ति।

(ग) प्रिय वाक्य प्रदानेन सर्वे जन्तवः तुष्यन्ति।

(घ) अनादरो, विलम्बः, मुख्यम् निष्ठुर वचनम् पश्चातापश्च पञ्चापि क्रियाः दानम् दूषयन्ति।

(ङ) यो अभिवादनशीलस्य, नित्यं वृद्धोपसेविन, तस्य आयुर्विद्या यशोबलं वर्धन्ते।

2. **रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–**

(Fill in the blanks)

(क) **वाणी** रसवती **यस्य, यस्य श्रमवती** क्रिया **।**
लक्ष्मी **दानवती यस्य,** सफलं **तस्य जीवितं।**

(ख) **अनादरो** विलम्बश्च **वै मुख्यम् निष्ठुर वचनम्।**
पश्चातापश्च पञ्चापि दानस्य **दूषणानि च।**

3. **पहले, तीसरे तथा पाँचवें श्लोक का हिन्दी अनुवाद कीजिए–**

(Translate into Hindi of the first, third, and fifth shloka)

(1) जिस मनुष्य की वाणी मीठी है, जिसका कार्य परिश्रम से युक्त है, जिसका धन दान करने में प्रयुक्त होता है, उसका जीवन सफल है।

(3) प्रिय वाक्य बोलने से सभी जीव संतुष्ट होते हैं। अतः प्रिय वचन ही बोलने चाहिए। ऐसे वचन बोलने में कैसी दरिद्रता?

(5) अपमान करके दान देना, विलम्ब से देना, मुख फेर कर देना, कठोर वचन बोलना और देने के बाद पश्चाताप करना,ये पाँच क्रियाएँ दान को दूषित करती है।

4. **सन्धि–विच्छेद कीजिए–**

(Disjoin the sandhi)

त्रैलोक्य	=	त्रै	+	लोक्य
तदैव	=	तदा	+	एव
गुरुस्त्राता	=	गुरुः	+	त्राता
पञ्चापि	=	पञ्च	+	अपि
वृद्धोपसेविनः	=	वृद्धः	+	उपसेविनः
आयुर्विद्या	=	आयुः	+	विद्या
यशोबलं	=	यशः	+	बलः

5. **संस्कृत में अनुवाद कीजिए–**

(Translate into Sanskrit)

(क) दान्याः जीवनं सफलं भवति।

(ख) त्रैलोक्ये धर्मः दीपकः अस्ति।

(ग) प्रियवाक्य प्रदानेन सर्वे तुष्यन्ति।

(घ) दाने विलम्बं मा कुर्यात्।

(ङ) मनुष्यः नित्यं वृद्धोपसेविनः कुर्यात्।

द्वादशः पाठः प्रबुद्धो ग्रामीणः

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–**

(Answer of the following questions)

(क) रेलयाने केचन् ग्रामीणाः केचन च नागरिकाः आसन्।

(ख) नाागरिकः ग्रामीणान् उपहसन् अकथयत् – ''ग्रामीणाः अद्यापि पूर्ववत् अशिक्षिताः अज्ञाः च सन्ति। न तेषां उत्थानम् अभवत् न च भवितु शक्नोति।''

(ग) ग्रामीणस्य नागरिकस्य च मध्ये प्रहेलिकां प्रच्छतुं समयं अकरोत्।

(घ) प्रहेलिकायाः उत्तरं पत्रं आसीत्।

(ङ) दण्डदानेन खिन्नः नागरिकः बहुकालम् अविचारयत् तथापि काञ्चित् प्रहेलिकां नास्मरत् अतः सः अधिकं लज्जमानः अभवत्।

2. **रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–**

(Fill in the blanks)

(क) रेलयानं **(ख)** प्रहेलिकां **(ग)** शतरूप्यकाणि **(घ)** प्रबुद्धतराः

3. **सन्धि–विच्छेद कीजिए–**

(Disjoin the sandhi)

अल्पज्ञा	=	अल्प	+	अज्ञा
इत्यमेवं	=	इत्यम्	+	एवं
त्वमेव	=	त्वम्	+	एव

नास्म्यहं	=	न	+	अस्मि	+	अहम्
साक्षरोऽस्म्यहम्	=	साक्षर	+	अस्मि	+	अहम्
अन्वभवत्	=	अनु	+	अभवत्		

4. निम्नलिखित अनुच्छेदों की हिन्दी अनुवाद लिखिए–

(Translate into Hindi of the given paragraph)

(क) **एकदा बहवः .... विधातव्यः।**

एक बार बहुत से लोग रेल में चढ़कर नगर की ओर जा रहे थे। उनमें से कुछ ग्रामीण और कुछ शहरी थे। एक बहुत बोलने वाले शहरी ने ग्रामीणों का मजाक उड़ाते हुए कहा– ''ग्रामीण आज भी पहले की तरह अनपढ़ और अज्ञानी हैं। न तो वे उठे थे और न भविष्य में उठेंगे।'' उसकी ऐसी बातें सुनकर एक चतुर ग्रामीण बोला– ''भद्र शहरी! आप ही कुछ ऐसा बोलिए जिससे पता चले कि आप शिक्षित और बहुत जानने वाले हैं।''

(ख) **एतस्मिन्नेव .... भवन्ति।**

उसी समय उस ग्रामीण का गाँव आ गया। वह हँसते हुए रेल से उतरकर अपने गाँव चला गया। शहरी लज्जित होकर पहले की तरह चुप बैठ गया। सभी यात्री ज्यादा बोलने वाले म्लान मुख शहरी को देखकर हँसने लगे। तब उस शहरी ने अनुभव किया कि ज्ञान सब जगह सम्भव होता है। ग्रामीण व्यक्ति भी संभवतः शहरी व्यक्तियों से अधिक बुद्धिमान होते हैं।

5. संस्कृत में अनुवाद कीजिए–

(Translate into Sanskrit)

(क) रेलयाने केचन् नागरिकः केचन ग्रामीणः च अतिपढन्

(ख) तस्य वचनानि श्रुत्वा ग्रामीणः अवदत्।

(ग) वयम् एतस्मै समयं निर्धारिष्यामि।

(घ) एतत् प्रहेलिकायाः उत्तरं पत्रं अस्ति।

(ङ) कदापि ग्रामीणानाम् उपहासं न कुर्यात्।

त्रयोदशः पाठः कस्याः बालः?

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(Answer of the following questions)

(क) नृपः न्यायः कर्तुम् विश्वविख्यातं आसीत्।

(ख) द्वे नार्यौ नाम प्रथमस्य सरला तथा द्वितीयस्य नार्याः नाम विमला।

(ग) तयोः मध्य एकस्य पुत्रस्य विषये महान् कलहः अजायत्।

(घ) नृपस्य निर्णय आसीत् यत् सरला एव इमं बालस्य माता।

(ङ) बालः सरलायाः पुत्र आसीत्।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(Fill in the blanks)

(क) नृपः **(ख)** द्वे नार्यो **(ग)** राजसभायां **(घ)** विमलायै

3. **निम्नलिखित अनुच्छेदों की हिन्दी अनुवाद लिखिए–**

(Translate into Hindi of the given paragraph)

(क) **अथ विवादे .... बालः अस्ति।**

झगड़ा बढ़ने पर दोनों नारियाँ राजसभा में पहुँच गईं। उन दोनों ने अपना-अपना पक्ष राजा के सामने प्रमाण सहित रखा। राजा ने दोनों का पक्ष समान रूप से सुना और पहले न सुना जानकर किंकर्तव्यविमूढ हो गए। राजा बोले– ''सबसे पहले यह बच्चा किसके साथ अधिक प्रसन्नता का अनुभव करता है, यह जानना चाहिए।'' परन्तु बच्चा दोनों के साथ प्रसन्न दिखाई दिया। अब राजा निर्णय करने में असमर्थ हुआ कि वास्तव में यह किसका बच्चा है।

(ख) **क्षणेन मौनं .... बहुप्रसन्ना अभवत्।**

क्षण भर में मौन छोड़कर राजा ने अपना निर्णय सुना दिया– ''वास्तव में सरला की ममता स्वाभाविक है और उसकी मूर्च्छा भी नैसर्गिक है। अतः सरला ही इस बच्चे की माता है। यही इस झगड़े का निर्णय है। विमला का पक्ष बिल्कुल भी विचार योग्य नहीं है।'' इस प्रकार राजा के बुद्धि, वैभव और न्याय से सरला अपना पुत्र फिर से प्राप्त कर बहुत प्रसन्न हुई।

4. **सन्धि–विच्छेद कीजिए–**

(Disjoin the sandhi)

कालान्तरे	=	काल	+	अन्तरे
प्रथमास्य	=	प्रथम	+	अस्य
तत्क्षणं	=	तत्	+	क्षणं
अधुनाऽपि	=	अधुना	+	अपि
लेशमात्राऽपि	=	लेशमात्र	+	अपि

5. **निम्नलिखित शब्दों की विभक्ति व वचन लिखिए–**

(Write the case and numbers of the following words)

शब्द	**विभक्ति**	**वचन**	**शब्द**	**विभक्ति**	**वचन**
नगरे	सप्तमी	एकवचन	**नार्यौ**	प्रथमा	द्विवचन
नार्याः	षष्ठी	एकवचन	**प्रसन्नताम्**	द्वितीया	एकवचन
उभाभ्यां	तृतीया	एकवचन	**सावधानतया**	तृतीया	एकवचन
न्यायेन	तृतीया	एकवचन			

6. **संस्कृत में अनुवाद कीजिए–**

(Translate into Sanskrit)

(क) नृपः बहु दयालुः न्यायी च आसीत्।

(ख) तत् नगरे द्वे नार्यो अपि अनिवसत्।

(ग) विवादे पराकाष्ठं गते द्वे नार्यो राजसभायां गतवत्यौ।

(घ) राजा अकथयत् यत् अहम् इमं बालं कृपाणेन अर्धं कर्तयामि।

(ङ) विमलायाः पक्ष लेशमात्रापि विचारयोग्याः नास्ति।

चतुर्दशः पाठः अस्माकं भारतवर्षः

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–**

   (Answer of the following questions)

   (क) अस्माकं देशस्य नाम भारतवर्षः अस्ति।

   (ख) अत्र पर्वतशृङ्खलाः सन्ति।

   (ग) अस्मिन् देशे सर्वे ऋतवः क्रमेण आगच्छन्ति ते च – वसन्तः, ग्रीष्मः, वर्षाः, शरद, हेमन्तः शिशिरश्च।

   (घ) भारते सर्वत्र विविधता अस्ति। यथा अत्र जनानां विविधाः भाषाः विविधाः सम्प्रदायाः, विविधं भोजनं विविधाः वेशभूषाः च सन्ति।

   (ङ) अस्माकं भारतीय संस्कृतेः मूलमन्त्रः 'सर्वजनहिताय सर्वजनसुखाय' अस्ति।

2. **रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–**

   (Fill in the blanks)

   (क) रमणीयाः **(ख)** समतलभूमिः **(ग)** भाषाः, सम्प्रदायाः, भोजनं, वेशभूषाः

   (घ) पश्यन्तु दुःखभाग

3. **निम्नलिखित अनुच्छेदों की हिन्दी अनुवाद लिखिए–**

   (Translate into Hindi of the given paragraph)

   (क) **भारते .... मानयामः।**

   भारत में सब जगह विविधता है। जैसे यहाँ विविध भाषाएँ, विविध संप्रदाय, विविध भोजन, विविध वेशभूषाएँ हैं। किंतु यहाँ अनेकता में भी एकता की सुमधुर धारा बहती है। हम सभी भाषा-भाषी लोग एक राष्ट्रध्वज को नमन करते हैं, एक राष्ट्रगान गाते हैं और सभी राष्ट्रीय उत्सवों को और सामाजिक उत्सवों को मिलकर मनाते हैं।

   (ख) **भारतस्य .... भवेत्।**

   भारत के प्रदेशों की सभी संस्कारों की जननी एक संस्कृत भाषा ही है। प्रायः लोग उत्सवों में और धार्मिक कार्यों में संस्कृत भाषा में समान रूप से मन्त्रोच्चारण करते हैं। भारत की अनेक भाषाओं की जननी संस्कृत भाषा ही है। इसमें कोई भी संदेह नहीं हैं। भारतीय संस्कृति संस्कृत में निहित है। हमारी भारतीय संस्कृति का मूलमंत्र 'सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाय' है।

   और कहा है– सभी सुखी हों सभी नीरोग हों।

   सभी कल्याण देखें, कोई भी दुःख का भागी न हो।

4. **सन्धि–विच्छेद कीजिए–**

   (Disjoin the sandhi)

मन्त्रोच्चारणं	=	मन्त्र	+	उच्चारणम्
कोऽपि	=	कः	+	अपि
संस्कृतिः	=	सम्	+	कृति
भारतस्य	=	भारत्	+	अस्य

5. **निम्नलिखित शब्दों की विभक्ति व वचन लिखिए–**

(Write the case and numbers of the following words)

शब्द	**विभक्ति**	**वचन**	**शब्द**	**विभक्ति**	**वचन**
भूभागाः	प्रथमा	बहुवचन	**पर्वतेभ्यः**	चतुर्थी	बहुवचन
देशेः	सप्तमी	एकवचन	**ऋतवः**	प्रथमा	बहुवचन
जनानां	षष्ठी	बहुवचन	**उत्सवान्**	द्वितीया	बहुवचन
भारतस्य	षष्ठी	एकवचन	**संस्कृते**	सप्तमी	एकवचन

6. **निम्नलिखित क्रियापदों की धातु, लकार, पुरुष तथा वचन लिखिए–**

(Write Dhatoo, Lakar, persons and numbers of the following verbs)

क्रिया	**धातु**	**लकार**	**पुरुष**	**वचन**
आयाति	आ	लट्	प्रथम	एकवचन
आगच्छति	आगच्छ	लट्	प्रथम	एकवचन
प्रवहति	प्र + वह	लट्	प्रथम	एकवचन
मानयामः	मन्	लट्	उत्तम	बहुवचन
कुर्वन्ति	कृ	लट्	प्रथम	बहुवचन
भवेत्	भू	विधिलिङ्ग	प्रथम	एकवचन

7. **संस्कृत में अनुवाद कीजिए–**

(Translate into Sanskrit)

(क) भारतस्य देशस्य भूभागाः रमणीयाः सन्ति।

(ख) कुत्रचित् पर्वतेभ्यः सरिता प्रवहन्ति क्वचित् च विस्तृतं मरुस्थलं अस्ति।

(ग) भारते सर्वत्र विविधता अस्ति।

(घ) अतः विविधानाम् सम्प्रदायाणाम् जनाः निवसन्ति।

(ङ) भारतस्य अनेकायाः भाषायाः जननी संस्कृतं भाषा अस्ति।

पञ्चदशः पाठः वीरः वीरेण पूज्यते

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–**

(Answer the following questions)

(क) पुरुराजः एकः भारतीय वीरः आसीत्।

(ख) अलक्षेन्द्रः यवनराजः आसीत्।

(ग) अलक्षेन्द्रः पुरुराजस्य वीरभावेन हर्षितः अभवत्।

(घ) 'यथैकेन वीरेण वीरं प्रति' इति पुरुराजः आत्मना सह अलक्षेन्द्रं व्यवहर्तुं कथयति।

(ङ) गीतायाः सन्देशः–

हतो वा प्राप्स्यसि स्वर्गं जित्वा वा भोक्ष्यसे महीम्।
निराशीनिर्ममो भूत्वा युध्यस्व विगतज्वरः।।

2. **रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–**

(Fill in the blanks)

(क) पुरुराजम्, यवनसेनापतिः **(ख)** यवनराजम् **(ग)** आम्भीकः **(घ)** मैत्रीमहोत्सव

3. **निम्नलिखित अनुच्छेद का हिन्दी अनुवाद लिखिए–**

(Translate into Hindi of the given paragraph)

अलक्षेन्द्रः–पुरुराज! .... भारतीय यत्र सन्ततिः।

अलक्षेन्द्र – पुरुराज, मेरी मित्रतापूर्ण सन्धि को अस्वीकार करने से तुम्हारा क्या आशय था?

पुरुराज – अपने राज्य की रक्षा और राष्ट्रद्रोह से छुटकारा।

अलक्षेन्द्र – मित्रता करने में भी राष्ट्रद्रोह?

पुरुराज – हाँ, राष्ट्रद्रोह। यवनराज! यह भारत एक राष्ट्र है और यहाँ बहुत से राज्य और बहुत से शासक हैं। तुम मित्रतापूर्ण सन्धि से उन्हें खण्डित करके भारत को जीतना चाहते हो। आम्भीक इसका प्रत्यक्ष प्रमाण है।

अलक्षेन्द्र – भारत एक राष्ट्र है, यह तुम्हारा कथन गलत है। यहाँ तो राजा और प्रजा आपस में द्वेष करते हैं।

पुरुराज – वह सब हमारा आन्तरिक विषय है। उसमें बाहरी शक्ति का हस्तक्षेप असहनीय है। यवनराज! अलग धर्म, अलग भाषा और अलग वेशभूषा के होते हुए भी हम सब भारतीय हैं। हमारा राष्ट्र विशाल है जैसा कि–
''समुद्र के उत्तर में और हिमालय के दक्षिण में जो देश स्थित है, वह भारतवर्ष है, जिसकी सन्तान भारतवासी हैं।''

4. **सन्धि–विच्छेद कीजिए–**

(Disjoin the sandhi)

वीरोऽपि	=	वीरः	+	अपि
किमपि	=	किम्	+	अपि
पञ्जरस्थः	=	पञ्जर	+	स्थः
मैत्रीकरणेऽपि	=	मैत्रीकरणे	+	अपि
पृथग्भाषाभूषां	=	पृथक्	+	भाषाभूषां
सत्यमेव	=	सत्यम्	+	एव

5. **संस्कृत में अनुवाद कीजिए–**

(Translate into Sanskrit)

(क) सिकन्दरः पुरुराजं बन्दिनं अकरोत्।

(ख) वीर सर्वत्र समो वर्तते।

(ग) युष्माकम् देशे जनाः परस्परं द्रुहयन्ति।

(घ) सर्वेभारतीयाः गीतायाः सन्देष्टं न विस्मरेयुः।

(ङ) वीरं पुरुराजं बन्धनात् मोचय।

षोडशः पाठः दस्युः अङ्गुलिमालः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(Answer of the following questions)

(क) कोसल प्रदेशस्य गहन वने एकः अङ्गुलिमालः नाम दस्युः अवसत्।

(ख) दस्यु अङ्गुलिमालः निश्चयं अकरोत् यत् मानवानां वध कृत्वा तेषां एकां एकां अङ्गुलीं छित्वा तासां मालां रचयिष्यति।

(ग) महात्मा बुद्धः श्रावस्ती नगरे प्रवचनं करोति स्म।

(घ) गहन वने बुद्धं दृष्ट्वा सः अङ्गुलिमालः उच्चैः अवदत् ''रे साधु! तिष्ठ, कुत्र गच्छसि?''

(ङ) भगवतः बुद्धस्य वचनानि श्रुत्वा सः दस्युः तस्य पादयोः अपतत् विनयेन अवदत् च – ''भगवन्! तमसो मा ज्योतिर्गमय।''

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(Fill in the blanks)

(क) एकः दस्युः **(ख)** दस्योः अङ्गुलिमालस्य **(ग)** पत्रं **(घ)** अङ्गुलिमालस्य, हस्तं, बुद्धं

3. निम्नलिखित अनुच्छेदों की हिन्दी अनुवाद लिखिए–

(Translate into Hindi of the given paragraphs)

(क) कोसल प्रदेशस्य .... समीपं गमिष्यामि।

कोसल प्रदेश के घने वन में एक डाकू रहता था। उसका नाम अंगुलिमाल था। उसने निश्चय कर रखा था कि मनुष्यों का वध करके उनकी एक-एक अंगुली काटकर उनकी माला बनाएगा। एक बार महात्मा बुद्ध श्रावस्ती नगर में उपदेश दे रहे थे। उपदेश के अनन्तर बहुत से लोग राज्य में विद्यमान डाकू अंगुलिमाल के विषय में बात कर रहे थे। डाकू की क्रूरता जानकर भगवान् बुद्ध श्रावस्ती नरेश प्रसेनजित के पास गए और बोले– ''मैं उस डाकू से मिलूँगा।'' श्रावस्ती नरेश बुद्ध के वचन सुनकर चिन्तित हो गए और बोले– ''ऐसा कार्य मत कीजिए। वह बहुत क्रूर है। यदि आपकी वहाँ जाने की इच्छा है, तो मेरी सेना ले जाइए।'' भगवान् बुद्ध बोले– ''राजन्! चिन्ता मत करो। मैं अकेला ही उसके पास जाऊँगा।''

(ख) बुद्धस्य वचनानि .... स्वस्ति ते।

बुद्ध के वचन सुनकर डाकू अंगुलिमाल जोर से हँसा और बोला– ''टूटे पत्ते को दोबारा जोड़ना कैसे संभव है?'' बुद्ध हँसकर बोले– ''मैं भी ऐसा ही कहता हूँ। अलग करना सरल है किन्तु जोड़ना असम्भव है। पुत्र! जीवन का नाश करना सरल है, किन्तु जीवनदान देना असंभव है। अतः जीवों का वध मत करो।''

भगवान् बद्धु के वचन सुनकर वह डाकू उनके पैरों पर गिर पड़ा और विनयपूर्वक बोला– ''भगवान्! मुझे अंधकार से प्रकाश की ओर ले चलो।''

अंगुलिमाल की पीठ पर हाथ फेरकर बुद्ध ने उसे उपदेश दिया– ''पुत्र! उठो! प्राणियों का दुःख कम करने के लिए और उनके सुख को बढ़ाने के लिए कार्य करो। तुम्हारा कल्याण हो।''

4. **निम्नलिखित शब्दों की विभक्ति व वचन लिखिए—**

(Write the case and numbers of the following words)

शब्द	**विभक्ति**	**वचन**	**शब्द**	**विभक्ति**	**वचन**
वने	सप्तमी	एकवचन	**निश्चयं**	द्वितीया	एकवचन
दस्योः	षष्ठी	एकवचन	**हस्तेन**	तृतीया	एकवचन
बुद्धस्य	षष्ठी	एकवचन	**हस्तं**	द्वितीया	एकवचन

5. **संस्कृत में अनुवाद कीजिए—**

(Translate into Sanskrit)

(क) तस्य दस्योः नाम अंगुलिमालः आसीत्।

(ख) महात्मा बुद्धः श्रावस्ती नगरे प्रवचनं करोति स्म।

(ग) मम अनुसरणं कुरु।

(घ) मारणात् पूर्वं मम एकं कार्यं कुरु।

(ङ) जनानाम् दुखम् न्यूनं करणाय कार्यं कुरु।

सप्तदशः पाठः पुरुषोत्तमः रामः

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए—**

(Answer of the following questions

(क) नृपस्य दशरथस्य चत्वारः पुत्राः अभवन्।

(ख) श्रीरामः विष्णोः अवतारः आसीत्।

(ग) नृपस्य आज्ञया रामः चतुर्दशः वर्षाणि वने अवसत्।

(घ) हनुमानः वायु-मार्गेण लंकाम् अगच्छत्।

(ङ) हनुमतः सुग्रीवेण सह रामस्य मैत्रीं अकारयत्।

2. **रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—**

(Fill in the blanks)

(क) कौशल्या **(ख)** लक्ष्मणशत्रुघ्नयोः **(ग)** रामलक्ष्मणौ **(घ)** पवन कुमारः हनुमान्

3. **निम्नलिखित अनुच्छेदों की हिन्दी अनुवाद लिखिए—**

(Translate into Hindi of the given paragraphs)

(क) नृपस्य आज्ञया .... अभ्रमताम्।

राजा की आज्ञा से राम चौदह वर्ष के लिए वन में रहे। लक्ष्मण और सीता भी राम के साथ वन में गए। इस प्रकार सीता ने आदर्श पत्नी और लक्ष्मण ने आदर्श भाई का परिचय दिया। जंगल में रावण नाम के राक्षस द्वारा छल से सीता का अपहरण कर लिया गया। सीता को ढूँढ़ने के लिए राम और लक्ष्मण जंगल में इधर-उधर घूमे।

(ख) वने तौ .... विजयी अभवत्।

जंगल में उन दोनों को पवन कुमार (पवन के पुत्र) हनुमान मिले। हनुमान ने सुग्रीव के साथ राम की मित्रता करवाई। हनुमान और सग्रीव की सहायता से उन्होंने लंका में प्रवेश किया। हनुमान वायु मार्ग से लंका में गए। वहाँ जाकर उन्होंने (हनुमान ने) लंका को जला दिया। तत्पश्चात् श्रीराम का रावण के साथ युद्ध हुआ। युद्ध में श्रीराम विजयी हुए।

4. **सन्धि–विच्छेद कीजिए–**

(Disjoin the sandhi)

इतस्ततः	=	इतः	+	ततः
तत्पश्चात्	=	तत्	+	पश्चात्
युद्धोपरान्त	=	युद्ध	+	उपरान्त
वर्षाणामुपरान्त	=	वर्षाणाम्	+	उपरान्त
प्रत्यागच्छत्	=	प्रति	+	आगच्छत्
चापि	=	च	+	अपि

5. **निम्नलिखित शब्दों की विभक्ति व वचन लिखिए–**

(Write the case and numbers of the following words)

शब्द	**विभक्ति**	**वचन**	**शब्द**	**विभक्ति**	**वचन**
चत्वारः	प्रथमा	बहुवचन	**आज्ञया**	तृतीया	एकवचन
नृपस्य	षष्ठी	एकवचन	**रामस्य**	षष्ठी	एकवचन
मैत्रीम्	द्वितीया	एकवचन	**अनुजाय**	चतुर्थी	एकवचन
रामराज्ये	सप्तमी	एकवचन			

6. **संस्कृत में अनुवाद कीजिए–**

(Translate into Sanskrit)

(क) श्रीरामः दशरथस्य सुतः आसीत्।

(ख) सः विष्णोः अवतारः आसीत्।

(ग) वने रावणः रामस्य भार्यां सीतां अपहरत्।

(घ) हनुमानेन सुग्रीवेन सह मिलित्वा रामः रावणं पराजितं अकरोत्।

(ङ) तदनन्तरं विभीषणः लंकायाः राजा अभवत्।

अष्टादशः पाठः अतिलोभो दुखस्य कारणम्

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–**

(Answer of the following questions)

(क) धर्मदासः दरिद्रः इव जीवनं-यापनं करोति।

(ख) मुनिः नृपं वरम् अददात् यदि धर्मदासस्य स्पृश्यमानाः पदार्थाः सौवर्णाः भूयासुः।

(ग) धर्मदासेन स्पृष्टानि वस्तूनि सद्यः एवं सौवर्णानि जातानि।

(घ) पुनः धर्मदासः मुनिं न्यवेदयत् – महर्षे! कृपया दत्तं वरं निवर्तयतु। इयं राजकुमारी मम जीवितम् स्यात्।

(ङ) मुनिः निवारणं अवदत् – ''धर्मदासः! उद्यानात् जलमानय। तेन जलेन सिक्तानि वस्तूनि पूर्वावस्थां प्राप्स्यन्ति।

2. **रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–**

(Fill in the blanks)

(क) धर्मदासः **(ख)** सौवर्णानि **(ग)** कुसुममादाय **(घ)** अतिलोभो

3. **निम्नलिखित अनुच्छेदों की हिन्दी अनुवाद लिखिए–**

(Translate into Hindi of the given paragraph)

(क) एकस्मिन् नगरे .... अंतर्हितः।

एक नगर में धर्मदास नाम का राजा रहता था। अतिलोभी होने के कारण वह गरीब की तरह जीवन-यापन करता था। एक बार कोई मुनि धर्मदास के महल में आया। राजा ने उस मुनि का मन से सत्कार किया। राजा के सत्कार से संतुष्ट मुनि बोला– ''हे राजा! तुम्हारा कल्याण हो। मनचाहा वर माँगो। मुनि के ऐसा कहते ही उस राजा ने लोभ से प्रेरित होकर वर माँगा– ''मेरे स्पर्शमात्र से सभी पदार्थ सोने के हो जाएँ। 'तथास्तु' ऐसा कहकर मुनि अंतर्धान हो गए।

(ख) तस्मिन् अवसरे .... व्यलपत्।

उसी अवसर पर राजकुमारी फूल लेकर वहाँ आई। ''पिताजी! ये बहुत सुंदर फूल हैं।'' ऐसी बोली। राजा ने उन फूलों को हाथ से छुआ। उसके छूते ही फूल सोने के हो गए। यह देखकर राजकुमारी दुःखी हुई। पुत्री को आश्वासन देने के लिए धर्मदास ने उसे गोद में भर लिया। परन्तु राजकुमारी सोने की मूर्ति बन गई। धर्मदास दुःख से जोर से विलाप करने लगा।

(ख) धर्मदासः .... दुःखस्य कारणम्।

धर्मदास बाग से जल लाया। उस जल से सींचने पर सोने की वस्तुएँ अपनी मूल प्रकृति को प्राप्त हो गई। राजकुमारी ने भी मंद हँसते हुए पिता के मन को संतोष दिया। सत्य ही कहा है–अधिक लोभ नहीं करना चाहिए। यह दुख का कारण होता है।

4. **सन्धि–विच्छेद कीजिए–**

(Disjoin the sandhi)

स्वस्त्यस्तु	=	स्वस्त्यः	+	तु
मुनिनैवम्	=	मुनिना	+	एवम्
सुवर्णपिंडमभवत्	=	सुवर्णपिंडम्	+	अभवत्
करेणास्पृशत्	=	करेण	+	अस्पृशत्
चावदत्	=	च	+	अवदत्
शोकेनोच्चैः	=	शोकेन	+	उच्चैः
पूर्वावस्थां	=	पूर्व	+	अवस्थाम्
राजकुमार्यापि	=	राजकुमारी	+	अपि

5. **संस्कृत में अनुवाद कीजिए–**

(Translate into Sanskrit)

(क) धर्मदासः अतिलुब्धेन दरिदः आसीत्।

(ख) राजकुमारी पुष्पाणि आदाय तत्रागता।

(ग) नृपेण स्पृष्टा राजकुमारी सुवर्णमयी जाता।

(घ) मुनिः तम् उद्यानात् जल आनेतुम् अकथयत्।

(ङ) अतिलोभो न कर्तव्यः।

एकोनविंशतिः पाठः अमृतवचनानि

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–**
   (Answer of the following questions)
   (क) सर्वस्य भूषणम् शीलं भवति।
   (ख) हंसे नीर-क्षीर-विवेकस्य गुणं भवति।
   (ग) सन्मित्राणि पापात् निवारयति, हिताय योजयते, गुह्यं निगूह्यति गुणान् प्रकटीकरोति आपद् गतं च न जहाति काले ददाति।
   (घ) असंशयं मनो दुर्निग्रहं चलम्।
   (ङ) साधवः सर्वत्र न अमिलत्।
2. **रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–**
   (Fill in the blanks)
   (क) **अल्पानामपि वस्तुनां** संहतिः **कार्यसाधिका।**
   तृणैर्गुणत्वमापन्नैः **बद्ध्यन्ते मत्तदन्तिनः।।**
   (ख) पापान्निवारयति **योजयते हिताय**
   गुह्यं निगूह्यति गुणान् प्रकटीकरोति ।
   आपद **गतं च न** जहाति **ददाति काले**
   सन्मित्रलक्षणमिदं **प्रवदन्ति सन्तः।।**
   (ग) **शैले शैले न** माणिक्यं **मौक्तिकं न गजे गजे।**
   साधवः न हि सर्वत्र चन्दनं **न वने वने।।**
3. **दूसरे, चौथे तथा छठे श्लोक का हिन्दी अनुवाद कीजिए–**
   (Translate into Hindi of the second, fourth and sixth shloka)
   (2) छोटी-छोटी वस्तुएँ एकत्र करने से बड़े काम भी हो सकते हैं। जैसे घास से बनाई हुई डोरी से मतवाला हाथी बाँधा जा सकता है।
   (4) जो पापों का निवारण करता है, कल्याण के कार्यों में लगाता है, छिपाने योग्य बातों को छिपाकर रखता है और गुणों को प्रकट करता है, विपत्ति में पड़ने पर साथ नहीं छोड़ता है, समय पर साथ देता है। ये अच्छे मित्र के लक्षण हैं, ऐसा संत कहते हैं।
   (6) मणि हर पर्वत पर नहीं मिलती, मोती हर हाथी में नहीं मिलता, हर वन में चंदन नहीं मिलता तथा हर जगह सज्जन नहीं मिलते।
4. **निम्नलिखित शब्दों की विभक्ति व वचन लिखिए–**
   (Write the case and numbers of the following words)

शब्द	विभक्ति	वचन	शब्द	विभक्ति	वचन
हस्तस्य	षष्ठी	एकवचन	**भूषणम्**	द्वितीया	एकवचन
वस्तुनां	षष्ठी	बहुवचन	**श्वेतः**	प्रथमा	एकवचन
गुणान्	द्वितीया	बहुवचन	**वैराग्येण**	तृतीया	एकवचन
शैले	सप्तमी	एकवचन	**साधवः**	प्रथमा	बहुवचन

5. **सन्धि–विच्छेद कीजिए–**
   (Disjoin the sandhi)

अल्पानामपि	=	अल्पानाम्	+	अपि
पापान्निवारयति	=	पापान्	+	निवारयति
सन्मित्रं	=	सद्	+	मित्रं
लक्षणमिदं	=	लक्षणम्	+	इदं
दुर्निग्रहं	=	दुः	+	निग्रहं

6. **निम्नलिखित शब्दों से वाक्य बनाइए—**

(Frame the sentences by the following words)

दानं वयम् दानं कुर्याम्।

अल्पानाम् वयम् अल्पानाम् वस्तूनां संग्रहं कुर्याम्।

सहतिः अल्पानामपि वस्तूनां संहतिः कार्यसाधिका।

श्वेतः इदं श्वेतः वस्त्रम् अस्ति।

बकः बकः हंससमं दृश्यते परन्तु हंसः नास्ति।

तु राम अपि तु आगच्छन्ति स्म।

ददाति विद्या विनयम् ददाति।

मनो मनो चंचल अस्ति।

सर्वत्र सर्वत्र दुखं व्याप्तं।

7. **संस्कृत में अनुवाद कीजिए—**

(Translate into Sanskrit)

(क) सत्यं कण्ठस्य आभूषणं भवति। **(ख)** दुग्धं जलात् पृथक्करणेन हंसो हसः।

(ग) सन्मित्रः हिताय योजयते। **(घ)** निःसंदेह मनो चंचल भवति।

(ङ) प्रत्येक वने चन्दनं न मिलति।

विंशतिः पाठः ईद-महोत्सवः

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए—**

(Answer the following questions)

(क) त्रिंशद् दिनात्मकं व्रतं सुखेन समाप्तिम् अगच्छत्।

(ख) ईद अवसरे बालकाः बालिकाश्च इतस्ततः हर्षेण भ्रमन्ति, क्रीडन्ति, संलपत्ति च।

(ग) नासिर तस्य पुत्रः-पुत्री च ईदगाहं गच्छन्तु सज्जयति स्म।

(घ) साइमायाः माता साइमां नूतनानि वस्त्राणि न अददात्।

(ङ) ईद-अवसरे सर्वे स्नेहेन संलपंतः।

2. **रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—**

(Fill in the blanks)

(क) ईद-महोत्सवः **(ख)** त्रिंशद् **(ग)** वस्त्राणि **(घ)** नवीनानि

3. **निम्नलिखित अनुच्छेद का हिन्दी अनुवाद लिखिए—**

(Translate into Hindi of the following paragraph)

एवं सर्वे .... सत्कुर्वन्ति।

इस प्रकार सभी सुंदर नए वस्त्र पहनकर ईदगाह जाते हैं। वहाँ सभी एक पंक्ति में सम्मिलित होते हैं।

तभी ईद की नमाज संपन्न होती है। नमाज के बाद सभी परस्पर गले मिलते हैं। लड़के और लड़कियाँ वहाँ खिलौने तथा अन्य वस्तुएँ खरीदते हैं। सभी प्यार में लिप्त अपने घरों को जाते हैं। घर जाकर मित्रों को मिठाइयाँ बाँटते हैं।

4. **सन्धि–विच्छेद कीजिए–**

(Disjoin the sandhi)

दिनात्मकं	=	दिन	+	आत्मकम्
कालादेव	=	कालात्	+	एव
इदानीमपि	=	इदानीम्	+	अपि
पक्वान्नानि	=	पक्व	+	अन्नानि
अहमपि	=	अहम्	+	अपि
प्रार्थनानंतरं	=	प्रार्थना	+	अनन्तम्

5. **निम्नलिखित शब्दों की विभक्ति व वचन लिखिए–**

(Write the case and numbers of the following words)

शब्द	**विभक्ति**	**वचन**	**शब्द**	**विभक्ति**	**वचन**
त्रिंशद्	प्रथमा	बहुवचन	**कार्ये**	सप्तमी	एकवचन
पूज्या	प्रथमा	एकवचन	**स्वकीयानि**	प्रथमा	बहुवचन
मिष्टान्नैः	तृतीया	बहुवचन	**तुभ्यं**	चतुर्थी	एकवचन

6. **निम्नलिखित क्रियापदों की धातु, लकार, पुरुष तथा वचन लिखिए–**

(Write Dhatoo, Lakar, persons and numbers of the following verbs)

क्रिया	**धातु**	**लकार**	**पुरुष**	**वचन**
भ्रमन्ति	भ्रम्	लट् लकार	प्रथम	बहुवचन
क्रीडन्ति	क्रीड्	लट् लकार	प्रथम	बहुवचन
असि	अस्	लट् लकार	मध्यम	एकवचन
भव	भू	लोट् लकार	मध्यम	एकवचन
गमिष्यामि	गम्	लृट लकार	उत्तम	एकवचन
सज्जीभूता	सज्	लट् लकार	उत्तम	एकवचन

7. **संस्कृत में अनुवाद कीजिए–**

(Translate into Sanskrit)

(क) ह्यः चंद्रदर्शनम् अभवत्।

(ख) नवीनानि वस्त्राणि परिधाय सज्जो भव।

(ग) ते सुन्दराणि वस्त्राणि परिधाय ईदगाहे गच्छन्ति।

(घ) ईद अवसरे जनाः ईदप्रार्थना संपन्नाय परस्परं आलिङ्गन्ति।

(ङ) गृहेगत्वा मित्राणि मिष्टान्नानि दास्यन्ति।

संस्कृतम्–8

वन्दनम्

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–**

   (Answer of the following questions)

   (क) शंकररुपिणं गुरोः आश्रितं भूत्वा वक्रोऽपि चन्द्रः सर्वत्र वन्द्यते।

   (ख) यः अन्य जनं प्रमादतः निवर्तव्यत्, निष्पापपथे प्रवर्तते हितिच्छुं कल्याणेच्छुं तत्वं गुणाति, तम् गुरुः कथ्यते।

   (ग) गुरोः कृपां बिना चित्तस्य परम् विश्रान्तिः दुर्लभाः अस्ति।

2. **रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–**

   (Fill in the blanks)

   (क) बोधमयं, शंकररूपिणम् वक्रोऽपि **(ख)** निवर्तयत्यन्यजनं, शिवार्थिनां

3. **सन्धि–विच्छेद कीजिए–**

   (Disjoin the sandhi)

यमाश्रितो	=	यम	+	आश्रितो
वक्रोऽपि	=	वक्रः	+	अपि
सर्वत्र	=	सर्व्	+	अत्र
हितिच्छुरंगिनाम्	=	हितिच्छुः	+	अंगिनाम्
शिवार्थिनां	=	शिव	+	अर्थिनाम्
किमत्र	=	किम्	+	अत्र
बहुनोक्तेन	=	बहुना	+	उक्तेन

4. **निम्नलिखित शब्दों की विभक्ति व वचन लिखिए–**

   (Write the case and numbers of the following words)

शब्द	**विभक्ति**	**वचन**	**शब्द**	**विभक्ति**	**वचन**
गुरुं	द्वितीया	एकवचन	**शंकररूपिणम्**	द्वितीया	एकवचन
निष्पापपथे	सप्तमी	एकवचन	**शिवार्थिनां**	षष्ठी	बहुवचन
बहुनोक्तेन	तृतीया	एकवचन	**गुरुकृपां**	द्वितीया	एकवचन

5. **संस्कृत में अनुवाद कीजिए–**

   (Translate into Sanskrit)

   (क) अहम् शंकररूपिणम् गुरुं वन्दनामि।

   (ख) वयम् निष्पाप पथे चलेम्।

   (ग) गुरुः कल्याणाय कामनार्थं तत्वस्य ज्ञानं कारयति।

   (घ) चित्तस्य परमशांतिः गुरुणा एव मिलति।

   (ङ) अहम् गुरुं नित्यं वन्दनामि।

प्रथमः पाठः व्यायामस्य महत्त्वं

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–**

(Answer of the following questions)

(क) शरीर-सुखं सर्वेषु श्रेष्ठम् अस्ति।

(ख) स्वस्थः जनः निज हितं साधयति, परेषाम् अपि कार्याणि साधयति।

(ग) स्वास्थ्यलाभाय जनाः व्यायामं कुर्वन्ति।

(घ) व्यायामस्य अनेके लाभा सन्ति यथा– व्यायामेन शरीरं निरोगं भवति, शरीरे रक्तस्य सञ्चारः सम्यग् भवति। अङ्गानि स्वस्थानि भवन्ति, बुद्धिनिर्मला भवति इति।

(ङ) क्रीडनेन अनुशासनस्य भावना वर्धते।

2. **रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–**

(Fill in the blanks)

(क) निजकार्याणि (ख) श्रेष्ठः (ग) विद्यालये (घ) व्यायामेन

3. **निम्नलिखित अनुच्छेदों की हिन्दी अनुवाद लिखिए–**

(Translate into Hindi of the given paragraph)

(क) **अस्मिन् संसारे .... कार्याणि साधयति।**

इस संसार में अनेक सुख हैं। वह जैसे– पुत्र-सुख, पत्नी-सुख, धन-सुख और शरीर-सुख। किंतु शरीर-सुख इन सभी में श्रेष्ठ सुख है। स्वास्थ्य के बिना सभी सुख निरर्थक ही हैं। अस्वस्थ व्यक्ति कुछ भी नहीं कर सकता है। वह अपने कार्यों को पूरा करने में भी असमर्थ होता है। लोग उसका आदर नहीं करते हैं, उसकी बात का आदर नहीं किया जाता है। स्वस्थ व्यक्ति अपना हित साधता है, दूसरों के भी कार्य पूरे करता है।

(ख) **व्यायामस्य .... लाभाः सन्ति।**

व्यायाम के अनेक लाभ हैं। व्यायाम से शरीर निरोग होता है। इससे शरीर में रक्त का संचार ठीक होता है। रक्त निर्माण व्यायाम से होता है। व्यायाम से अंग स्वस्थ होते हैं, बुद्धि निर्मल होती है, मन प्रसन्नता को प्राप्त होता है। इससे हमारी जठराग्नि प्रदीप्त होती है। वास्तव में व्यायाम के अनेक लाभ हैं।

4. **सन्धि–विच्छेद कीजिए–**

(Disjoin the sandhi)

साधयितुमपि	=	साधयितुम्	+	अपि
मल्लादिकम्	=	मल्ल	+	आदिकम्
भ्रमणमपि	=	भ्रमणम्	+	अपि
इत्यादि	=	इति	+	आदि
व्यायामेनाङ्गानि	=	व्यायामेन	+	अङ्गानि
प्रसादमधिगच्छति	=	प्रसादम्	+	अधिगच्छति
जठराग्निः	=	जठर	+	अग्नि

5. **संस्कृत में अनुवाद कीजिए–**

(Translate into Sanskrit)

(क) शरीर-सुखं सर्वेषु श्रेष्ठम् अस्ति। (ख) जनाः अस्वस्थस्य जनस्य आदरं न कुर्वन्ति।

(ग) वृद्धाः जनाः सरलं व्यायामं कुर्वन्ति। (घ) वयम् क्रीडाङ्गने यष्टिक्रीडां क्रीडामः।

(ङ) क्रीडनेन अनुशासनस्य भावना वर्धते।

द्वितीयः पाठः पन्नाधात्र्याः त्यागः

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–**

   (Answer of the following questions)

   (क) उदयसिंहस्य पितुः नाम महाराणा सङ्ग्रामसिंहः आसीत्।

   (ख) राज्यं प्राप्य बनवीरस्य मनसि लोभः आगच्छत्।

   (ग) रात्रौ बनवीरः उदयसिंह मारयितुम् आगच्छत्।

   (घ) पन्नाधात्री उदयसिंहस्य रक्षितुं स्वसन्ततेः उत्सर्गम् अकरोत्।

   (ङ) उदयसिंहेन 'उदयपुर' नगरम् संस्थापयत्।

2. **रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–**

   (Fill in the blanks)

   (क) प्रसङ्गः **(ख)** पन्नाधात्र्या **(ग)** रक्तपिपासुः **(घ)** राजस्थानस्य

3. **निम्नलिखित अनुच्छेदों की हिन्दी अनुवाद लिखिए–**

   (Translate into Hindi of the given paragraph)

   (क) **एवं राज्यं .... बहिः अप्रेषयत्।**

   इस प्रकार राज्य प्राप्त करके बनवीर के मन में लोभ आ गया। उसने सोचा यदि उदयसिंह न हो तो मैं निष्कंटक राज्य करूँगा। उसका यह घृणित विचार पन्नाधाय ने जान लिया। रात में जब बनवीर उदयसिंह को मारने के लिए आया, उससे पहले ही पन्ना ने कुशलता से उदय के स्थान पर बिस्तर पर अपने पुत्र चंदन को रख दिया और उदय को एक टोकरे में रखकर और पत्तों से ढककर महल से बाहर भेज दिया।

   (ख) **रक्तपिपासुः .... त्यागः।**

   रक्त के प्यासे बनवीर ने जब पूछा कि 'उदय कहाँ है?' पन्ना ने बिना विचलित हुए ही अपने पुत्र की ओर इशारा कर दिया। अगले ही क्षण चंदन का मस्तक तलवार से कट गया। स्वामी की रक्षा करने के लिए पन्ना ने अपनी संतान का त्याग कर दिया। धन्य है ऐसी स्वामी भक्ति, यह अपूर्व त्याग।

   (ग) **समयक्रमेण .... स्थास्यति।**

   समय के साथ वह राजपुत्र उदय जवान होकर, बनवीर को युद्ध में मारकर चित्तौड़ का राजा बना। उसने ही 'उदयपुर' नगर को स्थापित किया। राजस्थान का इतिहास पन्नाधाय का सदा ऋणी रहेगा।

4. **सन्धि–विच्छेद कीजिए–**

   (Disjoin the sandhi)

भक्त्यार्थं	=	भक्ति	+	अर्थं
शिशुरेव	=	शिशुः	+	एव
राज्याभिषेकं	=	राज्य	+	अभिषेक
निष्कण्टकं	=	निः	+	कण्टकं

5. **निम्नलिखित शब्दों की विभक्ति व वचन बताइए–**

   (Write the case and numbers of the following words)

शब्द	विभक्ति	वचन	शब्द	विभक्ति	वचन
अनेके	सप्तमी	एकवचन	**प्रसङ्गाः**	प्रथमा	एकवचन

शिशुरेव	प्रथमा	एकवचन	**नृपस्य**	षष्ठी	एकवचन
मनसि	सप्तमी	एकवचन	**बनवीरः**	प्रथमा	एकवचन
करवालेन	तृतीया	एकवचन	**पन्नाधात्र्याः**	षष्ठी	एकवचन

6. **निम्नलिखित क्रियापदों की धातु, लकार, पुरुष तथा वचन लिखिए–**

(Write Dhatoo, Lakar, persons and numbers of the following verbs)

क्रिया	**धातु**	**लकार**	**पुरुष**	**वचन**
प्रदर्शयति	दृश्	लट् लकार	प्रथम	एकवचन
आगच्छत्	आगच्छ	लङ् लकार	प्रथम	एकवचन
अप्रेषयत्	प्रेष्	लङ् लकार	प्रथम	एकवचन
अपृच्छत्	पृच्छ्	लङ् लकार	प्रथम	एकवचन
अकरोत्	कृ	लङ् लकार	प्रथम	एकवचन
स्थास्यति	स्था	लृट् लकार	प्रथम	एकवचन

7. **निम्नलिखित शब्दों से वाक्य बनाइए–**

(Frame the sentences of the following words)

एतादृशाः	इतिहासे अनेके एतादृशाः प्रसङ्गाः सन्ति।
मनसि	बनवीरस्य मनसि लोभम् आगच्छत्।
यदा	यदा सः गृहे आगच्छत् तदा अहं ग्रहे न आसीत्।
मारयितुं	सः त्वाम् मारयितुं गच्छति।
संस्थाप्य	उदयं करण्डके संस्थाप्य बहिः अप्रेषयत्।
एव	राम एव वहिः अगच्छत।
भूत्वा	उदयः युवा भूत्वा बनवीरं अमारयत्।

5. **संस्कृत में अनुवाद कीजिए–**

(Translate into Sanskrit)

(क) इतिहासस्य अनेकाः प्रसङ्गाः अस्मान् अप्रेरयत्।
(ख) पन्नाधात्र्याः पुत्रस्य नाम चन्दनः आसीत्।
(ग) राज्यस्य इच्छितुं बनवीरं लोभः आगच्छत्।
(घ) पन्ना अविचलिता स्व पुत्रस्य उत्सर्गम् अकरोत्।
(ङ) उदयसिंहः युवा भूत्वा बनवीरं युद्धे अमारयत्।

तृतीयः पाठः कृष्णसर्पः–वायसदम्पत्ती कथा

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–**

(Answer of the following questions)

(क) एकस्मिन् गहन वने एकः महान् वटवृक्षः आसीत।
(ख) वटवृक्षस्य शाखायां नीडम् रचयित्वा एकः वायसदम्पती प्रतिवसति स्म।
(ग) क्रूरः सर्पः सदैव तयोः अपत्यानि भक्षयति स्म। तदर्थं वायसदम्पत्ती अतीव दुःखमग्नः आसीत्।

(घ) शृगालस्य नाम अक्रूरः आसीत्।

(ङ) शृगालस्य युक्तया अन्ते सैनिकाः लगुडप्रहारेण कृष्णसर्पं अमारयत्।

2. **रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—**

(Fill in the blanks)

(क) वटवृक्षः **(ख)** अक्रूर **(ग)** स्वर्णहारं **(घ)** वायसदम्पत्ती

3. **निम्नलिखित अनुच्छेदों की हिन्दी अनुवाद लिखिए—**

(Translate into Hindi of the given paragraph)

(क) पुरा कस्मिश्चित् .... आसीत्।

प्राचीनकाल में किसी घने वन में एक विशाल बरगद का पेड़ था। उसकी शाखा पर घोंसला बनाकर एक कौआ दम्पत्ति रहते थे। उस पेड़ के खोखर में एक काला साँप भी रहता था। क्रूर साँप सदैव उन दोनों के बच्चों को खा जाता था इसलिए कौआ दम्पत्ति बहुत दुखी थी।

(ख) वायसदम्पत्तिः .... सूदूरम् अवस्थिता।

उसी समय कौआ दम्पत्ति नगर की ओर उड़ चले। वहाँ उन्होंने एक मंत्री को देखा जो एक तालाब में जल में उतरकर सोने का हार व कपड़े उतारकर जल क्रीड़ा कर रहा था। मादा कौआ सोने का हार उठाकर अपने घर की ओर चल पड़ी। तभी रक्षकों ने उन्हें उपलक्ष्य करके लाठी लेकर तेजी से उनका पीछा किया। मादा कौआ भी उस सोने के हार को पेड़ के खोखर में डालकर दूर चली गई। जब राजसैनिकों ने उस वृक्ष पर चढ़कर उस खोखर को देखा, तभी उन्होंने वहाँ काले साँप को फन फैलाए बैठा देखा। फिर उन्होंने लाठियों के प्रहार से उसे मारकर स्वर्णहार लेकर इच्छा के अनुसार इच्छित स्थान पर चले गए। कौआ दम्पत्ति भी अब बहुत सुख से रहने लगे।

4. **सन्धि—विच्छेद कीजिए—**

(Disjoin the sandhi)

तदर्थं	=	तत्	+	अर्थं
शृगालोऽपि	=	शृगालः	+	अपि
दुष्टात्मा	=	दुष्ट	+	आत्मा
कश्चिदुपायः	=	कश्चित्	+	उपायः
राजाधिष्ठानम्	=	राजा	+	अधिष्ठानम्
कस्यापि	=	कस्य	+	अपि
राजामात्यादेः	=	राजा	+	आमात्यादे
वस्त्राभरणं	=	वस्त्र	+	आभरणं

5. **निम्नलिखित शब्दों की विभक्ति व वचन बताइए—**

(Write the case and numbers of the following words)

शब्द	**विभक्ति**	**वचन**	**शब्द**	**विभक्ति**	**वचन**
वने	सप्तमी	एकवचन	**शाखायां**	सप्तमी	एकवचन
नीडम्	द्वितीया	एकवचन	**वृक्षस्य**	षष्ठी	एकवचन
तस्य	षष्ठी	एकवचन	**आवयोः**	षष्ठी	द्विवचन
विवरात्	पंचमी	एकवचन	**बालकान्**	द्वितीया	बहुवचन
अमात्यं	द्वितीया	एकवचन	**लगुड्प्रहारेण**	तृतीया	एकवचन

6. **संस्कृत में अनुवाद कीजिए—**

(Translate into Sanskrit)

(क) तत् वृक्षस्य विवरे एकः कृष्णसर्पः निवसति स्म।

(ख) तत्रः एकः शृगालोऽपि निवसति स्म।

(ग) वायसदम्पती सः कृष्णसर्पेण दुखी आसीत्।

(घ) सः कृष्णसर्पः तस्य बालान् भक्षयति स्म।

(ङ) लगुडप्रहारेण सर्पः हतः।

चतुर्थः पाठः अनुशासनस्य महत्त्वं

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए—**

(Answer of the following questions)

(क) अनुशासनम् शब्दम् 'अनु' उपसर्गपूर्वक 'शासनम्' शब्देन निर्मितं अस्ति।

(ख) नियमानां पालनं नियन्त्रणं स्वीकरणं वा अनुशासनम् कथ्यते।

(ग) प्रकृत्याः नियमाः शाश्वताः ध्रुवाः च सन्ति।

(घ) पृथ्वी, गृहाः, नक्षत्रः, सूर्यः, चन्द्रः आदयः सर्वे अनुशासने बद्धाः सन्ति।

(ङ) यदि छात्राः ध्यानेन पठन्ति तर्हि भविष्ये जीवनस्य प्रत्येकस्मिन् क्षेत्रे साफल्यं प्राप्नुवन्ति।

2. **रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—**

(Fill in the blanks)

(क) अनुशासनस्य **(ख)** नियमानां, अनुशासनम् **(ग)** प्रकृत्याः, अनुशासनं

(घ) अनुशासनस्य

3. **निम्नलिखित अनुच्छेदों की हिन्दी अनुवाद लिखिए—**

(Translate into Hindi of the given paragraph)

(क) अनुशासनस्य .... अंगनानि सन्ति।

अनुशासन का हमारे जीवन में अत्यन्त महत्त्व है। अनुशासन शब्द 'अनु' उपसर्ग और 'शासन' शब्द से बना है। इसका अर्थ है– शासन का अनुसरण। अतः नियमों के पालन करने में नियन्त्रण स्वीकार करना ही अनुशासन कहा जाता है। जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में कुछ नियमों का पालन करना आवश्यक होता है। सुबह जल्दी जागना, नियमित व्यायाम करना, नियमों में रहना, कार्य के प्रति पूर्ण समर्पित रहना आदि अनुशासित जीवन के अंग हैं।

(ख) प्रकृत्याः .... प्राप्नुवन्ति।

प्रकृति और सृष्टि के मूल में भी अनुशासन दिखाई देता है। प्रकृति के नियम शाश्वत और ध्रुव हैं। पृथ्वी, ग्रह, नक्षत्र, सूर्य, चन्द्र आदि सभी अनुशासन में बँधे हुए हैं। जिस प्रकार शरीर के आरोग्य के लिए संतुलित भोजन की अपेक्षा होती है, उसी तरह राष्ट्र और समाज के उत्थान के लिए अनुशासन की अपेक्षा होती है। छात्रों के लिए अनुशासन का बड़ा महत्त्व है। यदि सभी छात्र ध्यान से पढ़ें तो भविष्य में जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सफलता प्राप्त करते हैं।

4. **सन्धि—विच्छेद कीजिए—**

(Disjoin the sandhi)

अनुशासनस्य	=	अनु	+	शासनस्य
प्रत्येकस्मिन्	=	प्रति	+	एकस्मिन्

इत्यादयः	=	इति	+	आदयः
तथैव	=	तथा	+	एव

5. निम्नलिखित शब्दों की विभक्ति व वचन बताइए–

(Write the case and numbers of the following words)

शब्द	**विभक्ति**	**वचन**	**शब्द**	**विभक्ति**	**वचन**
अनुशासनस्य	षष्ठी	एकवचन	**जीवने**	सप्तमी	एकवचन
शब्देन	तृतीया	एकवचन	**नियमानां**	षष्ठी	बहुवचन
कस्मिन्	सप्तमी	एकवचन	**अंगनानि**	प्रथमा	बहुवचन
प्रकृत्याः	षष्ठी	एकवचन	**मूले**	सप्तमी	एकवचन
आरोग्याय	चतुर्थी	एकवचन			

6. निम्नलिखित क्रियापदों की धातु, लकार, पुरुष तथा वचन लिखिए–

(Write Dhatoo, Lakar, persons and numbers of the following verbs)

क्रिया	**धातु**	**लकार**	**पुरुष**	**वचन**
कथ्यते	कथ् (आत्मने पद्)	लट् लकार	प्रथम	एकवचन
सन्ति	अस्	लट् लकार	प्रथम	बहुवचन
दृश्यते	दृश	लट् लकार	प्रथम	एकवचन
अपेक्षते	अपेक्ष्	लट् लकार	प्रथम	एकवचन
प्राप्नुवन्ति	प्र+अप्	लट् लकार	प्रथम	बहुवचन

7. निम्नलिखित शब्दों से वाक्य बनाइए–

(Frame the sentences of the following words)

अस्माकं	अस्माकं देशः महान् अस्ति।
जीवने	अनुशासनस्य अस्माकं जीवने अति महत्वं अस्ति।
शब्देन	'अनुशासनम्' 'अनु' तथा 'शासनम्' शब्देन निर्मित अस्ति।
अनुशासनम्	नियमानां पालनं नियन्त्रणं च अनुशासनम् कथ्यते।
नियमेन	वयं नियमेन स्वकार्यं कुर्यात्।
प्रकृत्याः	प्रकृत्याः सृष्ट्याः च मूले अपि अनुशासनं दृश्यते।
तथैव	तथैव अनुशासनं राष्ट्रस्य विकासाय आवश्यकं अस्ति।

8. संस्कृत में अनुवाद कीजिए–

(Translate into Sanskrit)

(क) जीवने अनुशासनस्य अति महत्त्वं अस्ति।

(ख) जीवने कश्चित् नियमानां पालनं कर्तुं आवश्यकं अस्ति।

(ग) वयं शीघ्रं व्यायामं कुर्याम।

(घ) प्रकृत्याम् अपि अनुशासनं दृश्यते।

(ङ) राष्ट्रस्य उत्थानाय अनुशासनं आवश्यकं अस्ति।

पञ्चमः पाठः नीतिवचनानि

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(Answer of the following questions)

(क) दानात् गौरवं प्राप्यते।

(ख) गते शोको न कुर्यात्।

(ग) यं माता-पितरौ क्लेशं सहते, ते नृणाम् लभते।

(घ) ज्ञानास्याभरणं क्षमा।

(ङ) करुणापराणां कायः परोपकारैः विभाति।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(Fill in the blanks)

(क) **गते शोको न** कर्तव्यो **भविष्य नैव चिन्तयेत्।**
वर्तमानेन कालेन वर्तयन्ति विचक्षणाः **।।**

((ख) **यं** मातापितरौ **क्लेशं सहते लभते नृणाम्।**
न तस्य निष्कृतिः **शक्याः कर्तुं वर्ष शतैरति।।**

(ग) नरस्याभरणं **रूप** रूपस्याभरणं **गुणः।**
गुणस्याभरणं ज्ञानं ज्ञानस्याभरणं **क्षमा।।**

(घ) **श्रोत्रं** श्रुतेनैव **न कुंडलेन, दानेन** पणिर्न **तु कंकणेन।**
विभाति कायः करुणापराणां, **परोपकारैर्न तु चन्दनेन।।**

3. पहले, तीसरे, पाँचवे श्लोक का हिन्दी अनुवाद कीजिए–

(Translate into Hindi of the first, third and fifth shlokas)

(1) दान करने से गौरव प्राप्त होता है न कि धन का संचय करने से, क्योंकि बादलों की स्थिति हमेशा उच्च होती है तथा समुद्र की नीचे।

(3) जो माता-पिता का क्लेश सहन करते हैं, वे मनुष्य लाभ पाते हैं तथा जो उनका अपमान नहीं करते, वे सौ वर्ष तक जीते हैं।

(5) महापुरुषों का संसर्ग किसकी उन्नति नहीं करता! कमल के पत्ते पर पड़ी पानी की बूँद मोती जैसी शोभा प्राप्त कर लेती हैं।

4. सन्धि–विच्छेद कीजिए–

(Disjoin the sandhi)

निष्कृतिः	=	निः	+	कृतिः
शतैरति	=	शतैः	+	इति
नरस्याभरणं	=	नरस्य	+	आभरणं
रूपस्याभरणं	=	रूपस्य	+	आभरणं
गुणस्याभरणं	=	गुणस्य	+	आभरणं
ज्ञानस्याभरणं	=	ज्ञानस्य	+	आभरणं
नोन्नति	=	न	+	उन्नति
करुणापराणां	=	करुणा	+	पराणां

5. **संस्कृत में अनुवाद कीजिए–**

(Translate into Sanskrit)

(क) पयोदानाम् स्थितिः अधः अस्ति।

(ख) विचक्षणाः वर्तमानेन कालेन वर्तयन्ति।

(ग) ज्ञानस्याभरणं क्षमा।

(घ) महाजनानाम् संसर्गः उन्नतिकारकः भवति।

(ङ) जनः परोपकारेन विभाति।

षष्ठः पाठः विज्ञानस्य चमत्काराणि

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–**

(Answer of the following questions)

(क) अस्माकं युगं विज्ञानस्य आविष्काराणाम् युगं कथ्यते।

(ख) अत्याधुनिकं सम्पर्क साधनम् दूरदर्शनम् अस्ति।

(ग) रेडियोयन्त्रम् लोके आकाशवाणी शब्देन अपि प्रसिद्धम् अस्ति।

(घ) फ्रीजयन्त्रे स्थापितानि वस्तूनि शीतलानि भवन्ति च दीर्घकालाय सुरक्षितं तिष्ठन्ति।

(ङ) विद्युतवर्तिकाः, विद्युत्व्यजनं, विद्युत्चुल्लिका शीततापनियन्त्रकं च इत्यादयः अनेकानि प्रमुखानि यन्त्राणि सन्ति।

2. **रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–**

(Fill in the blanks)

(क) विज्ञानम् **(ख)** दूरभाषयन्त्रेण **(ग)** आवागमनार्थम् **(घ)** संगणकम्

3. **निम्नलिखित अनुच्छेदों का हिन्दी अनुवाद कीजिए–**

(Translate into Hindi of the given paragraphs)

(क) **अस्माकं युगं .... वर्धयन्ति च।**

हमारा युग विज्ञान के आविष्कारों का युग कहा जाता है। इस युग में विज्ञान हमारा विविध प्रकार से उपकार करता है। विज्ञान से बने बहुत से यंत्र घर-घर स्थित हैं। यह दूरदर्शन है। यह बहुत मनोरंजक यन्त्र है। दूरदर्शन पर हम सब बहुत से कार्यक्रम देखते हैं और सुनते हैं। यह अत्याधुनिक सम्पर्क का साधन है। इस यन्त्र की सहायता से दूरदर्शन केन्द्र से भेजे गए चित्र हमारा मनोरंजन करते हैं और हमारा ज्ञान बढ़ाते हैं।

(ख) **अद्य .... उपयोगी भवन्ति।**

आज आने-जाने के लिए अनेक साधन हैं। यदि हमें थोड़ी दूर ही जाना है, तो हम साइकिल, स्कूटर और मोटर साइकिल से जाते हैं। दूर स्थित गाँव, नगरों में जाने के लिए हम रेलगाड़ी का प्रयोग करते हैं। जो लोग थोड़े समय में दूर स्थान तक जाना चाहते हैं, वे वायुयान का प्रयोग करते हैं। वायुयान आकाश में तेजी से उड़ते हैं। लोग वायुयान द्वारा थोड़े समय में विदेश में भी जाने में सफल होते हैं। विदेशों में जाने के लिए जलयान भी उपयोगी होते हैं।

(ग) **संगणकम् .... कुर्वन्ति।**

कंप्यूटर एक अद्भुत यन्त्र हैं। इसके द्वारा सभी क्षेत्रों में क्रान्तिकारी परिवर्तन हुआ है। फोटोस्टेट यन्त्र की सहायता से पुस्तकों की छाया प्रति संभव होती है। इसी तरह बल्ब,

पंखा, बिजली का चूल्हा और एसी (air conditioner) आदि अनेक यन्त्र बहुविधि से हम पर बहुत उपकार करते हैं। इस तरह विज्ञान के चमत्कार हमारे जीवन को सुखद बनाते हैं।

4. **सन्धि–विच्छेद कीजिए–**

(Disjoin the sandhi)

शृणुमश्च	=	शृणुम्	+	च
अत्याधुनिकं	=	अति	+	आधुनिक
आवागमनार्थम्	=	आवागमन	+	अर्थम्
प्रतिच्छायायन्त्रस्य	=	प्रतिः	+	छायायन्त्रस्य
एवमेव	=	एवं	+	एव
इत्यादि	=	इति	+	आदि

5. **संस्कृत में अनुवाद कीजिए–**

(Translate into Sanskrit)

(क) एतत् युग विज्ञानस्य युगम् अस्ति।

(ख) दूरदर्शनम् आकाशवाणी साहाय्येन संसारस्य प्रत्येकस्य समाचारस्य सूचनां मिलति।

(ग) फ्रीजयन्त्रं प्रत्येकस्मिन् गृहे भवति।

(घ) अद्य आवागमनार्थं अनेकानि साधनानि सन्ति।

(ङ) विदेशेषु वायुयानेन अल्पेनकालेन गन्तुम् शक्नोति।

सप्तमः पाठः मूर्खः वानरः

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–**

(Answer of the following questions)

(क) नृपस्य नाम विश्वजीतः आसीत्।

(ख) नृपः स्वभवने बहवः पशवः अपालयत्।

(ग) वानरः स्नेहेन नृपं व्यजनेन अवीजयत्।

(घ) नृपस्य नासिकायाः एका मक्षिका उपाविशत्।

(ङ) खड्गप्रहारेण नृपस्य नासिका छिन्ना अभवत्।

2. **रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–**

(Fill in the blanks)

(क) परोपकारी **(ख)** व्यजनेन **(ग)** मक्षिकां **(घ)** खड्गप्रहारेण, नासिका।

3. **सन्धि–विच्छेद कीजिए–**

(Disjoin the sandhi)

एकस्मिन्	=	एक्	+	अस्मिन्
तथापि	=	तथा	+	अपि

4. **निम्नलिखित शब्दों में प्रयुक्त प्रत्यय का नाम लिखिए–**

(Write the name of suffix used in the following words)

शब्द		**प्रयुक्त प्रत्यय**	**शब्द**		**प्रयुक्त प्रत्यय**
आगत्य	=	ल्युप प्रत्यय	**दृष्ट्वा**	=	क्त्वा प्रत्यय
हन्तुम्	=	तुमुन प्रत्यय	**उड्डीय**	=	ल्युप प्रत्यय

5. **निम्नलिखित शब्दों की विभक्ति व वचन बताइए–**
(Write the case and numbers of the following words)

शब्द	**विभक्ति**	**वचन**	**शब्द**	**विभक्ति**	**वचन**
एकस्मिन्	सप्तमी	एकवचन	**बहवः**	प्रथमा	बहुवचन
पशुषु	सप्तमी	बहुवचन	**स्वकक्षे**	सप्तमी	एकवचन
नासिकायाः	षष्ठी	एकवचन	**व्यजनेन**	तृतीया	एकवचन
इदं	प्रथमा	एकवचन	**खड्गप्रहारेण**	तृतीया	एकवचन

6. **निम्नलिखित क्रियापदों की धातु, लकार, पुरुष तथा वचन लिखिए–**
(Write Dhatoo, Lakar, persons and numbers of the following verbs)

क्रिया	**धातु**	**लकार**	**पुरुष**	**वचन**
अनिवसत्	नि+वस्	लट् लकार	प्रथम	एकवचन
अकुर्वन्	कृ	लङ् लकार	प्रथम	बहुवचन
अवीजयत्	व्यज्	लङ् लकार	प्रथम	एकवचन
आगच्छत्	आगच्छ्	लङ् लकार	प्रथम	एकवचन
न्यवारयत्	वार	लङ् लकार	प्रथम	एकवचन

7. **संस्कृत में अनुवाद कीजिए–**
(Translate into Sanskrit)
(क) एकस्मिन् नगरे 'विश्वजीत' नामक नृपः अनिवसत्।
(ख) नृपं एकः वानरः बहु प्रियंः आसीत्।
(ग) वानरः स्नेहेन नृपं अवीजयत्।
(घ) मक्षिकां दृष्ट्वा वानरः क्रुदधम् अभवत्।
(ङ) खड्गप्रहारेण नृपस्य नासिका छिन्ना अभवत्।

अष्टमः पाठः सरदार पटेलः

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–**
(Answer of the following questions)
(क) लौहपुरुषः सरदार पटेलस्य नाम आसीत्।
(ख) सरदार पटेलस्य जन्म गुजरात राज्यस्य नडियाद-नगरे अभवत्।
(ग) सरदार पटेलस्य पिता झबेरभाई कृषकः आसीत्।
(घ) यदा पटेलस्य पत्न्याः मृत्युः अभूत् इति दूरलेखः पटेलेन न्यायालये अभियोगकाले एव प्राप्तः तदा सः दूरलेखं पठित्वा अपि विचलितः न अभवत् अपितु अभियुक्तस्य रक्षण-तर्कान् प्रास्थापयत्। अत्र सरदार पटेलस्य मानसिकदृढतायाः दर्शनं भवति।
(ङ) राष्ट्रीयान्दोलनस्य सुचारू सञ्चालने साफल्येन च वल्लभभाईपटेल नवीनां 'सरदार' इति नाम्नः उपाधिं प्राप्तवान्।

2. **रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–**
(Fill in the blanks)
(क) सरदार वल्लभभाई पटेलः **(ख)** कृषि **(ग)** मानसिकदृढतायाः
(घ) खेड़ामण्डलस्य

3. **निम्नलिखित अनुच्छेदों की हिन्दी अनुवाद लिखिए–**

(Translate into Hindi of the given paragraph)

(क) सरदार वल्लभभाई पटेलः .... अस्यैवास्ति।

सरदार वल्लभभाई पटेल भारत की एकता के सूत्रधार थे। वे लौहपुरुष के नाम से विश्व में प्रसिद्ध हैं। लौहपुरुष सरदार पटेल का जन्म गुजरात राज्य के नडियाद नगर में हुआ था। न केवल भारत स्वतन्त्रता की प्राप्ति के बाद देश के भविष्य के निर्माण में उनका सर्वोत्कृष्ट योगदान है।

(ख) सरदार पटेलस्य .... दर्शनं भवति।

सरदार पटेल के पिता झबेरभाई किसान थे। बालक बल्लभ भी पिता के साथ खेती करते थे। फिर बालक वल्लभ की शिक्षा का प्रारम्भ हुआ। घर में माता लाडबाई बालक वल्लभ को निर्भयता, साहस, पुरुषार्थ आदि का ज्ञान देती थी। उन्होंने वकालत की शिक्षा प्राप्त की। 1893 ई० में युवा वल्लभ का झवेरबा नामक कन्या के साथ विवाह हो गया। उन दोनों की एक पुत्री और एक पुत्र था। लौहपुरुष की पत्नी के पेट में ट्यूमर था। अतः उनकी मृत्यु हो गई उस समय बल्लभ अभियोग के लिए (एक मुकदमे के समय) न्यायालय में थे।'पत्नी की मृत्यु हो गई' यह टेलिग्राफ पटेल को न्यायालय में मुकदमे के समय ही प्राप्त हुआ। टेलिग्राफ पढ़कर भी वह विचलित नहीं हुए बल्कि अभियुक्त की रक्षा के लिए तर्क देते रहे। यहाँ सरदार पटेल की मानसिक दृढ़ता के दर्शन होते हैं।

(ग) खेड़ामण्डलस्य .... मृत्युः अभवत्।

खेड़ामण्डल के किसानों के शोषण के कारण सरदार पटेल ने सत्याग्रह किया। यद्यपि दस वर्ष तक अधिक वर्षा और सूखे (अकाल) के कारण अनाज का उत्पादन नहीं हुआ फिर भी सरकार ने किसानों से जबरदस्ती कर (टैक्स) लिया। इसके विरोध में सरदार पटेल ने आन्दोलन किया। विनोबा भावे महापुरुष के मत में भारतीय इतिहास में लौहपुरुष की अमरता के अनेक कारण हैं। परन्तु उनमें से दो मुख्य कारण हैं– एक तो बारडोली सत्याग्रह, दूसरा स्वतन्त्रता के बाद भारतीय राज्यों का भारत में विलय करना। राष्ट्रीय आन्दोलनों के सुचारू रूप से संचालन और उनकी सफलता के कारण वल्लभभाई पटेल को 'सरदार' के नाम से नई उपाधि प्राप्त हुई। 1950 ई० में 15 (पन्द्रह) दिसंबर को हृदयाघात के कारण इस महापुरुष की मृत्यु हो गई।

4. **सन्धि–विच्छेद कीजिए–**

(Disjoin the sandhi)

प्राप्त्यनन्तरं	=	प्राप्ति	+	अनन्तरं
सर्वोत्कृष्टं	=	सर्व	+	उत्कृष्टं
अस्यैवास्ति	=	अस्यैव	+	अस्ति
पुरुषार्थादीनां	=	पुरुषार्थ	+	आदीनां
पुत्रश्चासीत्	=	पुत्रः + च	+	आसीत्
शस्योत्पादनं	=	शस्य	+	उत्पादनं

5. **निम्नलिखित शब्दों की विभक्ति व वचन बताइए–**

(Write the case and numbers of the following words)

शब्द	**विभक्ति**	**वचन**	**शब्द**	**विभक्ति**	**वचन**
भारतस्य	षष्ठी	एकवचन	**एकतायाः**	षष्ठी	एकवचन

प्राप्त्यैः	तृतीया	बहुवचन	**एकीकरणे**	सप्तमी	एकवचन
कन्यया	तृतीया	एकवचन	**न्यायालये**	सप्तमी	एकवचन
सत्याग्रहं	द्वितीया	एकवचन	**बहूनि**	प्रथमा	बहुवचन

6. **संस्कृत में अनुवाद कीजिए–**

(Translate into Sanskrit)

(क) सरदार पटेलस्य जन्म नडियादनगरे अभवत्।

(ख) सरदार पटेलः भारतस्य एकतायाः सूत्रधारः आसीत्।

(ग) पत्न्याः मृत्योपरान्त अपि सः विचलितं न अभवत्।

(घ) सरदार पटेलः सत्याग्रहं आन्दोलनं अकरोत्।

(ङ) हृदयाघातेन तस्य मृत्युं अभवत्।

नवमः पाठः गीतामृतम्

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–**

(Answer of the following questions)

(क) आत्मा न जायते न म्रियते।

(ख) जीर्णाणि शरीराणि विहाय आत्मा नवानि शरीराणि संयति।

(ग) आत्मा अचिन्त्यः अविकारी च अस्ति। अतएव आत्मां अव्यक्तो कथ्येत्।

(घ) जातस्य हि मृत्युं ध्रुवं अस्ति।

(ङ) यः मनुष्यः कर्मे अकर्मं अकर्मे कर्मं च पश्यति, सः मनुष्येषु बुद्धिमान् अस्ति।

2. **रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–**

(Fill in the blanks)

(क) **वासांसि जीर्णानि यथा** विहाय **नवानि गृह्णाति** नरोऽपराणि।
तथा शरीराणि **विहाय जीर्णान्यन्यानि संयाति** नवानि **देही** ॥

(ख) **जातस्य हि ध्रुवो** मृत्युर्ध्रुवं **जन्म मृतस्य च।**
तस्मादपरिहार्येऽर्थे **न त्वं शोचितुमर्हसि॥**

(ग) **कर्मण्यकर्म यः** पश्येदकर्मणि **च कर्म यः।**
स बुद्धिमान् मनुष्येषु **स युक्तः** कृत्सनकर्मकृत्॥

3. **दूसरे, चौथे और छठे श्लोक का हिन्दी अनुवाद कीजिए–**

(Translate into Hindi of the second, fourth and sixth given paragraphs)

(2) जैसे मनुष्य पुराने वस्त्रों को त्यागकर दूसरे नए वस्त्रों को ग्रहण करता है, वैसे ही जीवात्मा पुराने शरीरों को त्यागकर दूसरे नए शरीरों को प्राप्त होता है।

(4) जन्म लेने वाले की मृत्यु निश्चित है और मरने वाले का जन्म निश्चित है। इसलिए इस बिना उपाय वाले विषय में तू शोक करने योग्य नहीं है।

(6) जो मनुष्य कर्म में अकर्म देखता है और अकर्म में कर्म देखता है, वह मनुष्यों में बुद्धिमान् है और योगी समस्त कर्मों को करने वाला है।

4. **सन्धि–विच्छेद कीजिए–**

(Disjoin the sandhi)

कदाचिन्नायं	=	कदाचित्	+	नायम्
शाश्वतोऽयं	=	शाश्वतः	+	अयम्
नरोऽपराणि	=	नरः	+	अपराणि
अव्यक्तोऽयमचिन्त्यो	=	अव्यक्तः	+	अयमचिन्त्यो
तस्मादेवं	=	तस्मात्	+	एवं
शोचितुर्महसि	=	शोचितुम्	+	अर्हसि
दुःखेष्वनुद्विग्नमनाः	=	दुखेषु	+	अनुद्विग्नमना
कृतस्नकर्म	=	कृतस्न्	+	अकर्म

5. **निम्नलिखित शब्दों की विभक्ति व वचन बताइए–**

(Write the case and numbers of the following words)

शब्द	**विभक्ति**	**वचन**	**शब्द**	**विभक्ति**	**वचन**
पुराणो	प्रथमा	एकवचन	**जीर्णाणि**	प्रथमा	बहुवचन
नरोऽपराणि	प्रथमा	बहुवचन	**तस्मात्**	पंचमी	एकवचन
मृत्युध्रुवं	प्रथमा	एकवचन	**सुखेषु**	सप्तमी	बहुवचन
युक्तः	प्रथमा	एकवचन			

6. **संस्कृत में अनुवाद कीजिए–**

(Translate into Sanskrit)

(क) आत्मा न जायते न म्रियते च।

(ख) जीवात्मा जीर्णं देहं विहाय नवीनं धारयति।

(ग) आत्मा अव्यक्तो अस्ति।

(घ) दुखेष्वनु अपि उद्विग्न न भवेत्।

(ङ) मनुष्यः कर्मण्यकर्म पश्येत्।

दशमः पाठः कस्याः भार्या

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–**

(Answer of the following questions)

(क) कालिन्दी तटे कश्चिद्ग्रामः आसीत्।

(ख) अग्निस्वामीद्विजस्य कन्यका नाम मन्दारवती आसीत्।

(ग) तेषामेकः तत्रैव मठम् रचयित्वा तद्भस्मशय्यायाम् भैक्ष्येण जीवनम् अतिष्ठत्।

(घ) विप्रः मृतसञ्जीवनीं शक्तिम् विषये अजानात्।

(ङ) तृतीयः तपसः निर्बन्धतः परिपृष्टः पुस्तिकाम् उद्घाट्य मन्त्रपूतानि जलानि तस्मिन् भस्मानि अक्षिपत्। क्षिप्तमात्रेषु जलेषु सा मन्दारवती जीवन्ती सहसा समुद्तिष्ठत्।

(च) राजानुसारेण यः तद् भस्मशय्यायाम् समाश्लिष्य तपः अकरोत् , स एव प्रणयिकार्यकरणात् तस्या पतिः भवितुम् अर्हति।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(Fill in the blanks)

(क) अग्निस्वामी **(ख)** कान्यकुब्जात्, ब्राह्मणदारकाः **(ग)** नागदन्ते, तापसेन **(घ)** पतिः

3. निम्नलिखित अनुच्छेदों की हिन्दी अनुवाद लिखिए–

(Translate into Hindi of the given paragraph)

(क) कालिन्दी तटे .... अकुर्वन्।

यमुना नदी के किनारे कोई गाँव था। वहाँ अग्निस्वामी नाम का कोई ब्राह्मण रहता था। उसकी मन्दारवती नाम की कन्या थी। कन्नौज से तीन ब्राह्मण युवक उसका हाथ माँगने के लिए वहाँ आए। उसके पिता ने उनमें से एक को पुत्री को देने का निश्चय किया। अचानक मन्दारवती बुखार से पीड़ित होकर पंचतत्व को प्राप्त हो गई। उन ब्राह्मणकुमारों ने उसे श्मशान ले जाकर अग्निदाह कर दिया।

(ख) एतत् श्रुत्वा .... भवितुम् अर्हति।

यह सुनकर वह राजा बोला– ''जिसने क्लेश करके (दुख उठाकर) मन्त्र लाकर उसे जीवित किया वह पितृ कार्य करने के कारण उसका पति होने के योग्य नहीं है जो उसकी अस्थियों को गंगा में डालने के लिए गया, वह पुत्र कार्य करने से उसका पति नहीं है, जिसने उसकी भस्म की शय्या से लिपटकर तप किया, वही प्रणय कार्य (प्रेमी कार्य) करने के कारण उसका पति होने योग्य है।''

4. सन्धि–विच्छेद कीजिए–

(Disjoin the sandhi)

तेषामेकः	=	तेषाम्	+	एकः
तत्रैव	=	तत्र	+	एव
कस्यापि	=	कस्य	+	अपि
सान्त्वयमानोऽपि	=	सान्त्वयमानः	+	अपि
सञ्जातरोमाञ्च	=	सञ्जातः	+	रोमाञ्च
नाधुना	=	न	+	अधुना
पुनर्जीविताम्	=	पुनः	+	जीविताम्
त्रयोऽपि	=	त्रयः	+	अपि

5. संस्कृत में अनुवाद कीजिए–

(Translate into Sanskrit)

(क) मन्दारवती अग्निस्वामिनः पुत्री आसीत्।

(ख) कान्यकुब्जात् त्रयः ब्राह्मणदारकाः आगताः।

(ग) द्वितीय ब्राह्मणः तस्य अस्थीनि भागीरथ्याम् निक्षेप्तुम् गतवान्।

(घ) मम समीपे मृतसंजीवनी शक्तिः अस्ति।

(ङ) सः एतत् पुस्तकं एकस्मिन् नागदन्ते अवस्थाप्यत्।

एकादशः पाठः विचित्रं जगत्

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–**

   (Answer of the following questions)

   (क) मानवात् ऋते विविधाः प्राणिनः अत्र निवसन्ति।

   (ख) जलवासिनः जंतवः सन्ति-मत्स्याः, मकराः, कच्छपाः इति।

   (ग) पञ्च मांसाहारिणः जंतवः सन्ति– सिंहः, चित्रकाः, व्याघ्राः, शृंगालः मकराः च।

   (घ) पृथ्व्याः भागद्वयं जलम् अस्ति।

   (ङ) मत्स्याः, मकराः कच्छपाः अन्ये च जलवासिनः जंतवः कथं जलेषु निवसन्ति सन्ततिं च पालयन्ति इति सर्वं ज्ञातुं वैज्ञानिकानाम् औत्सुक्यं सदैव वर्तते। एतस्मिन् क्षेत्रे शोधकार्य निरन्तरं प्रचलति।

2. **रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–**

   (Fill in the blanks)

   (क) लघ्वाकाराः, दीर्घकायाः **(ख)** अन्नपानं **(ग)** उत्तरदक्षिण-ध्रुवप्रदेशयोः, सृष्टेः

   (घ) महत्त्वम्

3. **निम्नलिखित अनुच्छेदों की हिन्दी अनुवाद लिखिए–**

   (Translate into Hindi of the given paragraph)

   (क) **यदि भवान् .... उत्पादयन्ति।**

   यदि आप उत्तर-दक्षिण-ध्रुवप्रदेशों के हिम प्रदेशों के गर्म प्रदेशों को जाएँगे तो इसकी सृष्टि (रचना) में विविधता स्पष्ट हो जाएगी। न केवल पशु-पक्षी बल्कि पौधों, पेड़ों और फूलों के भी वैभव और विचित्रता दृष्टिगत आ जाएगी।

   (ख) **पृथिव्याः .... महत्त्वम् अस्ति।**

   पृथ्वी का दूसरा भाग जल है। समुद्र में भी अद्भुत जीवन होता है। मछली, मगरमच्छ, कछुए और अन्य जल में रहने वाले जंतु जल में कैसे रहते है और पालन करते हैं, यह सब जानने के लिए वैज्ञानिकों में सदैव उत्सुकता रहता है। इस क्षेत्र में शोध कार्य निरंतर चलता है। इस संसार में मनुष्य, जंतु और पेड़-पौधे अन्योन्याश्रित है। अतः सभी का समान महत्त्व है।

4. **सन्धि–विच्छेद कीजिए–**

   (Disjoin the sandhi)

मयूराश्च	=	मयूरः	+	च
लघ्वाकाराः	=	लघुः	+	आकाराः
निवासानुकूलं	=	निवास	+	अनुकूलं
सदैव	=	सदा	+	एव
अन्योन्याश्रिता	=	अन्योन्य	+	आश्रिता

5. **निम्नलिखित शब्दों की विभक्ति व वचन बताइए–**

   (Write the case and numbers of the following words)

शब्द	**विभक्ति**	**वचन**	**शब्द**	**विभक्ति**	**वचन**
मानवात्	पंचमी	एकवचन	**भवान्**	प्रथमा	एकवचन
शुकाः	प्रथमा	बहुवचन	**जंतवः**	प्रथमा	बहुवचन

जलवासिनः	षष्ठी	एकवचन	**विस्तृतेषु**	सप्तमी	बहुवचन
हिमप्रदेशेभ्यः	चतुर्थी/पंचमी	बहुवचन	**पक्षिणाम्**	षष्ठी	बहुवचन

6. **निम्नलिखित शब्दों से वाक्य बनाइए–**

(Frame the sentences of the following words)

अत्र	मानवात् ऋते विविधा प्राणिनः अत्र निवसन्ति।
कदाचित्	यदि भवान् कदाचित् जंतुशालायां गमिष्यति तर्हि जंतूनां विचित्रतां अनुभविष्यन्ति।
भयम्	भयावहाः सिंहाः, चित्रकाः भयम् उत्पादयन्ति।
अन्नंपानं	प्राणिनां स्वभावः अन्नपानं निवासानुकूलं भवति।
स्पष्टतरा	सृष्टेः विविधता स्पष्टतरा भविष्यति।

7. **निम्नलिखित क्रियापदों की धातु, लकार, पुरुष तथा वचन लिखिए–**

(Write Dhatoo, Lakar, persons and numbers of the following verbs)

क्रिया	**धातु**	**लकार**	**पुरुष**	**वचन**
अनुभविष्यति	अनु + भू	लृट् लकार	प्रथम	एकवचन
गर्जन्ति	गर्जन्	लट् लकार	प्रथम	बहुवचन
हरन्ति	हर्	लट् लकार	प्रथम	बहुवचन
उत्पादयन्ति	उत्पाद्	लट् लकार	प्रथम	बहुवचन
इच्छन्ति	इष्	लट् लकार	प्रथम	बहुवचन

8. **संस्कृत में अनुवाद कीजिए–**

(Translate into Sanskrit)

(क) अयं संसारः अति विशालं विचित्रं च अस्ति।

(ख) जीव-जन्तवः मांसाहारिणः शाकाहारिणः च उभयो भवन्ति।

(ग) प्राणिनां स्वभावः तेषां निवासानुकूलं भवति।

(घ) प्राणिनां सृष्टेः विविधता अस्ति।

(ङ) सर्वे वृक्षाः पादपाः जंतवः च अन्योन्याश्रिताः सन्ति।

द्वादशः पाठः नृपः भोजः

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–**

(Answer of the following questions)

(क) ज्योतिषी महोदयः एकस्य बालकस्य विषये भविष्यवाणीम् अकरोत् यत् अयं बालकः अतीव भाग्यवान्। वयस्कः भूत्वा एषः महान् नृपः भविष्यति सर्वस्मिन् विश्वे एतस्य नाम प्रसरिष्यति।

(ख) सः बालकः आश्चर्यविमूढः आसीत् यत् आचार्यः कथं जानाति यत् अहं महाराजः भविष्यामि।

(ग) ज्योतिषी महोदयः बालकस्य मुखे अग्रस्थितौ द्वौ वक्रौ दन्तौ दृष्ट्वा इदं अजानयत्।

(घ) राजाभोजः मध्यप्रदेशस्य धारानगर्यां पञ्चाशत् वर्षपर्यन्तं राज्यम् अकरोत्।

(ङ) राजा भोजः अतीव न्यायप्रियः, विद्वान्, उदारः, प्रजापालकः लोकप्रियः च नृपः आसीत्।

2. **रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–**

(Fill in the blanks)

(क) भाग्यवान् **(ख)** पाठशालायाः **(ग)** जानाति, महाराजः **(घ)** एकादशशताब्द्यां धारानगर्यां

3. **निम्नलिखित अनुच्छेदों की हिन्दी अनुवाद लिखिए–**

(Translate into Hindi of the given paragraph)

(क) पाठशालायाः .... भविष्यामि।

पाठशाला के सभी शिष्य और आचार्य चकित हुए। यह ज्योतिषी महोदय आश्रम में पहली बार ही आए हैं। इन्होंने कैसे जाना कि वह कुमार वास्तव में राजा का पुत्र है। ऐसा सोचकर सभी आश्चर्य कर रहे थे। वह बालक भी आश्चर्यविमूढ़ था। उसने पूछा– ''महाशय! आप कैसे जानते हैं कि मैं महाराज बनूँगा।''

(ख) स्वयोग्यतायां .... प्रचलिता।

अपनी योग्यता पर विश्वास करने वाला यह बालक कालांतर में 'भोज' नाम से प्रसिद्ध शासक हुआ। ग्यारहवीं शताब्दी में उसने मध्य प्रदेश की धारा नगरी में पचास वर्ष तक राज्य किया। वह बहुत ही न्यायप्रिय विद्वान, उदार, प्रजापालक लोकप्रिय राजा था। उसके विषय में अनेक रोचक कथाएँ आज भी प्रचलित हैं।

4. **किसने कहा?**

(Who said?)

(क) ज्योतिषी महोदयः **(ख)** बालकः **(ग)** ज्योतिषी महोदयः **(घ)** बालकः

5. **सन्धि–विच्छेद कीजिए–**

(Disjoin the sandhi)

सर्वस्मिन्	=	सर्व	+	अस्मिन्
प्रथमवारमेव	=	प्रथमवारं	+	एव
अग्रस्थितौ	=	अग्र	+	स्थितौ
कालान्तरे	=	काल	+	अन्तरे
एकादशशताब्द्यां	=	एकादशशत्	+	अब्द्यो
अद्यापि	=	अद्य	+	अपि

6. **संस्कृत में अनुवाद कीजिए–**

(Translate into Sanskrit)

(क) अयं बालकः एकस्मिन् दिने नृपः भविष्यति।

(ख) भवान् कथं जानाति यत् अहं महाराजः भविष्यामि।

(ग) सः बालकः तौ द्वौ दन्तौ प्रस्तर खण्डेन अभिनत।

(घ) अहं स्वपराक्रमेण एव राजा भविष्यामि।

(ङ) राजा भोजस्य विषये अनेकाः कथाः प्रचलिताः।

त्रयोदशः पाठः वेदश्लोकाः

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–**

(Answer of the following questions)

(क) वयम् कल्याणमय वचनानि कर्णेभिः शृणुयाम्।

(ख) ब्रह्मचर्येण तपसा देवाः मृत्वाम् विजयं अप्राप्यत्।

(ग) 'समानो मन्त्रः समितिः समानी' इति ईश्वरः कथयति।

(घ) प्राचीन समये देवाः संगे गच्छन्ति वदन्ति च। अतएव देवाः सद् आचारणेन सदैव उपासते।

(ङ) महावृक्षः सेवितव्यो यत् वृक्षाः फलं छाया च ददति।

2. **रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–**

(Fill in the blanks)

(क) ब्रह्मचर्येण **(ख)** आकूतिः, सुसहासति **(ग)** महावृक्षः, निवार्यते

3. **पहले, तीसरे और पाँचवे श्लोक का हिन्दी अनुवाद कीजिए–**

(Translate into Hindi of the first, third and fifth shloka)

(1) हे देववृंद, हम अपने कानों से कल्याणमय वचन सुनें। जो याज्ञिक अनुष्ठानो के योग्य हैं। ऐसे हे देवों, हम अपनी आँखों से मंगलमय देखें। नीरोग इंद्रियों एवं स्वस्थ देह के माध्यम से अपनी स्तुति करते हुए हम प्रजापति ब्रह्मा द्वारा हमारे हितार्थ सौ वर्ष अथवा उससे भी अधिक जो आयु नियत हो, उसे प्राप्त करें।

(3) हम सब एक साथ चलें; एक साथ बोलें। हमारे मन एक हों। प्राचीन समय में देवताओं का ऐसा आचरण रहा, इसी कारण वे सदैव वंदनीय हैं।

(5) सबके मन सबके कल्याण में एक समान हों और ईश्वर स्मरण तथा शुभ गुणों के प्रति सबका चिंतन समान हो। सब प्राणियों के दुःख नाश और सुख वृद्धि की भावना सन्निहित हो।

4. **सन्धि–विच्छेद कीजिए–**

(Disjoin the sandhi)

पश्येमाक्षभिः	=	पश्येम्	+	अक्षभिः
यदायुः	=	यद्	+	आयुः
मृत्युमपाहनत	=	मृत्युं	+	अपाहनत्
संवदध्वं	=	सम्	+	वदध्वं
समानमस्तु	=	समानम्	+	अस्तु
फलच्छाया	=	फलः	+	छाया
नास्ति	=	न	+	अस्ति

5. **निम्नलिखित शब्दों की विभक्ति व वचन बताइए–**

(Write the case and numbers of the following words)

शब्द	**विभक्ति**	**वचन**	**शब्द**	**विभक्ति**	**वचन**
कर्णेभिः	तृतीया	बहुवचन	**देवा**	प्रथमा	बहुवचन
ब्रह्मचर्येण	तृतीया	एकवचन	**मनांसि**	प्रथमा	बहुवचन
समितिः	प्रथमा	एकवचन	**हृदयानि**	प्रथमा	बहुवचन
महावृक्षः	प्रथमा	एकवचन	**केन**	तृतीया	एकवचन

6. **निम्नलिखित शब्दों से वाक्य बनाइए–**

(Frame the sentences of the following words)

शृणुयाम्	वयं कर्णेभिः शृणुयाम्।
यदायुः	तव यदायुः नियत असि।
तपसा	ब्रह्मचर्येण तपसा देवाः मृत्युमपाहनत्।
मनांसि	अस्माकं मनांसि जानताम्।
समानेन	अहं त्वाम् समानेन हविषा जुहोमि।
आकूतिः	समानी व आकूतिः समाना हृदयानि वः।
सेवितव्यो	महावृक्षः सेवितव्यो।

7. **संस्कृत में अनुवाद कीजिए–**

(Translate into Sanskrit)

(क) वयम् अक्षभि भद्रं पश्येम।　　**(ख)** वयम् संगच्छध्वं।

(ग) यूष्माकं मनः, विचारः समितिः च समानं स्थ।

(घ) महावृक्षः सेवितव्यो।　　**(ङ)** छाया केन निवार्यते?

चतुर्दशः पाठः कस्य हंसः

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–**

(Answer of the following questions)

(क) कपिलवस्तु नाम नगर्यां शुदधोधनः राजा राज्यं करोति स्म।

(ख) शुद्धोधनस्य पुत्रस्य नाम सिद्धार्थः आसीत्।

(ग) एकदा सिद्धार्थः भ्रमणायोपवनम् अगच्छत्।

(घ) शरेणाविद्धः हंसः सिद्धार्थस्य अङ्के अपतत्।

(ङ) न्यायाधीशः नृपः न्यायं अकरोत् – 'रक्षकः भक्षकात् श्रेष्ठः भवति। अतः हंसस्योपरि सिद्धार्थस्याऽधिकारोऽस्ति।

2. **रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–**

(Fill in the blanks)

(क) गृहे **(ख)** सिद्धार्थः, परोपकारी **(ग)** खगाः (घ) हंसस्योपरि

3. **निम्नलिखित अनुच्छेदों का हिन्दी अनुवाद कीजिए–**

(Translate into Hindi of the following paragraphs)

(क) **पुरा .... आसीत्।**

प्राचीनकाल में कपिलवस्तु नाम की नगरी में शुद्धोधन राजा राज्य करता था। उनके घर में एक पुत्र उत्पन्न हुआ। उनका नाम सिद्धार्थ था। उनका लालन-पालन बहुत लाड़-प्यार से हुआ। सिद्धार्थ बचपन से ही दयालु और उदार थे। उनके मन में दया और करुणा थी। वे प्राणियों से प्यार करते थे। सिद्धार्थ सांसारिक दुखों से अपरिचित थे।

(ख) **न्यायालये .... अभवत्।**

न्यायालय में शिकारी कहता है– महाराज! मैंने यह पक्षी बाण से घायल किया है इसलिए यह मेरा होना चाहिए परन्तु यह सिद्धार्थ इसे मुझे नहीं दे रहा है। राजा ने कहा– ''इस

पक्षी को स्वतंत्र छोड़ दो जिसके पास यह स्वयं ही जाएगा वही इसका स्वामी होगा।'' पक्षी शीघ्र उड़कर सिद्धार्थ की गोद में चला गया। न्यायाधीश (राजा) बोला– ''रक्षा करने वाला मारने वाले से अधिक श्रेष्ठ होता है इसलिए पक्षी के ऊपर सिद्धार्थ का अधिकार है।'' आगे चलकर सिद्धार्थ ही गौतम बुद्ध हुए।

4. सन्धि–विच्छेद कीजिए–

(Disjoin the sandhi)

पुत्रोऽजायत्	=	पुत्र	+	अजायत्
भ्रमणायोपवनम्	=	भ्रमणाय	+	उपवनम्
सिदधार्थस्याङ्के	=	सिद्धार्थस्य	+	अङ्के
तयोर्मध्ये	=	तयोः	+	मध्ये
अतोऽयं	=	अतः	+	अयं
हंसोऽयं	=	हंसः	+	अयं
स्वयमेव	=	स्वयं	+	एवं
हंसस्योपरि	=	हंसस्य	+	उपरि

5. संस्कृत में अनुवाद कीजिए–

(Translate into Sanskrit)

(क) राजा शुद्धोनस्य पुत्रस्य नाम सिद्धार्थः आसीत्।

(ख) सिद्धार्थः बाल्यकालात् एव दयालुः परोपकारी च आसीत्।

(ग) सिद्धार्थः सांसारिकेन दुखेन अपरिचितः आसीत्।

(घ) तौ न्यायाय न्यायालयं गतवन्तौ।

(ङ) हंसस्योपरि सिद्धार्थस्याऽधिकारोऽस्ति।

पञ्चदशः पाठः संगणकम्

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(Answer of the following questions)

(क) आधुनिक युगं विज्ञानस्य युगम् अस्ति।

(ख) संगणकस्य आविष्कारः 1622 तमे वर्षे फ्रांस देशे अस्य आविष्कारः अभवत्।

(ग) संगणकस्य अनेकाः लाभाः सन्ति। संगणकः प्रश्नस्य उत्तरं द्राकः एव तेन दीयते। यदि सत्युमत्तरं न ज्ञायते तर्हि संगणकेन कथ्यते यत् क्षम्यामुत्तरं न ज्ञायते।

(घ) अस्माकं जीवनक्षेत्रे संगणकस्य विशिष्टं स्थानं अस्ति।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(Fill in the blanks)

(क) उद्योगालये, संगणकस्य **(ख)** 1662 **(ग)** त्वरितमनेन **(घ)** संगणकाः

3. निम्नलिखित अनुच्छेदों का हिन्दी अनुवाद कीजिए–

(Translate into Hindi of the following paragraphs)

(क) अद्यतः .... भवति।

आज से 350 वर्ष पहले अंकों के प्रयोग के लिए इस यंत्र का आविष्कार हुआ। इसके बाद पी0 इकरैट जांह्न डब्ल्यू0 मैकाली, जी0वी0 न्यूमैना के अपूर्व सहयोग से इस यंत्र

का शुद्ध नाम 'इलेक्ट्रॉनिक नंबर इंटीमेंटर एंड कप्यूटर' रखा। इसके बाद 1952 वर्ष में आधुनिक रूप से चारों ओर फैल गया।।

(ख) **द्वितीय .... स्थानं अस्ति।**

दूसरा विश्लेषक कंप्यूटर समस्या का समाधान करता है। अनेक विषयों की समस्याओं के लिए विविध कंप्यूटर होते हैं। उसके ही विषय की या कोई भी समस्या हो, तो उसके ऊपर छोड़ देते हैं। प्रश्न का उत्तर जल्दी देता है। यदि सत्य उत्तर का नहीं पता तो कम्प्यूटर कहता है कि क्षमा कीजिए, उत्तर का पता नहीं है। हमारे जीवन के क्षेत्र में कंप्यूटर का विशेष स्थान है।

4. सन्धि—विच्छेद कीजिए—

(Disjoin the sandhi)

सर्वेत्रैव	=	सर्वत्र	+	एव
प्रयोगार्थम्	=	प्रयोग	+	अर्थम्
त्वरिमनेन	=	त्वरिम्	+	अनेन
यंत्रमपि	=	यंत्रम्	+	अपि
सत्युमत्तरं	=	सत्यं	+	उत्तरं
क्षम्यमतामुत्तरं	=	क्षम्यमताम्	+	उत्तरं

5. निम्नलिखित शब्दों की विभक्ति व वचन बताइए—

(Write the case and numbers of the following words)

शब्द	**विभक्ति**	**वचन**	**शब्द**	**विभक्ति**	**वचन**
विज्ञानस्य	षष्ठी	एकवचन	**चमत्कारान्**	द्वितीया	बहुवचन
रूपेण	तृतीया	एकवचन	**उत्तराणि**	प्रथमा	बहुवचन
गणनानां	षष्ठी	बहुवचन	**संगणकेन**	तृतीया	एकवचन

6. संस्कृत में अनुवाद कीजिए—

(Translate into Sanskrit)

(क) आधुनिक युगं विज्ञानस्य युगं अस्ति।

(ख) संसारस्य सर्वाणि कार्याणि कंप्यूटरेन संपन्नानि भवन्ति।

(ग) कंप्यूटरस्य अनेकाः लाभाः सन्ति।

(घ) द्वितीय विश्लेषकं संगणकं समस्यानाम् समाधानं करोति।

(ङ) अस्माकं जीवने कम्प्यूटरस्य विशिष्टं महत्त्वं अस्ति।

षोडशः पाठः भारतीय संस्कृति

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

(Answer of the following questions)

(क) भारतीया संस्कृतिः वैविध्यमयी खलु अस्ति।

(ख) विश्वस्य प्राचीनतम संस्कृतिः भारतीया संस्कृतिः अस्ति।

(ग) अनेकत्वे एकत्वस्यानुपममुदाहरणं प्रस्तुतवती संस्कृतिरियं विश्वजनान् आश्चर्यचकितान् करोति।

(घ) हिन्दवः श्रुतिषु स्मृतिषु च विश्वसन्ति।

(ङ) कमलमन्दिरं दिल्लीनगरे स्थितः।

2. **रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–**

(Fill in the blanks)

(क) संस्कृतिषु **(ख)** अखिलसंसारे **(ग)** मतमतान्तरानुयायिनः **(घ)** पूजापद्धतयः

3. **निम्नलिखित अनुच्छेदों का हिन्दी अनुवाद कीजिए–**

(Translate into Hindi of the following paragraphs)

(क) **अतीव .... परवर्धिता।**

भारतीय संस्कृति अति विविधता पूर्ण है। संसार की प्राचीन संस्कृतियों में इसकी गणना होती है। वैदिक काल से लेकर आज तक अनेक रूपों में परिवर्तित होती हुई यह संस्कृति अपने अद्भुत गुणों के कारण संपूर्ण संसार में प्रतिष्ठित है। जैसा कि कहा भी गया है 'संस्कृत और संस्कृति दोनों ही भारत की प्रतिष्ठा है। वैदिक काल में आर्य लोगों के द्वारा प्रवर्तित यह कालांतर में अनेक समुदायों, संप्रदायों और धर्मावलाम्बियों से वृद्धि को प्राप्त हुई।

(ख) **मुस्लिमाः .... च ध्यायन्ति।**

मुसलमान 'कुरान शरीफ' के अनुसार मस्जिदों में अल्लाह की इबादत करते हैं। सिक्ख गुरुद्वारों में गुरुग्रंथ साहिब और गुरुओं की पूजा करते हैं। ईसाई 'बाइबिल' ग्रंथ के अनुसार चर्च में प्रभु यीशू की अर्चना करते हैं। इसी प्रकार जैनी जैन मंदिरों में चौबीस तीर्थंकरों की स्तुति करते हैं। बौद्ध मठ और विहारों में भगवान् बौद्ध का ध्यान करते हैं। पारसी भी अपने-अपने धर्म स्थलों में जरथुस्त्र को याद करते हैं और पूजते हैं। दिल्ली नगर में बहाई धर्म के अनुयायियों की भी कमल मंदिर में उनकी उपासना विधि दिखाई देती है। वहाँ पर भक्त एक सभागार में शांति के साथ बैठते हैं और अपने इष्टदेव का ध्यान करते हैं।

4. **सन्धि–विच्छेद कीजिए–**

(Disjoin the sandhi)

गुणैरैव	=	गुणैः	+	एव
यथोक्तम्	=	यथा	+	उक्तम्
धर्मावलम्बिनः	=	धर्म	+	अवलम्बिनः
मतमतान्तरानुयायिनः	=	मतमतान्तर	+	अनुयायिनः
सर्वैरेव	=	सर्वे	+	एव
सर्वेषामपि	=	सर्वेषाम्	+	अपि

5. **निम्नलिखित शब्दों की विभक्ति व वचन बताइए–**

(Write the case and numbers of the following words)

शब्द	**विभक्ति**	**वचन**	**शब्द**	**विभक्ति**	**वचन**
गुणैः	तृतीया	बहुवचन	**जनाः**	प्रथमा	बहुवचन
अखिलसंसारे	सप्तमी	एकवचन	**समुदायैः**	तृतीया	बहुवचन
अनुयायिनः	प्रथमा	बहुवचन	**अनेकत्वे**	सप्तमी	एकवचन

6. **निम्नलिखित क्रियापदों की धातु, लकार, पुरुष तथा वचन लिखिए–**

(Write Dhatoo, Lakar, persons and numbers of the following verbs)

क्रिया	**धातु**	**लकार**	**पुरुष**	**वचन**
वर्तते	वृत्	लट् लकार	प्रथम	एकवचन
परिवर्धिता	वर्ध्	लट् लकार	प्रथम	एकवचन

निवसन्ति	नि+वस्	लट् लकार	प्रथम	बहुवचन
भवन्ति	भू	लट् लकार	प्रथम	बहुवचन
गायन्ति	गा	लट् लकार	प्रथम	बहुवचन
स्तुतवन्ति	स्तुत्	लट् लकार	प्रथम	बहुवचन
ध्यायन्ति	धा	लट् लकार	प्रथम	बहुवचन

7. संस्कृत में अनुवाद कीजिए–

(Translate into Sanskrit)

(क) भारतीय संस्कृतिः वैविध्यपूर्णः अस्ति।

(ख) संस्कृतः संस्कृतिश्च एवं भारतस्य प्रतिष्ठां अस्ति।

(ग) अत्र अनेकानि धर्माणां सम्प्रदायाणां च जनाः निवसन्ति।

(घ) भारतीया संस्कृतिः अनेकतायाम् एकतायाः उदाहरणं प्रस्तुतवती।

(ङ) भक्ताः सभागारे शान्त्या तिष्ठन्ति।

सप्तदशः पाठः गदर्भस्य कथा

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(Answer of the following questions)

(क) रजकस्य नाम बसन्तो आसीत्।

(ख) रजकस्य गृहे एकः चौरः प्रविष्टः।

(ग) चौरं दृष्ट्वा गर्दभः श्वानमाह – सखे! भवतः तावत् अयं व्यापारः तत् किमर्थं त्वम् उच्चैः शब्द कृत्वा स्वामिनं न जागरयसि।

(घ) कुक्कुरे स्वस्वामिविषये अकथयत् यत् भृत्यान् संभाषयेद् यस्तु कार्यकाले स किं स्वामी!''

(ङ) रजकः गर्दभेन चीत्कार– शब्देन प्रबुद्धः निद्राभङ्गकोपात् उत्थाय लगुडेन गर्दभं ताडयामास। येन असौ पञ्चत्वम् अगमत्।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(Fill in the blanks)

(क) सपरिवारः **(ख)** प्राङ्गणे **(ग)** व्यापारः **(घ)** गर्दभः

3. किसने कहा?

(Who said)

(क) गर्दभः **(ख)** श्वानः **(ग)** गर्दभः **(घ)** गर्दभः

4. निम्नलिखित अनुच्छेद का हिन्दी अनुवाद कीजिए–

(Translate into Hindi of the following paragraph)

गर्दभः अवदत् .... पञ्चतवम् अगमत्।

गधा बोला– ''सुन रे मूर्ख! जो कार्य के समय माँगे वह कैसा सेवक और कैसा मित्र!'' कुत्ता बोला– ''जो (केवल) काम के समय सेवक से बात करे, वह कैसा स्वामी।'' तब गधे ने गुस्से से कहा– अरे दुष्ट बुद्धि! तू बड़ा पापी है कि विपत्ति में स्वामी के काम की अवहेलना करता है। ठीक, जिससे स्वामी जग जाए, ऐसा कार्य करूँगा।''

इतना कहकर गधे ने जोर से रेंकने की आवाज की। तब वह धोबी उसके रेंकने से जाग गया और नींद टूटने के कारण क्रोध से लकड़ी से गधे को मारा, जिससे गधा मर गया।

5. **सन्धि–विच्छेद कीजिए–**

(Disjoin the sandhi)

तद्नन्तरं	=	तत्	+	अनन्तरं
श्वानमाह	=	श्वानं	+	आह
त्वमेवं	=	त्वम्	+	एवं
अहर्निशं	=	अहः	+	निशं
ममोपयोगं	=	मम	+	उपयोगं
अधुनाऽपि	=	अधुना	+	अपि
सकोपमाह	=	सकोपं	+	आह
ताडयामास	=	ताडयाम्	+	आस

6. **निम्नलिखित शब्दों की विभक्ति व वचन बताइए–**

(Write the case and numbers of the following words)

शब्द	**विभक्ति**	**वचन**	**शब्द**	**विभक्ति**	**वचन**
रजकः	प्रथमा	एकवचन	**रात्रौ**	सप्तमी	एकवचन
द्रव्याणि	प्रथमा	बहुवचन	**प्राङ्गणे**	सप्तमी	एकवचन
स्वामिनं	द्वितीया	एकवचन	**त्वया**	तृतीया	एकवचन
कार्यकाले	सप्तमी	एकवचन	**विपत्तौ**	सप्तमी	एकवचन
लगुडेन	तृतीया	एकवचन			

7. **संस्कृत में अनुवाद कीजिए–**

(Translate into Sanskrit)

(क) रजकः रात्रौ स्वपरिवारेण सह स्वपिति स्म।

(ख) रजकस्य प्राङ्गणे एकः गर्दभः कुक्कुरश्च निवसति स्म।

(ग) एकस्मिन् रात्रौ रजकस्य ग्रहे चौरः प्रविष्टिः।

(घ) गर्दभः कुक्कुरेण अकथयत् – स्वामीधनस्य रक्षां कुरु।

(ङ) श्वानः अकथयत् अहर्निशं परिश्रमं कर्तुं अपि स्वामी केचन् न ददाति।

अष्टादशः पाठः वृद्धः कपोतः

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–**

(Answer of the following questions)

(क) कस्मिंश्चित् वने कपोतानाम् एकः दलः वसति स्म।

(ख) कपोतदलस्य नेता संरक्षकश्च एकः वृद्धः कपोतः आसीत्।

(ग) एकदा वने एकः व्याघः तत्रागतः।

(घ) व्याघः तत्र वृक्षे कपोताः निवसन्ति स्म तत्र तंडुलकणान् भूमौ अपतत्। लोभवशात् कपोताः व्याधस्य जाले बद्धाः अभवत्।

(ङ) वृद्धस्य कपोतस्य परामर्शेन सर्वे कपोताः जालमादाय वृद्धस्य कपोतस्य मित्र हिरण्यकस्य नामकस्य मूषकस्य समीपं गतः। मूषकः झटिति कपोतानां जालं तीक्ष्ण-दंतैः कृन्तति एवं वृद्धकपोतः कपोतानाम् रक्षां अकरोत्।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(Fill in the blanks)

(क) वने, उदरपूर्ति **(ख)** प्रसन्नः **(ग)** तंडुलराशिं **(घ)** धैर्यं

3. निम्नलिखित अनुच्छेदों का हिन्दी अनुवाद कीजिए–

(Translate into Hindi of the following paragraphs)

(क) एकदा .... करिष्यामि।

एक बार शिकारी वहाँ आया। वृक्ष पर बैठे अनेक कबूतरों को देखकर वह बहुत खुश हुआ। उसने सोचा– आह, मेरा सौभाग्य! लेकिन अभी तो शाम हो गई है, क्या करूँ। ठीक है, कल यहाँ आकर चावल के दाने बिखेर दूँगा। बहुत से चावल देखकर वे कबूतर भूमि पर आ जाएँगे। उसी समय मैं सभी कबूतरों को जाल में पकड़ लूँगा।

(ख) लोभवशात् .... च प्राप्नुवन्ति।

लोभ के कारण कबूतरों ने उसका आदेश नहीं माना। परिणामस्वरूप वे सब निर्दयी शिकारी के जाल में पकड़े गए। जाल में पकड़े उन सभी को बहुत पश्चात्ताप हुआ। इसी बीच बूढ़ा कबूतर भी वहाँ पहुँचा। कबूतरों को आश्वासन देते हुए उसने कहा–''दुःखी मत हो, धैर्य रखो, ''एकता कार्य को साधती है।'' तुम सब एक होकर जाल को लेकर आकाश में उड़ो। वन के पास हमारा मित्र हिरण्यक चूहा रहता है। हम सब उसके पास चलते हैं। अब यही उपाय है। ''विपत्ति में धैर्य न छोडिए।'' वे सभी जाल लेकर उड़ते हैं और चूहे के सामने पहुँचते हैं।

4. सन्धि–विच्छेद कीजिए–

(Disjoin the sandhi)

संरक्षकश्च	=	संरक्षकः	+	च
तत्रागतः	=	तत्र	+	आगतः
सोऽचिंतयत्	=	सः	+	अचिंतयत्
किमपि	=	किम्	+	अपि
जालमादाय	=	जालम्	+	आदाय

5. निम्नलिखित शब्दों की विभक्ति व वचन बताइए–

(Write the case and numbers of the following words)

शब्द	विभक्ति	वचन	शब्द	विभक्ति	वचन
कपोतानाम्	षष्ठी	बहुवचन	**व्याधः**	प्रथमा	एकवचन
तंडुलराशिं	द्वितीया	एकवचन	**जालबद्धान्**	द्वितीया	बहुवचन
तंडुलकणान्	द्वितीया	बहुवचन	**लोभवशात्**	पंचमी	एकवचन
कपोतान्	द्वितीया	बहुवचन	**वनस्य**	षष्ठी	एकवचन

6. संस्कृत में अनुवाद कीजिए–

(Translate into Sanskrit)

(क) एकस्मिन् वने कपोतानाम् एकः दलः वसति स्म।

(ख) तस्य दलस्य संरक्षकः एकः वृद्धः कपोतः आसीत्।

(ग) एकदा तत्र एकः व्याधः आगच्छत्।

(घ) सः व्याधः तान् कपोतान् जालेबद्धम् अकरोत्।

(ङ) वृद्धस्य कपोतस्य मित्रः हिरण्यकः मूषकः तेषाम् जालः कृन्त्वा तान् सुरक्षिताः।

एकोनविंशति पाठः यक्ष युधिष्ठिर-संवादः

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–**
   (Answer of the following questions)
   (क) गुरुतरं भूमेः माता भवति।
   (ख) प्रवसतो मित्रं सार्थः भवति।
   (ग) मरिष्यतः मित्रं दानं भवति।
   (घ) असाधुः स्मृतः निर्दयः अस्ति।
   (ङ) धर्मज्ञः पंडितः।
2. **रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–**
   (Fill in the blanks)
   (क) **माता गुरुतरा** भूमेः **खात्** पितोच्चतरस्तथा।
   मनः शीघ्रतरं **वातच्चिंता बहुतरी** तृणात् ॥
   (ख) **सार्थः** प्रवसतो **मित्रं भार्या मित्रं** गृहे **सतः**।
   आतुरस्य **भिषङ्मित्रं दानं मित्रं** मरिष्यतः ॥
   (ग) **क्रोधः** सुदुर्जयः **शत्रुर्लोभो** व्याधिरनंतकः।
   सर्वभूतहितः साधुरसाधुर्निदयः **स्मृतः** ॥
   (घ) धर्मज्ञः **पंडितो ज्ञेयो नास्तिको** मूर्ख **उच्यते**।
   कामः **संसारहेतुश्च ह्वत्तापो** मत्सरः **स्मृतः**
3. **निम्नलिखित अनुच्छेदों का हिन्दी अनुवाद कीजिए–**
   (Translate into Hindi of the following paragraphs)
   (क) **किंस्वित प्रवसतो .... दानं मित्र मरिष्यतः।**

   यक्ष बोले – प्रवास में मित्र कौन है? घर में मित्र कौन है? रोगी का मित्र कौन है तथा मरने वाले का मित्र कौन है?

   युधिष्ठिर बोले – प्रवास में सहयात्री मित्र है। घर में पत्नी मित्र होती है। रोगी का मित्र औषधि तथा मरने वाले का मित्र दान होता है।

   यक्ष बोले – मनुष्य का दुर्जय (न जीता जाने वाला) शत्रु कौन है, कभी न मिटने वाली बीमारी कौन-सी है? साधु को कैसा कहा गया है तथा असाधु को कैसा कहा गया है?

   (ख) **कः पंडितः .... मत्सरः स्मृतः॥**

   यक्ष बोले – कौन पुरुष पंडित तथा कौन नास्तिक जाना जाता है? कौन मूर्ख तथा कामी कौन, किसे ईष्यालु कहते हैं।

   युधिष्ठिर बोले – धर्म को जाननेवाला पुरुष पंडित तथा मूर्ख को नास्तिक जाना जाता है। संसार हेतु कार्य काम तथा हृदय की जलन ही ईर्ष्या है।

4. **सन्धि–विच्छेद कीजिए–**

(Disjoin the sandhi)

किंस्विदुच्चतरं	=	किंस्वित्	+	उच्चतरं
पितोच्चतरस्तथा	=	पितः	+	उच्चतरस्तथा
शत्रुर्दुर्जयः	=	शत्रुः	+	दुर्जयः
व्याधिरनतकः	=	व्याधिः	+	अनन्तकः
साधुरसाधुर्निदय	=	साधुः	+	असाधुर्निदय
संसारहेतुश्च	=	संसारहेतुः	+	च

5. **निम्नलिखित शब्दों की विभक्ति व वचन बताइए–**

(Write the case and numbers of the following words)

शब्द	**विभक्ति**	**वचन**	**शब्द**	**विभक्ति**	**वचन**
भूमेः	षष्ठी/पंचमी	एकवचन	**वायोः**	षष्ठी	एकवचन
तृणात्	पंचमी	एकवचन	**खात्**	पंचमी	एकवचन
मित्रं	द्वितीया	एकवचन	**आतुरस्य**	षष्ठी	एकवचन
पुंसा	प्रथमा	एकवचन	**ज्ञेयो**	प्रथमा	एकवचन

6. **निम्नलिखित क्रियापदों की धातु, लकार, पुरुष तथा वचन लिखिए–**

(Write Dhatoo, Lakar, persons and numbers of the following verbs)

क्रिया	**धातु**	**लकार**	**पुरुष**	**वचन**
प्रवसति	प्र+वस्	लट् लकार	प्रथम	एकवचन
मरिष्यतः	मृ	लट् लकार	प्रथम	एकवचन
उच्यते	उच्	लट् लकार	प्रथम	एकवचन
स्यात्	अस्	लट् लकार	प्रथम	एकवचन

7. **निम्नलिखित शब्दों से वाक्य बनाइए–**

(Frame the sentences of the following words)

भूमेः	माता भूमेः गुरुतराः अस्ति।	**खात्**	खात् पिता उच्चतरः भवति।
किंस्वित्	किंस्वित् प्रवसतो मित्रं ?	**गृहे**	गृहे भार्या मित्रः भवति।
दानं	दानं मित्रं मरिष्यतः।	**मत्सरः**	मत्सरः कः अस्ति ?

8. **संस्कृत में अनुवाद कीजिए–**

(Translate into Sanskrit)

(क) माता भूमेः पिता खात् च उच्चतरः अस्ति।

(ख) प्रवसतो मित्रं सहयात्री गृहे च भार्या मित्रम् भवति।

(ग) मनुष्यस्य दुर्जय शत्रुः क्रोधः लोभश्च कदापि न व्याधिअनन्तकः।

(घ) सर्वभूतहितः साधवः कुर्वन्ति।

(ङ) धर्मज्ञः पंडितो भवति।

विंशति पाठः रक्षाबन्धनम्

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–**

(Answer of the following questions)

(क) रक्षाबंधनं पर्व श्रावणमासस्य पूर्णिमायां तिथौ भवति।

(ख) अस्मिन् पर्वाणि सर्वे हिंदूजनाः सप्तर्षीणां पूजनं कुर्वन्ति गृहेषु च श्रावणी पूजा स्त्रीभिः क्रियते।

(ग) चित्तौड़स्य हिंदूराज्ञी कर्मवती हुमायूँनामकं मुसलमानसम्राटं स्वभ्रातरं मत्वा तस्य पार्श्वे रक्षासूत्रं प्रेषितवती।

(घ) रक्षाबंधन दिवसे एवं उपाकर्मसंस्कारस्यापि विधानमस्ति।

(ङ) अस्मिन् दिवसे धार्मिकाः जनाः पुरोहितेन सह नदी तटं पवित्रं सरोवरं वा गच्छन्ति तत्र स्नानं च कुर्वन्ति।

2. **रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–**

(Fill in the blanks)

(क) श्रावणी **(ख)** रक्षाबंधनस्य **(ग)** मध्यकालिके **(घ)** गुजरातनरेशेन

3. **निम्नलिखित अनुच्छेदों का हिन्दी अनुवाद कीजिए–**

(Translate into Hindi of the following paragraphs)

(क) **रक्षाबंधनं .... नाम प्रसिद्धम्।**

रक्षाबंधन का त्योहार श्रावण महीने की पूर्णिमा तिथि को होता है। अतः इसका नाम श्रावणी भी प्रसिद्ध है। इस त्योहार पर सभी हिंदू लोग सप्तऋषियों की पूजा करते हैं और घर पर स्त्रियाँ श्रावणी की पूजा करती हैं। इस दिन बहनें अपने छोटे-बड़े भाइयों के दाहिने हाथ में राखियाँ बाँधती हैं। कमजोर धागों से बँधा भाई-बहन का मजबूत सम्बन्ध भारतीय संस्कृति की सघनता का प्रतीक है। अतः यह उत्सव रक्षाबंधन नाम से प्रसिद्ध है।

(ख) **भारतस्य .... च कुर्वन्ति।**

भारत के मध्यकाल के इतिहास में रक्षाबंधन के महत्त्व के बारे में एक दृष्टांत मिलता है। चित्तौड़ की हिंदू रानी कर्मवती ने हुमायूँ नामक मुसलमान सम्राट को अपना भाई मानकर उसके पास राखी भेजी थी। उस सम्राट ने राखी को स्वीकार करके उसके सम्मान की रक्षा की।

गुजरात के राजा के साथ युद्ध में चित्तौड़ देश की सहायता की। रक्षाबंधन पर्व पर उपाकर्म संस्कार का भी विधान है। इस दिन धार्मिक लोग पुरोहित के साथ नदी पर या पवित्र सरोवर में जाते हैं और वहाँ स्नान करते हैं।

4. **सन्धि–विच्छेद कीजिए–**

(Disjoin the sandhi)

इत्यपि	=	इति	+	अपि
स्वानुजानां	=	स्व	+	अनुजानां
अस्योत्सवस्य	=	अस्य	+	उत्सवस्य
कस्यापि	=	कस्य	+	अपि
संस्कारस्यापि	=	संस्कारस्य	+	अपि

5. **निम्नलिखित शब्दों की विभक्ति व वचन बताइए–**

(Write the case and numbers of the following words)

शब्द	**विभक्ति**	**वचन**	**शब्द**	**विभक्ति**	**वचन**
श्रावणमासस्य	षष्ठी	एकवचन	**स्त्रीभिः**	तृतीया	बहुवचन
भगिन्यः	षष्ठी	एकवचन	**दिने**	सप्तमी	एकवचन
इतिहासे	सप्तमी	एकवचन	**चित्तौड़स्य**	षष्ठी	एकवचन
तस्याः	षष्ठी	एकवचन	**जनाः**	प्रथमा	बहुवचन

6. **निम्नलिखित क्रियापदों की धातु, लकार, पुरुष तथा वचन लिखिए–**

(Write Dhatoo, Lakar, persons and numbers of the following verbs)

क्रिया	**धातु**	**लकार**	**पुरुष**	**वचन**
भवति	भू	लट् लकार	प्रथम	एकवचन
क्रियते	कृ (आत्मनेपद)	लट् लकार	प्रथम	एकवचन
बध्नन्ति	बध्	लट् लकार	प्रथम	बहुवचन
विद्यते	विद्	लट् लकार	प्रथम	एकवचन
मिलति	मिल्	लट् लकार	प्रथम	एकवचन
प्रेषितवती	प्रेष्	लट् लकार	प्रथम	एकवचन

7. **निम्नलिखित शब्दों से वाक्य बनाइए–**

(Frame the sentences of the following words)

तिथौ	रक्षाबंधनं पर्व श्रावणमासस्य पूर्णिमायां तिथौ भवति।
क्रियते	श्रावणी पूजा स्त्रीभिः क्रियते।
कापि	कापि कन्या पुरुषस्य हस्ते रक्षासूत्रं बध्नन्ति।
तां	सः पुरुषः तां प्रति भगिनीवद् व्यवहारं करोति।
दृष्टान्तः	भारतस्य इतिहासे रक्षा बन्धनस्य विषये एकः दृष्टान्तः मिलति।
विशिष्टं	रक्षाबंधनपर्वे रक्षासूत्रस्य एकं विशिष्टं महत्वमस्ति।

8. **संस्कृत में अनुवाद कीजिए–**

(Translate into Sanskrit)

(क) रक्षाबंधनं श्रावणी अपि कथ्यते।

(ख) अस्मिन् दिने भगिनी स्वभ्रातुः हस्ते रक्षासूत्रं बध्नन्ति।

(ग) कर्मवती चित्तौड़स्य राज्ञी आसीत्।

(घ) सा मुस्लिम सम्राटः हुमायूँ रक्षासूत्रं प्रेषितवती स्म।

(ङ) रक्षाबन्धनं भारतीयस्य संस्कृत्याः पावनः उत्सवः अस्ति।